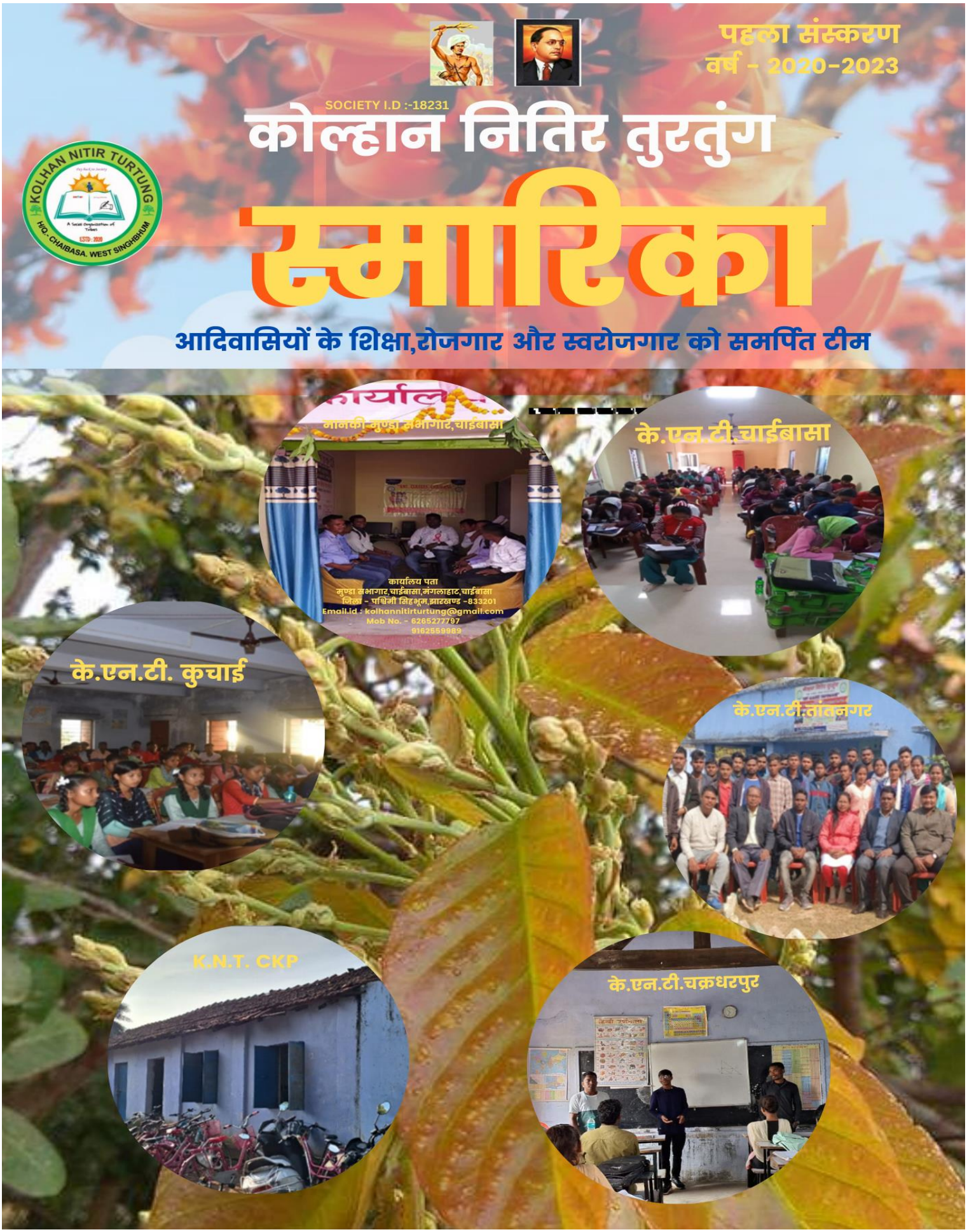
पहला संस्करण
वर्ष - 2020-2023
SOCIETY I.D :-18231
कोल्हान नितिर तुरतुंग
KOLHAN NITIR TURTUNG
HQ - CHAIBASA, WEST SINGHBHUM
स्मारिका
आदिवासियों के शिक्षा,रोजगार और स्वरोजगार को समर्पित टीम
कार्यालय
मानकी मुण्डा सभागार,चाईबासा
कार्यालय पता
मुण्डा सभागार,चाईबासा,नंगलाहाट,चाईबासा
जिला - पश्चिमी सिंहभूम,झारखण्ड -833201
Email.id : kolhannitirturtung@gmail.com
Mob No. - 6265277797
9162559989
के.एन.टी.चाईबासा
के.एन.टी. कुचाई
के.एन.टी.तांतनगर
K.N.T. CKP
के.एन.टी.चक्रधरपुर

प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न,
समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, गणराज्य बनाने के लिए
तथा अपने समस्त नागरिको को :
सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक-न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता
प्रतिष्ठा और अवसर की समानता,
प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर
हमारी इस संविधान सभा में आज तारीख २६ नवम्बर, १९४९ के दिन,
एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत,
अधिनियमित और आत्मसमर्पित करते हैं।

भारतीय संविधान के निर्माता
डॉ. बी.आर. आंबेडकर

-: विषय सूची :-

संरक्षक

श्री प्रवीण कुमार गागराई — उप-विकास आयुक्त, सरायकेला-खरसवां,झारखण्ड
श्री आनन्द कुमार जेराई — कमांडेंट/सी.आर.पी.एफ.
श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू, पूर्व श्रमायुक्त (केन्द्रीय), भारत सरकार

प्रधान संपादक

श्री माझीराम जामुदा, श्री प्रेमसिंह डांगिल

संपादक

श्री पंकज बांकिरा, श्री रबिन्द्र गिलुवा, श्री सत्यजीत हेम्ब्रोम

सहायक संपादक

श्री अंजन कुमार सामड, सुश्री गीता लागुरी, श्री सुशील धनसिंह हेम्ब्रोम, श्री रामचन्द्र सोय

संपादन सहयोग

श्री हेमंत कुमार सामड, श्री पूर्णचन्द्र जारिका, श्री दयासागर केराई, श्री राकेश जोंको

कविता/कहानी/चित्र

सुश्री सुनिता पुर्ती, श्री पोरेश बिरूवा

सलाहकार

श्री गागराई दादा, श्री शैलेन्द्र कुंकल, डॉ. शिवचरण हासदा, श्री शैलेश कन्डाईबुरू

विशेष आभार

मानकी-मुण्डा संघ, चाईबासा, ग्रामीण, टिकरचम्पी ग्राम, ग्रामीण, मारंगहातु पंचायत कुचाई, ग्रामीण, तांतनगर ग्राम
कोल्हान नितिर तुरतुंग के सभी सदस्य एवं पदाधिकारी

प्रूफ रीडिंग

श्री अंजन कुमार सामड, श्री पंकज बंकिरा, श्री शैलेन्द्र सुंडी, श्री हेमंत कुमार सामड

कार्यकारिणी सदस्य

श्री माझीराम जामुदा, श्री कामेश्वर सिंह तिरिया
श्री प्रेमसिंह डांगिल, श्री लखिन्द्र भूमिज
श्री दयासागर केराई, श्री शैलेन्द्र सुन्डी
सुश्री गीता लागुरी, सुश्री सुनिता पुर्ती
श्री चन्दन होनहागा, श्री रामचन्द्र सोय
श्री पंकज बांकिरा, श्री अंजन कुमार सामड
श्री सत्यजीत हेम्ब्रोम, श्री हेमंत कुमार सामड
श्री जगदीश बिरूली, श्री रबिन्द्र गिलुवा
श्री शैलेश कन्डाईबुरू, श्री चन्दन बोयपाई

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	संपादकीय	02
2.	उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम का संदेश	03
3.	पदाधिकारियों का संदेश	04-16
4.	KNT चाईबासा और चक्रधरपुर का उद्घाटन	17
5.	विश्व आदिवासी दिवस पर सम्मान	18
6.	उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम के साथ औपचारिक भेंट	19
7.	प्रशस्ति पत्र	20-21
8.	उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम के साथ बैठक	22
9.	पदाधिकारियों का परिचय	23-24
10.	कोल्हान कोरोना रिलीफ टीम (KCRT)	25
11.	कोल्हान नितिर तुरतुंग (KNT) : स्थापना, उद्देश्य एवं योजनाएं	26-27
12.	सदस्यों का विवरण	28-30
13.	शिक्षण केन्द्र : चाईबासा, चक्रधरपुर, कुचाई, तांतनगर	31-67
14.	उपलब्धियां	68-69
15.	छात्रों / शिक्षकों की कलम से	70-88
16.	सदस्यों / पदाधिकारियों की कलम से	89-92
17.	भारतीय संविधान की मूलभूत जानकारी	93
18.	कोल्हान के अनुकरणीय व्यक्तित्व	94-103
19.	वार्षिक आम बैठक	104-105
20.	प्राप्त दान-सामग्री	106-107
21.	सामाजिक गतिविधियां	108-114
22.	कोल्हान की अन्य सामाजिक संस्थाएं	115
23.	श्रद्धांजलि (स्वर्गीय श्री संगम लाल सुम्बरूई, स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको)	116
24.	स्थापना दिवस सह स्मारिका विमोचन समारोह (यह भाग स्मारिका के विमोचन के पश्चात जोड़ा गया है)	118-120

-: एलादारोम :-

संपादकीय

इस पत्रिका का मुख्य उद्देश्य वर्ष-2019-20 के दरम्यान देश में जानलेवा कोरोना महामारी (कोविड-19) के कारण लॉकडाउन से उत्पन्न आपातकालीन स्थितियों से निपटने और अन्य राज्यों मे फंसे कोल्हान के प्रवासी मजदूर भाई-बहनों के राहत और बचाव के लिए जल्दबाजी में निर्मित कोल्हान कोरोना रिलीफ टीम और फिर टीम के जांबांज वॉलेंटियरों के साहसिक कारनामों का वर्णन करना था ताकि जांबांज कोरोनावीरों को एक सम्मान मिले, सराहना मिले और समाज को भी प्रेरणा मिले। साथ ही इस विनाशकारी कोरोना महामारी से हुई अनगिनत मौंतों और दु:खद घटनाओं तथा लॉकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूरों की भूखमरी की स्थिति, उनके पैदल घर वापसी के दौरान आपबीती दर्दनाक घटनाओं और मजबूरियों को कागज के इन पन्नों में संजोये रखना था ताकि इस विदेशी आक्रमणकारी कोरोना की आंखों-देखी दर्दभरी कहानी लम्बे समय तक कोल्हानवासियों की यादों में कैद रहे।

दूसरी कड़ी में हम आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है की कथन को पुष्टि करना चाहेंगे कि यदि कोरोना न होता तो कोल्हान में कोरोना रिलीफ टीम नहीं बनता और कोरोना रिलीफ टीम न बनता तो शायद आज कोल्हान में तन-मन-धन से एकजूट होकर शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए चाईबासा-चक्रधरपुर-कुचाई-तांतनगर में गरीब आदिवासियों के लिए नि:शुल्क कोचिंग और प्रशिक्षण केन्द्र न खुलता। सोचनीय बात है कि कोल्हान के इतिहास में पहली बार कोरोना के कारण आनन-फानन में न जान, न पहचान होते हुए भी सामाजिक एकता का परिचय देते हुए हजारों की संख्या में मिलकर कोरोना प्रभावितों के लिए एक राहत टीम बनी और वह भी तन-मन-धन के साथ। अंतत: सामाजिक एकता के सामने कोरोना को हार का सामना करना पड़ा। इसके लिए कोल्हान के सभी कोरोनावीर धन्यवाद के पात्र हैं। इन समूचित घटनाक्रमों की समीक्षा करने पर निष्कर्ष निकलकर सामने आया कि भविष्य में यदि कोल्हानवासियों को अन्य प्रदेशों में पलायन से रोकना है तो शिक्षा और रोजगार-स्वरोजगार का अवसर कोल्हान में ही सृजित करना होगा। इन्हीं बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए दिनांक 01.11.2020 से कोल्हान नितिर तुरतुंग नाम से कोल्हान के आदिवासी लटके-अटके और भटके हुए शिक्षित बेरोजगार युवकों के सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए चाईबासा, चक्रधरपुर, कुचाई और तांतनगर में चार कोचिंग केन्द्र खोले गये हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कोल्हान आदिवासी प्रमण्डल में 10वीं, 12वीं/इंटर और स्नातकोत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क कोचिंग उपलब्ध कराना है, ताकि आज के प्रतियोगिता के युग में योग्य/उचित शिक्षा और मार्गदर्शन प्राप्त कर नौकरी में सफलता प्राप्त कर अपना भविष्य उज्जवल कर सकें। कोचिंग से जुड़े शिक्षकों का वेतन और किताबें व अन्य शिक्षण सामग्री संस्था में जमा फंड से पूर्ति की जानी है। फंड प्रबंधन के लिए समाज के नौकरी-पेशा बुद्दिजीवी वर्गों द्वारा समाजिक हित में स्थायी सदस्य बनकर तन-मन-धन से जुड़कर अपना खून-पसीना बहाकर कमाये धन का एक छोटा सा हिस्सा समाज की उन्नति और विकास के लिए दे रहे हैं, ताकि हमारे समाज के गरीब और जरूरतमंद युवक स्वयं पढ़-लिखकर नौकरनी/व्यवसाय करें और सुखी जीवन व्यतीत कर सकें। याद रखें हम तभी सुखी रह सकते हैं, जब हमारा पड़ोसी भी सुखी हो। इसलिए समाज में सबका साथ और सबका विकास जरूरी है, तभी हमारा समाज सुखी होगा। इसलिए समाज में सबका साथ सबका विकास जरूरी है तभी हमारा समाज उन्नत और विकासशील समाज कहलाएगा। संस्था के सभी स्थायी अंशदाता सदस्यों का नाम इस पत्रिका में दर्शाये गये हैं। इसी परिपेक्ष्य में आप सभी पाठकों और सामाजिक बंन्धुओं से अपील है कि आप भी इस सामाजिक शिक्षा क्रांति में तन-मन-धन से शामिल होकर समाज के विकास में भागीदार बनिए। स्थायी सदस्यता के रूप में आप संस्था के केन्द्रीय फंड Account No. **1073000100243720, IFSC Code: PUNB0107300, Punjab National Bank, Chaibasa** में प्रतिमाह 200/- रूपये या एकमुश्त वार्षिक राशि 2400/- रूपये जमा कर सकते हैं।

अब तक सामाजिक एकता और बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की बात करें तो हमलोग कम समय में पढ़ाई-लिखाई छोड़े हुए निर्धन गरीब अटके-भटके और निराश नौजवानों को संगठित और एकत्रित कर कोल्हान नितिर तुरतुंग के बैनर तले कोचिंग और प्रशिक्षण लेने के बाद बहुत से विद्यार्थियों को सेना, अर्धसैनिक बल, भारतीय रेल, राज्य एवं केन्द्र सरकार स्थित विभिन्न कार्यालयों में नौकरी प्राप्त किया है, जो कोल्हान के नवयुवकों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभ संकेत है। सफलता एक दिन में नहीं मिलती इसके लिए वर्षों तक मेहनत और तैयारी करनी पड़ती है। इसलिए हमारे सम्मानित सदस्यों और अभिभावकों से विनम्र गुजारिश है कि अपने और आस-पड़ोस के बच्चों को हिम्मत दिलाएं, भरोसा दिलाएं और प्रोत्साहित करें कि उनकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी। इसके लिए हमारी प्रबंधन समिति, अनुभवी शिक्षक और प्रशिक्षकगण दिन-रात बच्चों के भविष्य निर्माण में प्रयासरत हैं।

मैं प्रिय पाठकों से अपेक्षा करता हूँ कि आप सबों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद से कोल्हान नितिर तुरतुंग स्मारिका (पत्रिका) का पहला संस्करण अपने उद्देश्य को हासिल करने में अवश्य सफल होगा और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

इस पत्रिका/स्मारिका के मुद्रण या लेखन में किसी प्रकार की त्रुटियां पाई जाती हैं अथवा समाज या किसी व्यक्ति विशेष को किसी प्रकार का ठेस पहूँचाता है तो इसके लिए कोल्हान नितिर तुरतुंग परिवार क्षमा प्रार्थी है।

आपके सुझाव हमारे लिए बेहद उपयोगी हैं। अत: आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएं।

। सिबिल जोहार ।

संपादक

*** Special Thanks ***

Magazine designed by *Shri S.K.Kandaiburu*, Cover page designed by : *Shri P.S.Dangil*
Fund provided by *Shri Majhi Ram Jamuda & Other donors.*

-: शुभकामना संदेश :-

कोल्हान नितिर तुरतुंग संस्था का चाईबासा के क्षेत्र में सामाजिक विकास को बढ़ावा और गाँव-गाँव तक रोजगारोन्मुखी शिक्षा की अलख जगाने, साथ ही गरीब व जरूरतमंद नवयुवकों को नि:शुल्क कोचिंग/ट्रेनिंग/मार्गदर्शन देकर शिक्षा तथा रोजगार दोनों के लिए प्रेरित करना, काफी सराहनीय कदम है। यह भी काफी हर्ष की बात है कि संस्था के प्रयास से 46 जरूरतमंद नवयुवक नि:शुल्क प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्राप्त कर अग्निवीर सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, असम राइफल्स और केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। संस्था द्वारा कोरोना महामारी के दौरान भी काबिले तारीफ अभियान चलाकर क्षेत्र सहित विभिन्न स्थान के लोगों तक रिलीफ पहूंचाने का सराहनीय कार्य भी पूरी तन्मयता के साथ किया गया।

संस्था के सम्मानित सदस्यगण,

आपने समाज को आगे बढ़ाने के कार्यों में जो समर्पण भाव दिखाया है, वह निश्चित ही अनुकरणीय है। खुद के शिक्षित होने का लाभ आपने समाज के युवक-युवतियों तक पहुंचाया है, इसके लिए मेरी ओर से आपको हार्दिक बधाई एवं अनेकानेक शुभकामनाएं।

आप अपने संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त करें, यही मेरी शुभेच्छा है।

शुभकामनाओं सहित,

अनन्य मित्तल (भा.प्र.से.)
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी,
पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।

A Social Organization of Tribes
ESTD 2020
HQ.- CHAIBASA . WEST SINGHBHUM

कोल्हान नितिर तुंरतुंग

(आदिवासियों का एक समाजिक संगठन)

स्थापित : सन् 2020 SOCIETY ID : 18231

कर्यालय पता : **मुण्डा-मानकी सभागार, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड-833201**

Email.id : **kolhannitirturtung@gmail.com, Mobile No-6265277797, 9162559989**

अध्यक्ष
श्री माझी राम जामुदा
मो. 6265277797

उपाध्यक्ष
श्री रामचंद्र सोय
श्री दया सागर केराई
श्री रोहित तियु

महासचिव
श्री प्रेम सिंह डांगिल
मो. 9162559989

सयुंक्त सचिव
सुश्री गीता लागुरी
श्री गोपाल कृष्णा सोय

कार्यालय सचिव
श्री हेमंत कुमार सामड
श्री रमेश बारी

कोषाध्यक्ष
श्री धन सिंह हेम्ब्रोम
मो. 8637606789

उपकोषाध्यक्ष
श्री पूर्णचंद्र जारीका

संरक्षक
श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू
श्री प्रवीन कुमार गागराई
श्री गणेश पाठ पिंगुवा

मुख्य सलाहकार
श्री गागराई दादा

सलाहकार
श्री चंदन होनहागा
श्री शैलेंद्र कुमार कुंकल
श्री कृष्णा देवगम
श्री सलेन पाठ पिंगुवा
श्री शैलेश कन्डाईबुरू

कार्यकारिणी सदस्य
श्री पंकज बांकिरा (प्रवक्ता)
श्री रबिन्द्र गिलुवा
श्री राकेश जोंको
श्री बहादुर बोदरा
श्री पोरेश बिरूवा

संदेश

मुझे आपार हर्ष हो रहा है कि आदिवासियों के एक सामाजिक संगठन (KNT) के क्रियाकलापों को उस पत्रिका में लिपिबद्द किया जा रहा है, जिसका गठन देश में कोरोना (COVID-19) के प्रभाव के समय उत्पन्न जटिल परिस्थितियों से हुआ है।

इस संगठन (KNT) को देश के विभिन्न राज्यों में रहनेवाले नौकरीपेशा, शुभचिंतकों, बुद्दिजीवों एवं सहयोगकर्ताओं के बलबूते संचालित किया जा रहा है। इस संगठन (KNT) में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों/विद्यार्थियों (युवक/युवतियों) के लिए नि:शुल्क शिक्षा/कोचिंग/शारीरिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदान की जा रही है, जो काफी सराहनीय है।

यह संगठन (KNT) समाज के विकास के पथ पर सतत् अग्रसर हो और युवा-पीढ़ी आपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन, ईमानदारी के बलबूते सफलता प्राप्त करे तथा समाज को नई दिशा और दशा देने में महत्वपूर्ण योगदान एवं भूमिका अदा कर सके।

मैं पाठकों से आशा करता हूँ कि आपसबों के प्यार, स्नेह एवं आशीर्वाद से "KNT पत्रिका" का प्रकाशन, समाज के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

जोहार साबिनको,

(ज्ञानसिंह दोराईबुरू)
संरक्षक, कोल्हान नितिर तुरतुंग व
पूर्व श्रमायुक्त (केन्द्रीय), भारत सरकार

प्रवीण कुमार गागराई,
झा० प्रा० से०
उप विकास आयुक्त,
सरायकेला-खरसावाँ

-:शुभकामना संदेश :-

COVID काल में कोल्हान के अप्रवासी मजदूरों की घर वापसी के क्रम में Whats app एवं Mobile Phone के माध्यम से जुड़ने वाले विभिन्न राज्यों में कार्यरत हो समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा किए गए अथक प्रयास से नैसर्गिक रूप से अस्तित्व में आए **"कोल्हान नितिर तुरतुंग"** को अब तीन वर्ष बीत चुके हैं। अब नई परिरिथतियों गें **"कोल्हान नितिर तुरतुंग"** ने समाज के प्रति अपनी भूमिका एवं दायित्वों को नए सिरे से परिभाषित किया है।

"कोल्हान नितिर तुरतुंग" ने खासकर हो समाज के युवा पीढ़ी को शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न कोचिंग संस्थान, अध्ययन केन्द्र, निःशुल्क लाइब्रेरी एवं फिजिकल ट्रेनिंग कोर्स संचालित कर अत्यंत ही सराहनीय कार्य किया है।

आने वाले समय की चुनौतियों की पहचान कर जिस प्रकार **"कोल्हान नितिर तुरतुंग"** ने अपनी प्रासंगिकता को और गहरा किया है मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस प्रयास में अधिक से अधिक लोग जुड़कर **"कोल्हान नितिर तुरतुंग"** को और भी सशक्त बनाएँगे। इससे जुड़े समाज के सभी व्यक्तियों को मेरी शुभकामनाएँ एवं स्थापना दिवस पर अपनी पहली स्मारिका के सफल प्रकाशन की मंगलकामना करता हूँ।

जोहर ,

प्रवीण कुमार गागराई

(KNT-05)

कोल्हान नितिर तुरतुंग स्मारिका का प्रकाशन हम सभी कोल्हान वासियों के लिए बहुत ही हर्ष और गर्व का अवसर है। आज ऐसे समय में जब कोल्हान के ज्यादातर युवक–युवतियॉ बेरोजगारी की वजह से पलायन की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। कोल्हान नितिर तुरतुंग इस गंभीर परिस्थिति में एक उम्मीद और आशा की मशाल लेकर अपने युवाओ और युवतियों को रोजगार–मुख शिक्षा और सलाह/परामर्श देकर पूरे क्षेत्र को प्रकाशमय करने का प्रयास कर रहा है। कठिन आपदा काल ''कोविड काल'' में अस्तित्व में आए यह संगठन जिस लग्न, कठिन परिश्रम और समर्पण भावना के साथ अपने मिशन में कार्यरत हैं वह अपने आप में इससे जुड़े स्वयंसेवक और सभी अभ्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। इस सामूहिक प्रयत्न की झलक पिछले दो वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं में अंतिम रूप से मिले परिणाम से मिलता है। सीमित संसाधन और सीमित सुविधाओं के बावजूद प्रयास और परिणाम इस कहावत को यथार्थ रूप प्रदान करता है कि "आस्मां में भी छेद हो सकता है एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों''।

कोल्हान नितिर तुरतुंग के स्थापना काल में एक स्वयंसेवक के रूप में जुड़कर रहना व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए एक गौरव और सम्मान की बात है। मेरा यह मानना है कि KNT अपने प्रयासों से एक मजबूत और प्रगतिशील युवा समाज का निर्माण करने जा रहा है। निश्चित तौर पर इन प्रयत्नों से समाज को एक नयी मजबूती मिलेगी। एक समर्थ हाथ दूसरे जरूरतमंद को अवश्य एक नयी ऊँचाई पर जाने में मददगार होगा और एक दिन हम रोजगार–मुख पलायन के अभिशाप से मुक्त होंगे।

यकीनन कोल्हान नितिर तुरतुंग का यह स्मारिका इस प्रयास में एक अमिट आयाम स्थापित करेगा। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ में इस स्मारिका के प्रकाशन से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूँ और इसी प्रकार के प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

(आनन्द कुमार जेराई)

सीताराम सिंकु, आई आर एस एम ई
प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी
Sitaram Sinku, IRSME
Principal Chief Safety Officer

सत्यमेव जयते

पूर्वोत्तर सीमा रेल
North East Frontier Railway
मालीगांव, गुवाहाटी- 781011
Maligaon, Guwahati- 781011

संदेश

यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि अपनी स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सामाजिक - सह - शैक्षणिक संस्थान **"कोल्हान नितिर तुरतुंग"** वार्षिक पत्रिका स्मारिका 2023 का प्रकाशन कर रहा है। कोल्हान नितिर तुरतुंग ने कोरोना काल के दौरान देशव्यापी राहत और बचाव कार्यों में और प्रवासी मजदूरों को वापस लाने में उल्लेखनीय कार्य किया। इसके पश्चात् इस संस्था ने पूरे कोल्हान क्षेत्र में सामाजिक स्तर पर गरीबों और जरूरतमंद विधार्थियों के लिये रोजगारोन्मुक्त निःशुल्क लाइब्रेरी, अध्ययन केन्द्र, कोचिंग केन्द्र आदि चलाने और फिजिकल ट्रेनिंग कराने जैसे क्षेत्रों में सराहनीय भूमिका निभाई है।

मैं इन कार्यो के लिये कोल्हान नितिर तुरतुंग को हार्दिक बधाई देता हूँ और भविष्य में की जाने वाली प्रयासों के लिये शुभकामनाएं देता हूँ।

SITARAM SINKU
Digitally signed by SITARAM SINKU
Date: 2023.10.05 17:58:15 +05'30'

(सीताराम सिंकु)
प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी

दूरसंचार
DOT :
2676016

रेलवे फैक्स
RLY :
23350

दूरसंचार
FAX : DOT
0361-2676016

ई-मेल
E-mail :
csonfr@gmail com

संदेश

मुझे यह जानकर काफी प्रशन्नता हो रही है कि KNT शिक्षण संस्था प्रगति के पथ पर नित नये सफलताओं को हासिल करती हुई शानदार चौथी वर्ष में प्रवेश कर रही है। पिछले तीन वर्षों में संस्था ने कोल्हान के बरोजगार नवयुवकों के मन में कुछ कर दिखाने की दृढ़ इच्छाशक्ति जागृत की है और बहुतों ने मंजिल पा भी ली है। यह सफलता संस्था के सभी समाजप्रेमियों, कर्मठ, कुशल और ईमानदार साथियों के सहयोग से ही संभव हो रहा है इसके लिए सभी धन्यवाद के पात्र हैं।

KNT शुरू से आजतक की सफर के अनुभव और उपलब्धियों को साझा करने के लिए स्मारिका जारी कर रही है आशा है यह पत्रिका समाज के लिए काफी प्रेरक, ज्ञान वर्धक और लाभदायक सिद्ध होगा। संस्था के चौथी स्थापना दिवस के अवसर पर हमारी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं और जोहार।

(केदार दास देवगम)
उप-महाप्रबंधक (यांत्रिकी),
राष्ट्रीय खनिज विकास निगम, छत्तीसगढ़।

स्थायी पता
ग्राम : बहादा, पो.ओ.: कोटगढ़,
वाया : नोवामुंडी बाजार,
जिला : पश्चिम सिंहभूम,
झारखण्ड-833218.

कार्यालय का पता
निदेशक, वित्त (बजट),
रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय,
रेल भवन, नई दिल्ली-110001.

संदेश

जय जोहार,

हो समाज के सक्षम जागृत व्यक्तियों द्वारा कोरोना काल में विभिन्न स्थानों में फंसे हमारे समाज के व्यक्तियों, परिवारों को उचित सहायता पहुंचाने से शुरू हुआ संयुक्त प्रयास आज KNT परिवार के रूप में मानव सेवा के विभिन्न आयामों में पदार्पण करता दिख रहा है। मानव सेवा से प्रेरित इस भावना और कार्य की आज सख्त जरूरत भी है। यह हो समाज के "अंतिम व्यक्ति" को उचित शिक्षा एवं मार्गदर्शन द्वारा विकास पथ पर जोड़ते हुए आपसी भाईचारा के साथ सुखमय जीवन यापन को भी प्रेरित करेगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

इसी कड़ी में KNT परिवार द्वारा अपने अथक संयुक्त प्रयासों एवं भविष्य के कार्यों को रेखांकित करता प्रथम स्मारिका-2023 का प्रकाशन भी सराहनीय पहल है और इसमें शामिल विभिन्न संस्मरण, लेख आदि कोल्हान के सभी वर्गों में मानव सेवा भाव को जागृत कर प्रयास एवं सफलता का नया मापदंड भी तय करेगा।

KNT परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना सहित हार्दिक शुभकामनाएं एवं बहुत-बहुत बधाई, जोहार।

(कामेश्वर सिंह तिरिया)

मनोरंजन बिरुवा
महाप्रबंधक(कार्मिक.)
मो. न.-7766016564

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

Central Coalfields Limited
(A Subsidiary of Coal India Limited)
Personnel/NEE Department
Darbhanga House, Ranchi-834029
Phone No. 0651-2360049/Extn-5341
CIN: U10200JH1956GOI000581
E-mail Id: gmnee.ccl@coalindia.in
Website: http://centralcoalfields.in

संदेश

मुझे जानकार यह अपार हर्ष हुआ कि, 5 नवंबर 2023 को कोल्हान नितिर तुंरतुंग अपना **तृतीय** वर्षगांठ मना रहा है, साथ ही साथ इस पुनीत अवसर पर नितिर तुंरतुंग अपना पहला स्मारिका भी प्रकाशित करने जा रही है। यह सर्वविधित है कि यह संस्था अपने शैशव काल से ही जनहित कार्यों में अग्रिण भूमिका निभाती आई है, इस संस्था के संस्थापक एवं संस्था से जुड़े सभी आदरणीय सदस्यों, जिनके सराहनीय कार्य से यह संस्था आज समाज में अपना विशिष्ठ स्थान हासिल किया है। आज यह संस्था शैशव काल से निकल कर परिपक्वता कि ओर बढ़ रही है, ऐसे स्थिति में हम सभी सदस्यों की जिम्मेदारियाँ और भी बढ़ जाती है। मैं यह उम्मीद करता हूँ कि हम सभी इस नये चुनौतियों एवं जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे, एवं इस संस्था को नई ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे।

अंत में इस स्मारिका को प्रकाशित करने वाले संपादक मण्डल एवं नितिर तुंरतुंग के सभी सदस्यों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

11/9/2023

मनोरंजन बिरुवा

(KNT-10)

ग्राम : तिलाईपी,
प्रखण्ड : कुचाई, झारखंड।

शुभकामनाएं

मुझे यह जानकर काफी प्रशन्नता हो रही है कि कोल्हान प्रमंडल में आदिवासियों के करकमलों से संचालित कोल्हान नितिर तुरतुंग प्रशिक्षण संस्थान सराहनीय कार्य कर रही है। सभी कोल्हान वासियों से अनुरोध है कि KNT को हर संभव मदद करें। जीवन में विकास के रास्ते अनेक उतार चढ़ाव हैं पर सकारात्मक सोच से हर समस्या का समाधान भी संभव है, हिम्मत न हारें।

मैं KNT परिवार को तृतीय सालगिरह पर बधाई देता हूँ। आप इस नेक कार्य में समाज को ऊंचाईयों की बुलंदियों तक ले कर जाएं, हमारी शुभकामनाएं आप सबों के साथ।

जोहार।

Santosh

(संतोष बानरा)
केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकारी

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष की बात है कि आजादी के 76 वर्षों बाद झारखण्ड जैसे आदिवासी बहुल राज्य एवं कोल्हान की पवित्र भूमि में जहां पर सदियों से ग्रामीण प्रशासन (विकिल्सन रूल) के अन्तर्गत **"पारम्परिक स्वशासन व्यवस्था"** यथा **"मानकी-मुण्डा व्यवस्था"** कार्यशील होने के साथ ही साथ झारखण्ड सरकार के विधि विभाग के दिशा-निर्देश पर **"मानकी मुण्डा न्याय पंच"** सुव्यवस्थित ढंग से चल रही है।

वहाँ पर सबकी सहभागिता से (क) शिक्षा का अधिकार (Right to education), (ख) स्वतंत्रता का अधिकार, (ग) बच्चों के सशक्तिकरण का अधिकार, (घ) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (Freedom of expression), (ड़) फिजिकल ट्रेनिंग एवं (च) नि:शुल्क पुस्तकालय जैसे जन-उपयोगी मामलों को आधार बनाकर जनहित में जनमानस के बीच जागरूक एवं बढ़ावा देने के उद्देश्य से **सामाजिक-सह शैक्षणिक संस्था - कोल्हान नितिर तुरतुंग** की तृतीय स्थापना दिवास के पावन अवसर पर पहली स्मारिका (मैगजीन) प्रकाशित करने जा रही है।

जिसमें विशेष रूप से कोरोना काल (COVID-19) के दौरान सम्पूर्ण देश में नि:स्वार्थ एवं क्रान्ति के तौर पर आपात जैसे स्थिति में भी सेवा की भावना से ओत-प्रोत होकर जुझारूपन/जुनून लिए संस्था द्वारा जनहित में प्रवासी मजदूरों के लिए देशव्यापी मानवीय सेवा राहत एवं की गई बचाव कार्यों की सच्ची/आंखों देखी घटनाओं की रोचक जानकारी देने के साथ ही साथ कोरोना (COVID) मरीजों के लिए जिले में **"रक्तदान"** महादान जैसे महत्वपूर्ण शिविर इत्यादि का विशाल आयोजन से सम्बन्धित कई अनछुए पहलुओं की विस्तार पूर्वक आम जनों के बीच उजागर करने का भरसक प्रयास भी की जा रही है।

नि:संदेह इस प्रकार के कार्यों से राज्य में **कोल्हान नितिर तुरतुंग** के प्रति लोगों की आस्था बढ़ेगी एवं इस सामाजिक संस्था से लोग रू-ब-रू हो सकेंगे।

इस अवसर पर प्रथम स्मारिका के प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाएं।

चन्दन होनहागा

(चन्दन होनहागा)
महासचिव, मानकी-मुण्डा संघ,
कोल्हान-पोड़ाहाट केन्द्रीय समिति,
पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड।

(KNT-12)

शुभकामनाएं

2019 मार्च में जब अचानक COVID-19 नामक महामारी की वजह से पूरा देश में लॉकडाउन का अचानक एलान हुआ और लोगों में भगदड़ का माहौल बन गया। ऐसे समय में हमारे समान विचारधारा के कोल्हानवासी जो देश के किसी भी भाग में रहने वाले हों मिलकर प्रवासी मजदूरों को वापस कोल्हान लाने एवम् खाने की व्यवस्था करने के मकसद से एक समूह का निर्माण हुआ जो "कोल्हान कोरोना रिलीफ टीम" के नाम से बना। इस टीम द्वारा सफल सेवा पूरी करने के बाद इस सेवा भावना को आगे भी जारी रखते हुए एक नया काम जो नये नाम से शुरू हुआ, जो आज कोल्हान के नवजवानों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन कर रहा है, वह "कोल्हान नितिर तुरतुंग" निरंतर आगे बढ़ता रहे ऐसी मेरी कामना है।

शुभकामनाओं सहित जोहार।

(बासुदेव लागुरी)
सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी एवं समाजसेवी,
ग्राम : बालंडिया, चाईबासा।

(KNT-13)

-: शुभकामना संदेश :-

कोल्हान के सभी भाईयों एवं बहनों को हार्दिक जोहार!

"कोल्हान नितिर तुरतुंग" स्मारिका का प्रकाशन कोल्हान वासियों के लिए अपार हर्ष एवं गर्व की बात है। हम सभी जानते हैं कि कोल्हान एक आदिवासी बहुल ग्रामीण क्षेत्र है, जो आज भी काफी पिछड़ा हुआ है। कोल्हान के बेरोजगार युवक-युवतियों को उचित शिक्षा एवं मार्गदर्शन के लिए एक संगठन, अभिभावक की आवश्यकता थी जो कोल्हान नितिर तुरतुंग के रूप में बना। कोल्हान नितिर तुरतुंग परिवार के सदस्य एवं शिक्षकगण सीमित संसाधन एवं सुविधाओं के बावजूद कठिन लगन, परिश्रम एवं समर्पण भाव से समाज के आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े युवक-युवतियों के लिए अच्छे मार्गदर्शक के रूप में निरंतर प्रयत्नशील है।

पिछले दो वर्षों में विभिन्न प्रतियोगिता में कोल्हान नितिर तुरतुंग परिवार ने एक अच्छा मार्गदर्शक, अभिभावक की भूमिका अदा कर यहाँ के पिछड़े युवक-युवतियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार का अवसर प्रदान किया है।

मुझे पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि आने वाले वर्षों में "कोल्हान नितिर तुरतुंग" परिवार कोल्हान वासियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ दोबारा जोहार!

(डांगुर कोड़ाह)
ग्राम : सरबिल, गोइलकेरा।

कोल्हान नितिर तुंरतुंग

(आदिवासियों का एक समाजिक संगठन)

स्थापित : सन् 2020 SOCIETY ID : 18231

कर्यालय पता : **मुण्डा-मानकी सभागार, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड-833201**

Email.id : **kolhannitirturtung@gmail.com, Mobile No-6265277797, 9162559989**

अध्यक्ष

श्री माझी राम जामुदा

मो. 6265277797

उपाध्यक्ष

श्री रामचंद्र सोय

श्री दया सागर केराई

श्री रोहित तियु

महासचिव

श्री प्रेम सिंह डांगिल

मो. 9162559989

सयुंक्त सचिव

सुश्री गीता लागुरी

श्री गोपाल कृष्णा सोय

कार्यालय सचिव

श्री हेमंत कुमार सामड

श्री रमेश बारी

कोषाध्यक्ष

श्री धन सिंह हेम्ब्रोम

मो. 8637606789

उपकोषाध्यक्ष

श्री पूर्णचंद्र जारीका

संरक्षक

श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू

श्री प्रवीन कुमार गागराई

श्री गणेश पाठ पिंगुवा

मुख्य सलाहकार

श्री गागराई दादा

सलाहकार

श्री चंदन होनहागा

श्री शैलेंद्र कुमार कुंकल

श्री कृष्णा देवगम

श्री सलेन पाठ पिंगुवा

श्री शैलेश कन्डाईबुरू

कार्यकारिणी सदस्य

श्री पंकज बांकिरा (प्रवक्ता)

श्री रबिन्द्र गिलुवा

श्री राकेश जोंको

श्री बहादुर बोदरा

श्री पोरेश बिरूवा

संदेश

सादर जोहार,

मैं इस पत्रिका के माध्यम से **"कोल्हान नितिर तुरतुंग"** परिवार के सभी सदस्यों का, प्रिय पाठकों का, तन-मन-धन से जुड़े सभी सदस्यों का, प्रबंधन समिति के सभी कर्मठ पदाधिकारियों का, प्रशासनिक पदाधिकारियों का और शिक्षकों तथा विधार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि इस पत्रिका का सफलतापूर्वक लेखन, संकलन, संपादन, प्रकाशन, प्रिंटिंग और विमोचन व वितरण तक अंतिम रूप देने में बढ़-चढ़ कर दिल से साथ दिए हैं और निसंदेह आप सबों के सहयोग के बिना सफल नहीं होता। मैं दिल्ली के दिलवाले श्री शैलेश कन्डाईबूरू जी का विशेष आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने इस स्मारिका का प्रकाशन अपने कंधों पर लिया और पूरा किया। मैं संस्था के पितामह समान संरक्षक श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरु, पूर्व लेबर कमिश्नर का भी आभार प्रकट करता हूँ, जो अपने दीर्घ अनुभव से संस्था को हमेशा मार्गदर्शन देते रहे हैं। मैं पुनः कोल्हान प्रमंडल के संपूर्ण जनता जनार्दन को संस्था के प्रति आस्था और विश्वास बनाये रखने के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। इसके अतिरिक्त मैं मानकी मुण्डा संघ केन्द्रीय कमेटी, चाईबासा के सभी पदाधिकारी श्री गणेश पाठ पिंगुवा जी, श्री चंदन होनहागा जी, श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया जी, श्री कालीचरण बिरूवा जी एवं अन्य सभी मानकी मुण्डाओं का विशेष आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने आदिवासियों युवाओं के उज्जवल भविष्य के निःस्वार्थ सेवा भाव से मानकी मुण्डा सभागार में कार्यालय एवं स्टडी सेंटर सह लाइब्रेरी के लिए जगह प्रदान कर कोल्हान नितिर तुरतुंग की कामों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया है। इस संस्था के अधिकांश स्थायी आर्थिक मददगार सदस्यगण कोल्हान से बाहर विभिन्न विभागों में सेवारत है तथापि अपनी जन्मभूमि में शैक्षणिक विकास और रोजगार व स्वरोजगार को आगे बढाने के लिए एकमत और एकजुट होकर सहयोग कर रहे हैं जिनके बदौलत आज संस्था दिन-ब-दिन प्रगति के पथ पर अग्रसर होकर पूरे कोल्हान में शिक्षा की रोशनी फैला रही है। मन से टूटे, अटके और भटके हुए नौजवानों को कोचिंग, ट्रेनिंग और मार्गदर्शन देकर उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखा रही है, जिसमें बहुतों के जीवन में बदलाव आया है, बहुतों को नौकरी मिल चुकी है और बच्चों में आशा की किरण और विश्वास जगी है कि संस्था के माध्यम से उनका मेहनत बेकार नहीं जायेगा और दिन रात मेहनत कर रहे हैं। दुनिया में शिक्षा का सर्वोच्च स्थान है। कहावत है कि 'शिक्षा वह चाबी है जिससे दुनिया की हर बंद दरवाजा खुलती है' और यह सत्य वचन है।

मैं पाठकों से आशा और निवेदन करता हूँ कि संस्था के प्रति आप सबों के सकारात्मक सोच, प्यार-स्नेह, आशीर्वाद, एकता और विश्वास इसी तरह बनी रहे। कोल्हान नितिर तुरतुंग कड़ी मेहनत, दूर दृष्टि, पक्का इरादा और अनुशासन के साथ अपने महान उद्देश्यों को हासिल करने के लिए आगे बढ़ रही है और जरूर आने वाला दिनों में हमारा कोल्हान आदिवासी समाज भी सर्वांगीण विकास में किसी से कम नहीं होगा और एक मील का पत्थर साबित होगा।

ऐसी शुभकामनाओं सहित,

(माझी राम जामुदा)

केन्द्रीय अध्यक्ष, कोल्हान नितिर तुरतुंग एवं

भूतपूर्व सैनिक

(KNT-15)

कोल्हान नितिर तुंरतुंग

(आदिवासियों का एक समाजिक संगठन)

स्थापित : सन् 2020 SOCIETY ID : 18231

कर्यालय पता : **मुण्डा-मानकी सभागार, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड-833201**

Email.id : **kolhannitirturtung@gmail.com, Mobile No-6265277797, 9162559989**

अध्यक्ष

श्री माझी राम जामुदा

मो. 6265277797

उपाध्यक्ष

श्री रामचंद्र सोय

श्री दया सागर केराई

श्री रोहित तियु

महासचिव

श्री प्रेम सिंह डांगिल

मो. 9162559989

सयुंक्त सचिव

सुश्री गीता लागुरी

श्री गोपाल कृष्णा सोय

कार्यालय सचिव

श्री हेमंत कुमार सामड

श्री रमेश बारी

कोषाध्यक्ष

श्री धन सिंह हेम्ब्रोम

मो. 8637606789

उपकोषाध्यक्ष

श्री पूर्णचंद्र जारीका

संरक्षक

श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू

श्री प्रवीन कुमार गागराई

श्री गणेश पाठ पिंगुवा

मुख्य सलाहकार

श्री गागराई दादा

सलाहकार

श्री चंदन होनहागा

श्री शैलेंद्र कुमार कुंकल

श्री कृष्णा देवगम

श्री सलेन पाठ पिंगुवा

श्री शैलेश कन्डाईबुरू

कार्यकारिणी सदस्य

श्री पंकज बांकिरा (प्रवक्ता)

श्री रबिन्द्र गिलुवा

श्री राकेश जोंको

श्री बहादुर बोदरा

श्री पोरेश बिरूवा

संदेश

सिबिल जोहार।

भारत के आदिवासी जल, जंगल, जमीन के साथ विस्तृत संस्कृति, रीति-रिवाज, भाषा और प्राकृतिक संसाधनों के धनी हैं। प्राचीन काल से चले आ रहे उनके रीति-रिवाज, मान्यताओं और विश्वास का प्रभाव आज भी समाज में पाया जाता है। बाहरी आक्रमणकारियों से उन्हें अपनी विरासतों से बेहदखल होकर जंगलों में बसना पड़ा। सरल प्राकृतिक स्वभाव तथा स्वतंत्रता पसंद होने के कारण वे अपने सामाजिक जीवन में बाह्य हस्तक्षेप बिल्कुल पसंद नहीं करते। भारत में औपनिवेशिक विस्तार का आदिवासियों ने डटकर विरोध किया, जिसकी वजह से मजबूरन उन्हें जल, जंगल और जमीन को संरक्षित करने वाली नीतियां बनानी पड़ीं।

भारत की स्वतंत्रता के बाद अनेक औधोगिक नीतियां बनीं, जिससे उनकी जमीनों पर बड़े-बड़े खदानें, कल-कारखाने आदि स्थापित कर बाहरी लोग इस क्षेत्र में बस गए, जिससे आदिवासियों का अस्तित्व और रोजी-रोटी के अवसर खतरे में पड़ गये। दुनिया में तेजी से हो रहे बदलाव और विकास के अनुरूप आदिवासियों युवाओं में सही मार्गदर्शन, जानकारी एवं कौशल प्रशिक्षण का अभाव है। अभी तक वैसा मंच तैयार नहीं हो पाया है, जिसके परिणामस्वरूप समाज और युवाओं को अतिक्रमण, बेदखल, पलायन, भूखमरी, गरीबी, बेरोजगारी, मानवतस्कर, अशिक्षा, अधंविश्वास, नशा और कुपोषण जैसी बुनियादी चीजों से भी जूझना पड़ रहा है। इसलिए आज के समय में मौजूद संसाधनों के द्वारा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार पाने योग्य प्रशिक्षण, संरक्षण, प्रोत्साहन बहुत जरूरी हो गया है और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना भी जरूरी हो गया है।

कोल्हान नितिर तुरतुंग टीम के प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संचालित कार्यक्रमों से आशानुरूप परिणाम और शुरूआती बदलाव आया है, जिसकी बदौलत कोल्हान के आदिवासी युवाओं के लिए इतिहास का सबसे बेहतरीन शैक्षणिक प्लेटफार्म तैयार हो पाया है। यह संस्था अपने लोगों द्वारा, अपने संसाधनों से और अपनों के लिए सामूहिक क्षमता, प्रयास और जनसहयोग से अटूट संकल्प और निरंतर प्रयासों से **'Pay back to Society'** के तहत आदिवासी युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन से विकास का नया आयाम तय करेगा।

मैं भावी आदिवासी युवा पीढ़ी के सुरक्षित, उज्जवल, समृद्ध और स्वास्थ्य समाज की कामना करता हूँ।

बितेयम,

(प्रेमसिंह डांगिल)

महासचिव, कोल्हान नितिर तुरतुंग।

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चाईबासा का उद्घाटन (दिनांक 1.11.2020) : बांए से पूर्व श्रमायुक्त (केन्द्रीय) श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू, सिविल जज व सचिव/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चाईबासा कुमारी जिव कुंटिया, उप-विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार गागराई।

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चक्रधरपुर का उद्घाटन (दिनांक 27.12.2020) : बांए से पूर्व श्रमायुक्त (केन्द्रीय) श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू, केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा, विधायक श्री शशिभूषण सामड, सी.आर.पी.एफ. कमांडेंट श्री आनन्द कुमार जेराई, न्यायिक मजिस्ट्रेट सह अपर मुंसिफ गिरिडीह श्री भूपेश चंद्र सामड।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम दिनांक 9.08.2023 में कोल्हान नितिर तुरतुंग के केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा, उपाध्यक्ष सह शारीरिक प्रशिक्षक श्री दयासागर केराई एवं शारीरिक प्रशिक्षक श्री विजय बाड़ा को उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभम श्री अन्य मितल के हाथों सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में कोल्हान पुलिस अधीक्षक श्री अजय लिंडा, सलाहकार कोल्हान नितिर तुरतुंग श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू एवं केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा (नीचे के चित्र में बांए से) भी उपस्थित रहे।

(KNT-18)

श्री अनन्य मित्तल, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम के साथ दिनांक 8.08.2023 को केन्द्रीय कमिटी, कोल्हान नितिर तुरतुंग के पदाधिकारियों की एक औपचारिक भेंट।

कोल्हान नितिर तुरतुंग के द्वितीय वार्षिक आम बैठक-2023 दिनांक 23.04.2023 में बांए से शिक्षक श्री नंदलाल बांकिरा, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री साधुचरण देवगम, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवचरण हांसदा, केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा, उप-विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार गागराई, पूर्व श्रमायुक्त (केन्द्रीय) श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू एवं सी.आर.पी.एफ. कमांडेंट श्री आनन्द कुमार जेराई जी।

(KNT-19)

BLOOD CENTRE
Sadar Hospital, Chaibasa
JSACS
CERTIFICATE OF APPRECIATION
This is to certify that
Kolhan Corona Relief Fund

विश्व आदिवासी दिवस
2023
आयोजक –
विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति
कोल्हान
कोल्हान नितिर तुरतुंग

निबंधन संख्या - 934/94-95
सिंहभूम आदिवासी समाज
हरिहर सिंह रोड, मोरहाबादी, राँची (झारखण्ड)
सम्मान पत्र
दिनांक : 14-03-2021
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मे० कोल्हान नितिर तुरतुंग
पिता/पति चाईबासा ग्राम
प्रखण्ड पश्चिमी सिंहभूम जिला को शिक्षा के क्षेत्र में/
समाज अत्थान के लिए
क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है।
शुभकामनाओं सहित।
सचिव
उपाध्यक्ष
अध्यक्ष

सह
मिलन समारोह . 2021

International
Human Rights Commission
SMM IHRC
CERTIFICATE
OF APPRECIATION
THIS CERTIFICATE IS PRESENTED TO
KOLHAN CORONA RELIEF COMMITTEE CHAIBASA
This is in appreciation for YOUR devotion and sacrifice towards the fight against COVID-19,
and for your help in protecting the less privileged from the pandemic's effects.
Dr. Arif Nasir Butt
NVC SMM IHRC in India
Prof.h.c.Sir Rafal Marcin Wasik
Secretary General
No:356*NVC*2020/ 375

नई दिल्ली में दिनांक 29.10.2023 को National Education Brilliance Awards-2023 (NEBA) पुरस्कार के साथ KNT केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा जी।

TOGETHER
We fight the COVID-19
NEWS KHAZANA
CERTIFICATE
THIS CERIFICATE IS PROUDLY PRESENTED TO
Kolhan Corona Relief Team
Kolhan Corona Relief Team Chaibasa, Jharkhand
We appreciate your work and efforts for outstanding support,
humanity work at this COVID-19 pandemic. helping others and saving lives.
Super Heros
Date of Issue: 23/05/2020
System generated certificate signature is not required
/TheNewsKhazana www.thenewskhazana.co

(KNT-21)

जिला समाहरणालय चाईबासा में दिनांक 12.05.2023 को उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में आयोजित सामुदायिक पुस्तकालयों के सुदृढ़ एवं बेहतर संचालन हेतु निमित्त बैठक में शामिल कोल्हान नितिर तुरतुंग के पदाधिकारी।

रूंगटा माईंस, चाईबासा के पदाधिकारियों एवं KNT प्रबंधन समिति के बीच दिनांक 23.08.2023 की औपचारिक बैठक।

(बांए से श्री रामचन्द्र सोय, श्री गोपाल कृष्ण सोय, श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू, महाप्रबधक रूंगटा माईंस श्री गिरधारी परिकार, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री सुदर्शन, KNT केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा, श्री पंकज बांकिरा एवं श्री राम बोदरा जी)

-: कोल्हान नितिर तुरतुंग :-

श्री माझीराम जामुदा

केन्द्रीय अध्यक्ष

श्री प्रेमसिंह डांगिल

महासचिव

श्री धनसिंह हेम्ब्रम

कोषाध्यक्ष

श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू

संरक्षक

श्री प्रवीन कुमार गागराई

संरक्षक

श्री गणेश पाठ पिंगुवा

संरक्षक

श्री आनन्द कुमार जेराई

संरक्षक

श्री रामचंद्र सोय

उपाध्यक्ष

श्री दयासागर केराई

उपाध्यक्ष

श्री रोहित तियु

उपाध्यक्ष

सुश्री गीता लागुरी

सयुंक्त सचिव

श्री गोपाल कृष्णा सोय

सयुंक्त सचिव

श्री हेमंत कुमार सामड

कार्यालय सचिव

श्री रमेश बारी

कार्यालय सचिव

श्री पूर्णचंद्र जारीका

उपकोषाध्यक्ष

श्री गागराई दादा

मुख्य सलाहकार

श्री चंदन होनहागा

सलाहकार

श्री शैलेंद्र कुंकल

सलाहकार

श्री शैलेश कन्डाईबुरू

सलाहकार

श्री रबिन्द्र गिलुवा

कार्यकारिणी सदस्य

श्री राकेश जोंको

कार्यकारिणी सदस्य

श्री पंकज बांकिरा

का.सदस्य व प्रवक्ता

श्री बहादुर बोदरा

कार्यकारिणी सदस्य

श्री पोरेश बिरूवा

कार्यकारिणी सदस्य

श्री अंजन कुमार सामड

सक्रिय सदस्य

श्री सत्यजीत हेम्ब्रोम

सक्रिय सदस्य

श्री जगदीश चन्द्र बिरूली

सक्रिय सदस्य

श्री शैलेन्द्र सुन्डी

सक्रिय सदस्य

श्री सिकन्दर सोय

सक्रिय सदस्य

श्री विजय बाड़ा

सक्रिय सदस्य

सुश्री सुनिता पुर्ती

सक्रिय सदस्य

श्री टिकुल तियु

सक्रिय सदस्य

श्रीमती जीरन सोय कुंटिया

सक्रिय सदस्य

श्री रामधन बांकिरा

सक्रिय सदस्य

श्री सुरेश डांगिल

सक्रिय सदस्य

श्री रघुनाथ बिरूवा

सक्रिय सदस्य

सुश्री सुजाता हांसदा

सक्रिय सदस्य

श्री लखिन्द्र भूमिज

सक्रिय सदस्य

श्री चन्दन बोयपाई

सक्रिय सदस्य

श्री दीपक लागुरी

सक्रिय सदस्य

श्री प्रधान पुरती

सक्रिय सदस्य

श्री गौतम गागराई

सक्रिय सदस्य

कोल्हान नितिर तुरतुंग

कार्यालय : **मानकी मुण्डा सभागार, मंगला हाट परिसर, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड-833201**

(KNT -23)

पदाधिकारियों का परिचय

पहली कार्यकारिणी : 1.11.2020 से 16.05.2022 तक

केन्द्रीय अध्यक्ष

श्री प्रकाश लागुरी, चाईबासा,
पेशा : समाज सेवक।

महासचिव

श्री प्रेमसिंह डांगिल, चक्रधरपुर
पेशा : भारतीय रेल।

कोषाध्यक्ष

श्री सिंगराय बोदरा, चाईबासा
पेशा : छत्तीसगढ़ पुलिस।

दूसरी (वर्तमान) कार्यकरिणी : 17.05.22 से 17.05.25 तक

केन्द्रीय अध्यक्ष

श्री माझीराम जामुदा, चक्रधरपुर
पेशा : भूतपूर्व सैनिक एवं सेवानिवृत्त पर्सनल अफिसर/पीएसयू।

आप चक्रधरपुर क्षेत्र के भालियाडीह गांव के स्थायी निवासी हैं। आप 1979 में मेट्रीकोत्तीर्ण के तुरंत बाद मात्र 17 वर्ष की अल्पायु में ही भारतीय सैनिक बनकर देशसेवा के लिए तोपखाना रेजिमेंट में भर्ती हो गये थे। आपने सेना में सेवा करते हुए अपनी उच्च शिक्षा जारी रखी और प्राईवेट से ही आई.ए., बी.ए., टाईपिस्ट और मैनेजमेंट की डिग्रीयाँ हासिल कीं। आपने सेना में मल्टी बैरल राकेट लांचर मिसाईल अपरेटर से लेकर हेडकलर्क तक 17 वर्ष देश के रेगिस्तान और बर्फीली खतरनाक फील्ड ऐरिया में सेवा देने के बाद भारतीय सेना से 1996 में स्वेच्छा सेवानिवृत्ति ले ली। अपनी उत्कृष्ट योग्यता और अनुशासन के आधार पर आपको पुन: भारत सरकार की नवरत्न कंपनी एन.एम.डी.सी. में सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहाँ कार्मिक (प्रशासन) के विभिन्न पदों पर आपने कुल 26 वर्ष की सेवा दी।

इसी दौरान आपने अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष एवं सचिव पद को भी सुशोभित किया, जहाँ छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्र दान्तेवाड़ा/बस्तर के बीहड़ जंगल और अशिक्षित क्षेत्र में सी.एस.आर. के तहत शिक्षा की रोशनी पहूँचाने और संवैधानिक जागरूकता अभियान के लिए 2018 में आपको 'कौमी एकता अवार्ड' और 2019 में 'बिरसा मुंडा समता सेवा राष्ट्रीय पुरस्कार' से भी नवाजा गया। वर्ष 2019 में कोरोना काल (कोविड-19) में आप 'कोरोना रिलीफ फंड' (केसीआरटी) के मुख्य संस्थापक सदस्य रहे हैं। इस प्रकार आप ने समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभायी है। आप अपने गाँव में भी मरीजों के लिए जीवन रक्षक मददगार के रूप में जाने जाते हैं। आप अपने जीवनकाल की 43 वर्ष की लंबी सरकारी सेवा के बाद अभी 'कोल्हान नितिर तुरतुंग' में केन्द्रीय अध्यक्ष के पद को सुशोभित कर रहे हैं। आपके दीर्घ अनुभव, सही मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व में संस्था दिन प्रतिदिन नई ऊंचाईयों को छू रही है जो काफी सरहनीय है, जो कि समाज की आनेवाली पीढ़ी के लिए निश्चय ही अनुकणीय है।

महासचिव

श्री प्रेमसिंह डांगिल, चक्रधरपुर,
पेशा : भारतीय रेल।

आप टोकलो थानांतर्गत ग्राम नलिता के स्थायी निवासी हैं। वर्तमान में आप भारतीय रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में कार्यरत हैं। आपने अपनी मैट्रिक की शिक्षा सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित रोलाडीह हाई स्कूल से पूरी की थी और आई-टी.आई. की तकनीकी शिक्षा चाईबासा से उतीर्ण की है। आप बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में काफी होनहार और मेधावी रहे हैं, जिसकी बदौलत आप जल्द ही बहुत कम उम्र में रेलवे विभाग में लोको पायलट के पद पर चयनित हुए। मैट्रिक स्तर से ही आपने बच्चों को नि:शुल्क पढ़ाना आरंभ कर दिया था, जो आजतक जारी है। आपके द्वारा पढ़ाये कई विधार्थी देश के विभिन्न विभागों में सेवारत हैं। आप शिक्षा के क्षेत्र में बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और इसी प्रतिभा ने आज आपको KNT के सबसे महत्वपूर्ण, सम्माननीय और जिम्मेदारी पद महासचिव के कुर्सी तक पहूँचाया है। आशा है आप सामाजिक हित में संस्था को और आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगे।

कोषाध्यक्ष

श्री धनसिंह हेम्ब्रम, चाईबासा
पेशा : भारतीय रेल।

आप बर्तमान समय में दक्षिण रेलवे चेन्नई में कार्यरत हैं और वर्तमान में कोल्हान नितिर तुरतुंग के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष का कार्य बाखूबी निभा रहे हैं!

आपका पैतृक गांव राजनगर प्रखंड में स्थित है। आपकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई थी, तत्पश्चात आपने अपनी आगे की पढ़ाई चाईबासा और चेन्नई से की। आपने लॉकडाउन के दौरान KCRT में रहकर प्रवासी मजदूरों के सहयोग का कार्य भी बहुत ही लगन के साथ किया और अब आप कोल्हान नितिर तुरतुंग (KNT) में कोषाध्यक्ष के रूप में लेखा-जोखा के कार्य को संभाल रहे हैं और समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। आप सचमूच धन्यवाद के पात्र हैं और आप पर हमें गर्व है।

कोल्हान कोरोना रिलीफ टीम (KCRT) : एक नजर

23 मार्च 2019 को भारत में विश्वव्यापी कोरोना महामारी के प्रवेश होते ही केन्द्र सरकार ने आनन-फानन में कोरोना को रोकने के लिए पूरे देश में संपूर्ण लॉकडाउन का ऐलान कर दिया। जिसकी वजह से देश के कोने-कोने में भय और मातम की लहर फैल गई। चेन्नई-बैंगलोर-दिल्ली जैसे बड़े शहरों में कार्यरत प्रवासी दैनिक मजदूरों को बहुत ही ज्यादा मुसीबतों का सामना करना पड़ा, जिनकी एक झलक निम्न चित्रों के माध्यम से स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

दिनाँक: 11-05-2020
उपायुक्त,पश्चिमी सिंहभूम को बहुत बहुत धन्यवाद!
उन्होंने कोल्हान पोड़ाहाट के
सम्मान दिया है!
ताजा समाचार
कम्पनी का नाम: T.J.N.
जनहित निर्देशक
आपके सहयोग की अपेक्षा है!
दिनांक 18-05-2020
रिलीफ टीम जरूरतमंदों को देगी निःशुल्क शिक्षा
कोरोना रिलीफ टीम का नाम बदल कर कोल्हान मिशिर तुरतंग हुआ
पांच दिन का सफर कर 45 मजदूर पहुंचे घर
44 मजदूरों को तमिलनाडु व गुजरात ले जा रही बस जब्त
बिना अनुमति के 17 मजदूरों को तमिलनाडु ले जा रही बस जब्त, दो चालक गिरफ्तार
KCRT
KCRT AND हो समाज चेन्नई
ईरोड टीम
मजदूरों को चेन्नई में हो समाज ने मदद पहुंचायी
HO samaaj chennai

इसी दौरान छत्तीसगढ़ में कार्यरत श्री माझीराम जामुदा, श्री सिंगराय बोदरा और श्री दुम्बी दीपक बारी जी ने आपातकालीन राहत कार्यों हेतु विभिन्न विभागों में कार्यरत अपने-अपने जान-पहचान सामाजिक साथियों से इस आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सामने आकर सामाजिक एकता का परिचय देते हुए स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग करने की अपील की और **कोल्हान कोरोना रिलीफ टीम** नाम से एक राहत कोष गठित किया गया। इस कल्याणकारी कार्य में सभी लोगों ने दिल खोलकर यथासंभव इस विश्वव्यापी प्राकृतिक आपदा कोरोना महामारी से राहत और बचाव कार्य के लिए तन-मन-धन से सहयोग किया। इस संस्था की मदद से देशभर में लगभग 10000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मदद पहुंचाकर इंसानियत की एक बहुत बड़ी मिसाल पेश की गई। इस कार्य में जुड़े सभी व्यक्तियों का समाज और संबंधित परिवार आजीवन ऋणी रहेगा। इस महामारी में मदद करनेवाले सभी संगठन जैसे कि "हो समाज कोरोना रिलीफ फण्ड रांची, कोल्हान कोरोना रिलीफ फण्ड चाईबासा, कोल्हान वेलफेयर एसोसिएशन मुम्बई, मानकी-मुण्डा संघ चाईबासा, दिशुम दिल्ली, हो समाज समिति बंगलोर, हो-मुण्डा समाज बिलासपुर, हो-मुण्डा कल्याण समिति क्योंझर, हो-मुण्डा समाज इन्दौर, हो-मुण्डा समाज हैदराबाद, हो-मुण्डा समाज इलाहाबाद, हो-मुण्डा समाज चेन्नई, हो-मुण्डा समाज पूना, हो समाज बन्डामुंडा" सभी को धन्यवाद ।

(KNT-25)

कोल्हान नितिर तुरतुंग (KNT) की स्थापना

पहली बार दिनांक 22.06.2020 (सोमवार) को "कोल्हान कोरोना रीलीफ टीम" के सक्रिय सदस्यों की पहली बैठक सह मिलन समारोह का आयोजन "दिव्या भारती, चाईबासा मे बड़े जोश एवं हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस बैठक सह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि तत्कालीन झारखंड श्रमायुक्त एवं नोडल ऑफिसर कोविड 19 (भारत सरकार) श्री ज्ञान सिंह दोराइबुरु जी थे। चुनौती और विषम परिस्थितियों में तामिलनाडु से घर लौटी कुछ महिलाएं भी उपस्थित थीं, जिन्होंने अपनी आपबीती सुनाई। कोल्हान के अलग-अलग शहरों से सक्रिय भूमिका निभाने वाले व दिन-रात मजदूरों के हितों के लिए संघर्ष करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं की अनोखी, स्मरणीय और खास मिलन समारोह बहुत ही यादगार रही, क्योंकि इस बैठक में ही कोल्हान नितिर तुरतुंग की आधारशिला रखी गई, अर्थात इसकी स्थापना की गई।

इस बैठक में सोशल मिडिया के माध्यम से बने दोस्तों का मिलन भी पहली बार हुआ, जो विभिन्न शहरों में कोल्हान नितिर तुरतुंग के सक्रिय सदस्य हैं। बैठक के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी, जिससे टीम के सदस्यों मे नये जोश और जज्बे का संचार हुआ। बैठक के निम्नलिखित मुख्य बिन्दु थे :-

(1) पलायन को रोकना,

(2) कोल्हान मे रोजगार दिलाना,

(3) अन्य राज्यों में रोजगार के लिए विभिन्न कंपनियों में काम करने गये मजदूरों की परेशानी, निदान और उनके हितों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा।

इन सभी उपरोक्त समस्याओं के समाधान, समाज के शैक्षणिक उत्थान और बेरोजगार छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए ही **कोल्हान नितिर तुरतुंग** शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की गई।

'आशा है समाज के बुद्दिजीवी वर्ग और आप सभी पाठकों के सहयोग से समाज में एक नई सामाजिक क्रांति आएगी।'

शिक्षा का सही उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान होना चाहिए।

कोल्हान नितिर तुरतुंग (KNT)

उद्देश्य एवं योजनाएं

संस्था का सामान्य अर्थ : मानव के कुछ सामान्य हित और विशेष हित होते हैं। समान्य हितों की पूर्ति के लिए संगठित जनसमूह को समिति कहते हैं और विशेष हितों के लिए दीर्घकालीन योजनाओं को कार्य रुप में परिणित करने के लिए मान्यता प्राप्त संसाधन, कार्यप्रणाली, लिखित नियमावली और विधि-विधान आदि का उपयोग किया जाता है इसे ही संस्था कहते हैं।

कोल्हान नितिर तुरतुंग का मुख्य उद्देश्य : झारखंड राज्य के कोल्हान प्रमंडल में सामाजिक स्तर पर शिक्षा की रोशनी को फैलाने के लिए कोल्हान नितिर तुरतुंग नाम से आदिवासी नौकरी-पेशा समूह, सामाजिक बुद्धिजीवी वर्ग, समाज सेवी तथा मानकी-मुंडा संघ के आर्थिक सहयोग से एक सामाजिक संस्था संचालित है जो विधिवत् भारतीय निबंधन अधिनियम 21, 1860 के तहत पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी निर्धन कमजोर व जरूरतमंद नवयुवकों को नि:शुल्क शिक्षा, लाईब्रेरी में अध्ययन, कोचिंग, फिजिकल ट्रेनिंग और उचित मार्गदर्शन देकर प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता के लिए तैयार कराना है ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार नवयुवकों को विभिन्न सरकारी-गैर सरकारी विभागों में नौकरी प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो और PAY BACK TO SOCIETY के अंतर्गत अपने परिवार तथा समाज व देश के लिए एक जिम्मेदार व्यक्ति बनकर समृद्धशाली राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके।

भविष्य की कार्य योजनाएं : अगली कड़ी में यह संस्था ग्रामीण स्वरोजगार, उन्नत कृषि, बागवानी, स्वास्थ्य एवं जल संसाधन, पर्यावरण, चिकित्सा, रक्तदान शिविर, महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण, नशामुक्ति, अंधविश्वास पर रोक लगाने के लिए जगरूकता अभियान, सूक्ष्म-लघु-मध्य उद्योग तथा सिलाई प्रशिक्षण, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, मोटर ड्राविंग प्रशिक्षण, इलेक्ट्रिक वायरमैन, आदि कौशल विकास प्रशिक्षण की ओर योजनाओं को विस्तार कर ग्रामीण जनता को स्वरोजगार तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पहूंचाने के लिए प्रेरित, प्रोत्साहित और प्रशिक्षित करने का कार्य करेगी।

जनहित में अपेक्षाएं : आधुनिक प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में किसी भी समाज व राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार बहुत जरूरी है जिसमें शिक्षा का स्थान सर्वोपरि है। एक शिक्षित व्यक्ति समाज व देश के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति होता है और आज के जमाने में एक शिक्षित व्यक्ति ही रोजगार पाने में सफल होता है। आर्थिक रूप से मजबूत व्यक्ति ही अपने व परिवार की स्वास्थ्य पर उचित ध्यान दे सकता है। अतः किसी भी समाज व देश के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार ये तीन महत्वपूर्ण सीढ़ीयां हैं इनके बिना विकास की कल्पना करना अधूरा है। अतः परिक्षेत्रीय सामाजिक विकास के लिए शासन प्रशासन और विभिन्न विभागों तथा अन्य संगठनों के साथ आपसी सामंजस्य और अपेक्षित है। जनमानस और विश्वबंधुत्व की भावना किसी भी राष्ट्र का समग्र विकास के लिए प्राण तत्व है।

जय हिंद जोहार।

* * *

कोल्हान नितिर तुरतुंग के सदस्य

श्री सोमनाथ बांकिरा

श्री केदारदास देवगम

श्री माझीराम जामुदा

श्री प्रेमसिंह डांगिल

श्री धनसिंह हेम्ब्रम

श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू

श्री प्रवीन कुमार गागराई

श्री आनन्द कुमार जेराई

श्री गणेशपाठ पिंगुवा

श्री कृष्णाचन्द्र सोय

श्री रामचंद्र सोय

श्री दयासागर केराई

श्री रोहित तियु

सुश्री गीता लागुरी

श्री गोपाल कृष्णा सोय

श्री सुरसिंह हेम्ब्रोम

श्री दीनबन्धु हेम्ब्रोम

श्री प्रताप सोय

श्री गागराई दादा

श्री चंदन होनहागा

श्री हेमंत कुमार सामड

श्री रमेश बारी

श्री पूर्णचंद्र जारीका

श्री शैलेन्द्र सुन्डी

श्री शैलेंद्र कुंकल

श्री डांगुर कोड़ाह

श्री सिकन्दर सोय

श्री विजय बाड़ा

श्री पंकज बांकिरा

श्री बहादुर बोदरा

श्री पोरेश बिरूवा

श्री लखिन्द्र भूमिज

श्रीमती सोनामुनी जामुदा

श्री रबिन्द्र गिलुवा

श्री अंजन कुमार सामड

श्री सत्यजीत हेम्ब्रोम

सुश्री सुनिता पुर्ती

सुश्री सुजाता हांसदा

सुश्री नीलांचल जामुदा

श्रीमती जीरन सोय कुंटिया

श्री प्रधान पुरती

श्री सतीश कुमार प्रधान

श्री कामेश्वर सिंह तिरिया

श्री रामधन बांकिरा

श्री सुरेश डांगिल

श्री रघुनाथ बिरूवा

श्री गौतम गागराई

श्री गणेश लामय

श्री एच.एस.होनहागा

श्री सैनिक सामड

श्री महेन्द्र पुरती

श्री मिचराय पाड़ेया

श्री रोशन बोयपाई

श्री संजय बानरा

श्री सामु पुरती

श्री अरूण मुंडरी

श्री वासुदेव लागुरी

श्री भीमसेन हेम्ब्रोम

श्री ठुम्बी दीपक बारी

श्री बलभद्र बिरूवा

श्री देवानन्द बिरूली

श्री गौरीशंकर सोय

श्री राकेश जोंको

श्री दीपक लागुरी

श्री जगदीश चन्द्र बिरूली

श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया

श्री राम बोदरा

श्री चन्दन बोयपाई

श्री विजय सिंह पुर्ती

श्री शैलेश कन्डाईबुरू

श्री अमृत तामसोय

श्री राम कोड़ाह

श्री बधुसिंह आल्डा

श्री टिकुल तियु

श्री धर्मचन्द बिरूवा

श्री बिरसा सामड

श्री लालसिंह लोवादा

श्री मनमोहन पुरती

श्री धर्मसिंह जामुदा

श्री लक्षमण मुण्डा

श्री बुधराम बोयपाई

श्री ठुम्बी दिग्गी

श्री आशीष कुमार बानरा

श्री मोहनसिंह बोयपाई

श्री शाहदेव सिंह पुरती

श्री मिथुन बोदरा

श्री कृष्णा देवगम

श्री महेन्द्र गागराई

S.No.	Name	S.No.	Name	S.No.	Name
1	ABHISHEK BIRULY	51	DEEPAK LAGURI	101	KRISHNA SOY
2	AJAMBER SAMAD	52	DEWANAND BIRULY	102	KUNWAR HEMBROM
3	AJEET BODRA	53	DHANANJAY BIRUA	103	LAKHO GAGRAI
4	AMAN BOBONGA	54	DHANSINGH PURTY	104	LAL SINGH SAMAD
5	AMAR SINGH LAGURI	55	DHANSINGH HEMBROM	105	LALENDRA LAGURI
6	AMITRAJ HEMBROM	56	DHARAM CHAND BIRUA	106	LAXMAN MUNDA
7	AMLESWAR HEMBROM	57	DHARAM SINGH JAMUDA	107	LAXMAN HAIBURU
8	AMRIT KUMAR SUNDI	58	DHIRENDRA HONHAGA	108	LOVE KISHOR HESSA
9	ANAND JARIKA	59	DIBRU MUNDA	109	MADHU DANGIL
10	ANJU JONKO	60	DILIP HEMBROM	110	MAHENDRA GAGRAI
11	ANUP KERAI	61	DINBANDHU HEMBROM	111	MAHENDRA KERAI
12	APRIL SOY	62	DINESH SINKU	112	MAHENDRA PURTY
13	ARJUN SOREN	63	DUMBI DEEPAK BARI	113	MAHESH CHAND MUNDA
14	ARUN KR. MUNDRI	64	DUMBI DIGGI	114	MAHTI KALUNDIA
15	ASCORT SAWAIYAN	65	DURLAB BANDHU SURIN	115	MAJHI RAM JAMUDA
16	ASHISH KUMAR BANRA	66	FRANCIS DIGGI	116	MANGAL SINGH BODRA
17	ATOWA BODRA	67	GANESH LAMAY	117	MANGAL SINGH BOIPAI
18	ATOWA CHAMPIA	68	GANGARAM BIRUA	118	MANGAL SINGH HAIBURU
19	B. C. SAMAD	69	GEETA LAGURI	119	MANGAL SINGH HEMBROM
20	BABLU HESSA	70	GHANSYAM BIRULY	120	MANGAL SINGH KERAI
21	BABLU SOY	71	GHANSYAM SINGH KUNTIA	121	MANGAL SINGH SAMAD
22	BABULAL GAGRAI	72	GIRENDRA KALUNDIA	122	MANKI SAMAD
23	BABURAM TIU	73	GOURI SHANKAR SOY	123	MANKI THAISUM
24	BADU SINGH ALDA	74	GULSHAN GUNJA	124	MANMOHAN PURTY
25	BAHADUR BODRA	75	GYAN SINGH DORAIBURU	125	MANOHAR BIRUA
26	BAISINGH TIU	76	HARIHAR HONHAGA	126	MANOJ KUMAR SAWAIYAN
27	BALBHADRA BIRUA	77	HARIKRISHNA SOY	127	MANORANJAN HEMBROM
28	BALBIR SAWAIYAN	78	JAGANNATH BIRUA	128	MATA BODRA
29	BANMALI PAREYA	79	JAGAT KISHOR HONHAGA	129	MATHURA GAGRAI
30	BANSA SOY	80	JAGDISH BIRULY	130	MEWALAL BIRUA
31	BASUDEO CHAKI	81	JANAMJAY BODRA	131	MICHRAY PAREYA
32	BASUDEO LAGURI	82	JAWAHAR LAL BANKIRA	132	MICHRAY SUNDI
33	BHIMSEN HEMBROM	83	JAYPAL SINGH SOY	133	MITHUN BODRA
34	BHOLA SINKU	84	JEMA BARI	134	MOHAN LAL JAMUDA
35	BIRENDRA TIU	85	JOHN VIKASH KORAH	135	MOHAN SINGH BOIPAI
36	BIRSA SAMAD	86	JOSEPH PINGUA	136	MUKESH KORAH
37	BIRSINGH PURTY	87	KAIRA HEMBROM	137	MUKRU HEMBROM
38	BUDHLAL JONKO	88	KAIRA CHAKI	138	NARAYAN LAGURI
39	BUDHRAM BOIPAI	89	KANURAM BODRA	139	NARAYAN SINGH DEOGAM
40	BUDHRAM SAMAD	90	KARAN CHAKI	140	NARPATI BIRUA
41	CH. MOHAN HAIBURU	91	KEDAR DAS DEOGAM	141	NATHURAM SAWAIYAN
42	CHAMBRA BODRA	92	KEDARNATH PURTY	142	NEELANCHAL JAMUDA
43	CHANDRASEKHAR PINGUA	93	KEVIN EDWAD KERAI	143	NITESH KR. MUNDA
44	CHUERA PURTY	94	KHETRO MOHAN BIRUA	144	PANKAJ KUMAR CHAMPIA
45	CYRIL PURTY	95	KISHOR Kr.KANDEYANG	145	PAWAN HAIBURU
46	DAMU PURTY	96	KAMESHWAR SINGH TIRIYA	146	PORESH BIRUA
47	DAMUR SINGH CHAMPIA	97	KRISHNA DEOGAM	147	PRADHAN BODRA
48	DANGUR KORAH **(A)**	98	KRISHNA BOIPAI	148	PRADHAN SAMAD
49	DANGUR KORAH **(B)**	99	KRISHNA HASDA	149	PRAKASH SOY
50	DAYA SAGAR KERAI	100	KRISHNA SAWAIYAN	150	PRATAP SOY

S.No.	Name	S.No.	Name	S.No.	Name
151	PRATAP SINGH BANRA	191	SALIM BIRUA	231	SUDARSHAN BANRA
152	PRATIK PURTY	192	SALIM BODRA	232	SUJEET HONHAGA
153	PRATIMA BANRA	193	SAMU PURTY	233	SUKHDEO BARI
154	PRAVEEN KUMAR GAGRAI	194	SANDEEP KR. SINKU	234	SUKHLAL BARI
155	PREM SINGH DANGIL	195	SANGRAM ALDA	235	SUKHRAM SOY
156	PURN CHANDRA JARIKA	196	SANJAY HASDA	236	SUNDAR LAL BANRA
157	PUSHPA TUDU	197	SANJAY KUMAR BANRA	237	SUNIL KR. BOIPAI
158	RAGHUNANDAN BIRUA	198	SANJAY PRAKASH JARIKA	238	SUNNY SAMAD
159	RAGHUNATH BODRA	199	SANJAY PURTY	239	SURENDRA DANGIL
160	RAJESH KUMAR TAMSOY	200	SANJAY SAMAD	240	SURESH HEMBROM
161	RAJU DIGGI	201	SANJAY TIU	241	SURESH KALUNDIA
162	RAJU SAMAD	202	SANJIV KUMAR TIU	242	SURESH KUMAR KUNKAL
163	RAKESH BIRULY	203	SANTOSH BANRA	243	SURSINGH HEMBROM
164	RAKESH JONKO	204	SANTOSH KUMAR PINGUA	244	SUSHIL KR. KUNKAL
165	RAM BODRA	205	SARKAR DIGGI	245	SUSHMA DEOGAM
166	RAM SAWAIYAN	206	SARSWATI KUDADA	246	SWARAJ HEMBROM
167	RAMDEO DONGO	207	SHAILEN BALMUCHU	247	TIKUL TIU
168	RAMESH BARI	208	SHAILENDRA SUNDI	248	TRIVENI BIRUA
169	RAMESH CHANDRA SUNDI	209	SHAILENDRA KUNKAL	249	TURI RAM BIRUA
170	RAMESH HASDA	210	SHAILESH KANDAIBURU	250	VIJAY BALMUCHU
171	RAMESWAR HEMBROM	211	SHANKAR SUNDI	251	VIJAY SINGH BANRA
172	RANA PRATAP BARI	212	SHANTARAM PURTY	252	VIJAY SINGH PURTY
173	RAVI BALMUCHU	213	SHASHI BHU.BALMUCHU	253	VIJAY SINGH SUMBRUI
174	RAVI SHANKAR GAGRAI	214	SHASTRI GAGRAI	254	VIKASH BODRA
175	RENSO PURTY	215	SHIV SHANKAR BODRA	255	VIKRAM BOIPAI
176	RITA SUMBRUI	216	SHIV SHANKAR KUNKAL	256	VISHAL PURTY
177	ROHIT TIU	217	SHIVA HONHAGA	257	VIVAN PRAKASH JARIKA
178	ROSHAN BOIPAI	218	SHIVNATH HEMBROM	258	YASHVIR SAWAIYAN
179	RUIDAS BODRA	219	SIDESHWAR GAGRAI	259	YOGESH SINKU
180	RUIDAS KARMA	220	SIDHARATH BANRA	300	YOGESHWAR SINKU
181	RUPESH HASDA	221	SINGRAI BODRA	301	GANESH CHANDRA KUDADA
182	RUPSINGH ALDA	222	SITARAM DIGGI	302	LADU BODRA
183	RUPSINGH BALMUCHU	223	SODHODHAN LAGURI		
184	S C DEOGAM	224	SOHAN SINGH BANKIRA		
185	S.C. CHATTAR	225	SOM BARI		
186	SACHIN BODRA	226	SOMNATH PURTY		
187	SAGAR HEMBROM	227	SONAMUNI JAMUDA		
188	SAHADEO SINGH PURTY	228	SONARAM BIRUA		
189	SAINIK SAMAD	229	SONARAM HEMBROM		
190	SALEN PAT PINGUA	230	SRIRAM SUNDI		

प्रतियोगिता परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी हेतु इच्छुक छात्र-छात्राएं संपर्क करें।

ई-मेल : kolhannitirturtung@gmail.com

पत्र लिखें : कोल्हान नितिर तुरतुंग, मानकी-मुण्डा सभागार चाईबासा, जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड-833201.

संपर्क (मो.) : 6265277797/9162559989

कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा

निगरानी सामिति

केन्द्रीय कार्यालय, कोल्हान निति तुरतुंग के कार्यालय में दिनांक 22.08.2022 की बैठक द्वारा कोल्हान निति तुरतुंग चाईबासा हेतु एक निगरानी सामिति गठित की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निगरानी समिति हेतु निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया।

अध्यक्ष : श्री जगदीश चन्द्र बिरूली
उपाध्यक्ष : श्री शैलेन्द्र सुन्डी
सचिव : श्री टिकुल तियु

स्थापना : 01.11.2020

वर्ष	शिक्षक/शिक्षिका एवं विषय	छात्रों की संख्या	सीनियर	जुनियर
2020 एवं 2021	श्री चन्दन बोयपाई : विज्ञान। सुश्री मनीषा लागुरी : तार्किक शक्ति। सुश्री गीता लागुरी : गणित।	250	100	150
2022	सुश्री गीता लागुरी : गणित, हो भाषा एवं साहित्य। श्री दीपक लागुरी : तार्किक शक्ति, अंग्रेजी, समसामयिकी, सामान्य ज्ञान। श्री रधुनाथ बिरूवा : विज्ञान, सामान्य विज्ञान।	168	36	132
2023	श्री रधुनाथ बिरूवा : विज्ञान, सामान्य विज्ञान। श्री दीपक लागुरी : तार्किक शक्ति, अंग्रेजी, समसामयिकी, सामान्य ज्ञान। श्री प्रधान पुरती : गणित। श्रीमती जीरन सोय कुंटिया : हो भाषा एवं साहित्य।	170	56	114
समय-सारणी (सुबह) : 6.00-7.15 बजे (सीनियर) एवं 7.45-9.30 बजे (जुनियर)				

शिक्षण संकाय

श्री विजय बाड़ा

सुश्री गीता लागुरी

श्री चन्दन बोयपाई

सुश्री मनीषा लागुरी

श्री दीपक लागुरी

श्री रघुनाथ बिरूवा

श्री प्रधान पुरती

श्रीमती जीरन सोय कुंटिया

सुश्री बबली केराई

KNT CHAIBASA JUNIOR-A BATCH

KNT CHAIBASA JUNIOR-B BATCH

KNT CHAIBASA SENIOR BATCH

उद्घाटन समारोह : विभिन प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतु कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा के निःशुल्क कोचिंग केंद्र का मानकी-मुंडा सभागार में दिनांक 01.11.2020 को कुमारी जिउ (जज), श्री ज्ञान सिंह दोराइबुरु (तत्कालीन श्रमायुक्त, झारखंड) और श्री प्रवीण गागराई (उप विकास आयुक्त, सरायकेला-खरसवां) के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर उदघाटन किया गया।

सर्वप्रथम आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार दियुरी ने पूजा अर्चना की और फिर मानकी-मुण्डा सभागार में ही कोल्हान नितिर तुरतुंग के कार्यालय का उदघाटन भी कुमारी जिउ और श्रीमती सुनीता सोय सिंह कुंटिया के हाथों किया गया।

मंच का संचालन श्री कृष्णा देवगम (शिक्षक) जी ने किया।

सभी अतिथियों ने कोल्हान नितिर तुरतुंग के द्वारा पूर्व में किये गये कार्यों, गरीब और जरूरतमंद छात्रों के लिये निःशुल्क कोचिंग केंद्र शुरू करने के पहल की सहराना की और संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कोचिंग के लिये नियुक्त दोनों शिक्षकों (श्री रघुनाथ बिरुआ और सुश्री शेफाली पूर्ती) को तीनों मुख्य अतिथियों के हाथों नियुक्ति-पत्र दिया गया और फिर दोनों शिक्षकों ने अपना-अपना परिचय दिया।

तत्पश्चात रेया उम्बुल (आदिवासी महिला समूह, चाईबासा) ने मंच में आकर अपनी बात रखी और कोल्हान नितिर तुरतुंग के कार्यों से प्रभावित होकर संगठन हेतु 5000/- रुपये सहयोग के रूप में दिया।

इसके बाद सभी अतिथियों और संगठन के सदस्यों को गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया।

सचिव श्री प्रेम सिंह डांगिल ने कोल्हान नितिर तुरतुंग के बारे में मेहमानों को विस्तृत रूप से जानकारी दी।

मंच संचालित करने वाले कृष्ण देवगम को अध्यक्ष प्रकाश लागुरी और सचिव प्रेम सिंह डांगिल ने गमछा पहनाकर सम्मानित किया। तत्पश्चात श्री प्रकाश लागुरी जी ने श्री कृष्णा देवगम का परिचय देकर उनके सामाजिक कार्यों की काफी प्रशंसा की और टीम के अन्य सदस्यों के बारे में लोगों को रूबरू कराया जैसे कि चक्रधरपुर के श्री सत्यजीत हेम्ब्रम, श्री रबिन्द्र गिलुवा, श्री अंजन सामड, श्री अनन्त हेम्ब्रम, भोपाल से आये श्री रमेश बारी, उत्तराखंड से आये श्री पूर्ण चंद्र जारिका इत्यादि।

अन्य मेहमानों में शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री विकाश दोदराजका, जैंतगड़ के श्री आमिर हिंदुस्तानी, मंझारी के सुश्री बासमती बिरुवा, सुश्री दशमती बिरुवा, सुश्री दशमिता अल्डा एवं श्री नरेन्द्र कुदादा उपस्थित थे। इस उदघाटन समारोह में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में मानकी-मुंडा संघ के अध्यक्ष श्री गणेश पाठ पिंगुवा जी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन : कोल्हान नितिर तुरतुंग द्वारा दिनांक 24.07.2021 को पिल्लई हॉल चाईबासा में प्रथम एकदिवसीय अभिभावक सम्मेलन मनाया गया। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक श्री अजय लिंडा, उपविकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार गागराई, तत्कालीन श्रमायुक्त श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू तथा कोल्हान नितिर तुरतुंग टीम के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण सभी तहे दिल से धन्यवाद के पात्र हैं, जिनकी मदद से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कोल्हान नितिर तुरतुंग के बैनर तले जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिये जो निःशुल्क कोचिंग संस्थान चाईबासा में चलाये जा रहे हैं, उस कोचिंग में पढ़ने वाले लगभग 300 विधार्थियों और उनके अभिभावकों हेतु एक विशेष कार्यक्रम रखी गई थी। इस कार्यक्रम में जिले के आला अधिकारियों ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित करने और अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति जिम्मेदारी निभाने हेतु विशेष जानकारियां दीं।

यहां विद्यार्थियों ने अपने भविष्य और कैरियर हेतु पुलिस अधीक्षक श्री अजय लिंडा और अन्य अधिकारियों से अनेक सवाल-जवाब किये, जिसे अधिकारियों ने अपने-अपने अनुभव के आधार पर बहुत ही सरल शब्दों में विद्यार्थियों को बताया। साथ ही साथ कई अभिभावकों ने कोल्हान नितिर तुरतुंग का आभार भी प्रकट किया और कहा कि कोल्हान नितिर तुरतुंग से जुड़ने के बाद हमारे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों श्री दीपक लागुरी और सुश्री पिंकी बिरूली ने भी कोल्हान नितिर तुरतुंग के बारे में अपनी सकरात्मक बातें कही।

कैरियर काउंसिलिंग एवं दिशा-निर्देश कार्यक्रम : दिनांक 5.08.2021 को कोल्हान नितिर तुरतुंग द्वारा मानकी-मुंडा सभागार, मंगला हाट, चाईबासा में समाज के युवक-युवतियों हेतु एकदिवसीय कैरियर काउंसिलिंग सह दिशा-निर्देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राएँ शामिल हुए।

कार्यक्रम को मुख्य रुप से CRPF 60 बटालियन, असनतलिया/ चक्रधरपुर के कमांडेंट श्री आनन्द कुमार जेराई, चाईबासा Dy.SP दिलिप खलखो, झारखंड पुलिस एसोसिएशन पश्चिमी सिंहभूम के जिलाध्याक्ष श्री राहुल मुर्मू, मानकी-मुंडा संघ के केन्द्रीय अध्यक्ष श्री गणेश पाठ पिंगुवा, महासचिव श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया, समाजसेवी श्री हीरामनी हाईबुरु, भूतपूर्व सैनिक श्री दयासागर केराई और कोल्हान नितिर तुरतुंग के कोषाध्यक्ष श्री सिंगराय बोदरा आदि ने संबोधित किया। भूतपूर्व सैनिक व कोल्हान नितिर तुरतुंग के शारीरिक प्रशिक्षक श्री दयासागर केराई ने जहां छात्र-छात्राओं के समक्ष भारतीय-सेना के सेवाकाल के दौरान अपने साथ बीते कठिन परिस्थितियों के अनुभवों को साझा करते हुए विषम परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठावान बने रहने को ही सफलता का मार्ग बताया वहीं कमांडेंट साहब ने युवावस्था के दौरान मन को लुभावना वाली विसंगतियों के त्याग को संघर्ष का नाम दिया, जिसको पार करके ही कोई सफलता को प्राप्त कर सकता है।

जिला पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राहुल कुमार मुर्मु ने समाज में शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कोल्हान नितिर तुरतुंग के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने साथियों के साथ मिलकर प्राथमिक वर्ग के बच्चों के लिए चलाए जा रहे नि:शुल्क कोचिंग के बारे में बताया और समाज के सभी नौकरीपेशा सक्षम लोगों से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्वरोजगार के विकास के लिए उठाए गए इस तरह के कदमों को मजबूती प्रदान करने हेतु सभी से आगे आने का आह्वान भी किया। श्री दिलीप खालको जी ने खुशी व्यक्त किया कि कोल्हान के

युवा अब अपना भला-बुरा समझ रहे हैं और अपने समुदाय की बेहतरी के लिए आगे आकर लगातार प्रयासरत है। किसी भी समाज या समुदाय के सुदृढ़ीकरण के लिए इस तरह के प्रयासों को प्रोत्साहन व संरक्षण प्रदान किए जाने की बहुत जरुरत है। मानकी-मुण्डा संघ की ओर से यह निर्देश प्राप्त हुआ कि युवाओं को मुर्गा-पाड़ा, मेला-बाजार, हब्बा-डब्बा, जुआ, नशा, लड़कीबाजी, पलायन जैसे समय को व्यर्थ करने और मार्ग से भटकाने वाली आदतों से हर-संभव दूर रहना चाहिए। लक्षय निर्धारित कर सही रास्ते का चुनाव करें, जमकर मेहनत करें, सफलता प्राप्त करें और सफलता प्राप्त करने के बाद “Pay back to our Society” की भावना के तहत समाज-हित में अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान करें ताकि आपके कई अन्य और भाई-बहन/रिश्तेदार भी आपके बहुमूल्य सहयोग से सफल होकर अपने भाई-बहनों और समाज का सहयोग करें।

छात्र-छात्राओं को वहां उपस्थित सभी अभिभावकों, शिक्षकों और बुद्दिजीवियों ने अपना आशीर्वाद दिया, सभी के सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं और यह भरोसा भी कि यथासंभव कोल्हान नितिर तुरतुंग की राह में जो भी समस्याएं आएंगी, हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कैरियर काउंसिलिंग एवं दिशा-निर्देश कार्यक्रम : श्री मोटाय बानरा (JPSC चयनित) हेतु दिनांक 17.07.2022 को एक सम्मान समारोह आयोजित की गई, जहां श्री मोटाय बानरा जी ने छात्रों को रोजगार प्राप्त करने के संक्षिप्त प्रेरक तरीके बताए।

कोल्हान नितिर तुरतुंग शारीरिक प्रशिक्षण : टाटा कॉलेज मैदान, चाईबासा

श्री विजय बाड़ा जी द्वारा टाटा कॉलेज चाईबासा मैदान में कोल्हन नितिर तुरतुंग के छात्रों का शारीरिक प्रशिक्षण।

चाईबासा भास्कर 11-03-2022

सेना में बहाली के लिए कौशल विकसित करने का सिखाया गुर

स्वतंत्रता दिवस समारोह

दिनांक 15.08.2022 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर "कोल्हान मानकी-मुंडा संघ न्यायालय" में तात्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा झंडा फहराया गया। जिसमें कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा के छात्र-छात्राओं ने भी हर्षोल्लास के साथ भाग लिया गया।

इस अवसर पर कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा में कोल्हान मानकी-मुंडा संघ के अध्यक्ष श्री गणेश पाठ पिंगुवा जी के द्वारा झंडा फहराया गया। तत्पश्चात कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा के छात्र- छात्राओं

द्वारा कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा से कोल्हान मानकी-मुंडा न्यायालय तक केन्द्रीय मानकी-मुंडा संघ के पदाधिकारियों की अगुवाई में एक रैली निकाली गयी।

औपचारिक बैठक : चाईबासा केन्द्र में दिनांक 22.08.2022 को मुख्य सलाहकार श्री गागराई जी की अध्यक्षता में मानकी-मुंडा सभागार, चाईबासा में केन्द्रीय कामेटी कोल्हान नितिर तुरतुंग की एक वर्चुअल और ऑफलाइन बैठक हुई, जो माननीय केन्द्रीय पदाधिकारियों, शिक्षकों और स्थानीय माननीय सदस्य की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस बैठक में श्री गागराई/मुख्य सलाहकार, श्री प्रेमसिंह डांगिल/महासचिव, श्री धनसिंह हेम्ब्रोम/कोषाध्यक्ष, श्री जागन्नाथ बिरूवा/केन्द्रीय उपाध्यक्ष, सदस्य श्री रबिन्द्र गिलुवा, श्री शैलेंद्र सुंडी,

श्री टिकुल तियू, श्री रोहित तियू, श्री जगदीश बिरूली, शिक्षक श्री रघुनाथ बिरूवा, शिक्षिका सह सयुंक्त सचिव सुश्री गीता लागुरी एवं ऑनलाइन माध्यम से श्री माझीराम जामुदा/अध्यक्ष, श्री शैलेंद्र कुंकल/सलाहकार, श्री लालमोहन लोवादा आदि उपस्थित हुए।केन्द्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा में स्थानीय समिति का गठन किया गया, जिसमें श्री जगदीश बिरूली को अध्यक्ष, श्री शैलेंद्र सुंडी को उपाध्यक्ष, श्री टिकुल तियू को सचिव और श्री रोहित तियु को केन्द्रीय उपाध्यक्ष नामित किया गया। सभी कोचिंग केन्द्रों को निर्धारित लक्ष्यों की पूरा करने के लिए मौजूद संसाधनों से समरूपता, पारदर्शिता और बेहतर चलाने के लिए कमी, उपलब्धि और रूपरेखा से सम्बंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

शिक्षक दिवस वर्ष-2022 : शिक्षक दिवस के अवसर पर चाईबासा कोचिंग केन्द्र में दिनांक 25.09.2022 को छात्र-छात्राओं के द्वारा अनेक रंगारंग संस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति कर शिक्षक-दिवस धूमधाम से मनाया गया।

औपचारिक बैठक : कोल्हान नितिर तुरतुंग सेंटर चाईबासा में दिनांक 17.02.2023 को एक औपचारिक बैठक की गयी। इस बैठक में विभिन्न कमियों और मुद्दों पर चर्चा की गई बैठक में मुंडा श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया, श्री जगदीश बिरुली, श्री दीपक लागुरी, श्री प्रदान पुरती एवं श्रीमती जीरन सोय कुंटिया जी उपस्थित रहीं।

मासिक कक्षा परीक्षा : शिक्षक श्री रघुनाथ बिरुवा द्वारा दिनांक 31.10.2022 को कोल्हान नितिर तुरतुंग केंद्र, चाईबासा में मासिक कक्षा परीक्षा लेने के दौरान विद्यार्थीगण।

स्थापना दिवस समारोह : दिनांक 01.11.2022 को कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा के "स्थापना दिवस समारोह" आयोजित की गई और विद्यार्थियों के बीच एक "Quiz Competition" भी आयोजित की गई।

सम्मान समारोह

दिनांक 21.12.2022 को कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा के अग्निवीर में चयनित छात्र श्री तुरी बारी के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

निरीक्षण

पूर्व श्रमायुक्त श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरु जी द्वारा कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा का दिनांक 12.01.2023 को औचक निरीक्षण किया और उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ मुलाकात की।

गणतंत्र दिवस समारोह-2023

मानकी-मुण्डा सभागार प्रांगण, चाईबासा में कोल्हान नितिर तुरतुंग के सौजन्य से गणतंत्र दिवस समारोह-2023 में झंडोत्तोलन कार्यक्रम मानकी-मुंडा संघ के अध्यक्ष श्री गणेश पाठ पिंगुवा जी के द्वारा संपन्न हुआ।

स्वागत समारोह

आदिवासी हो महासभा प्रांगण, चाईबासा में दिनांक 16.04.2023 को पद्मश्री जानुम सिंह सोय जी के स्वागत की तैयारियों हेतु एक बैठक रखी गई थी जहां कोल्हान नितिर तुरतुंग की ओर से शिक्षक श्री रघुनाथ बिरूवा जी उपस्थित हुए।

कोषाध्यक्ष का निरीक्षण

भारतीय रेल चेन्नई में कार्यरत व कोल्हान नितिर तुरतुग के कोषाध्यक्ष श्री धनसिंह हेम्ब्रम जी के द्वारा दिनांक 26.04.2023 को कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र, चाईबासा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

निरीक्षण

श्री कानु राम बोदरा जी द्वारा दिनांक 29.04.2023 को कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र, चाईबासा का औचक निरीक्षण किया गया।

सहायक प्रभारी, नेहरू युवा केंद्र संगठन का निरीक्षण

दिनांक 22.06.2023 को माननीय श्री गिरजानन्द रतनाकार जी (सहायक प्रभारी, नेहरू युवा केंद्र संगठन), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं उनके सहयोगी श्री सुनील जेराई जी चाईबासा सेंटर आए थे।

उन्होंने ने कोल्हान नितिर तुरतुंग के कार्यकारिणी समिति के सदस्यों और कोल्हान नितिर तुरतुंग के चारों सेंटर की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही साथ कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा के बच्चों के साथ बातें कर, उनसे पठन-पाठन संबंधी क्रिया-विधि आदि के बारे में जानकारी ली। इस दौरान चाईबासा सेंटर के शिक्षक श्री रघुनाथ बिरूवा जी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिनसे प्रतिनिधि मंडल ने कोल्हान नितिर तुरतुंग की अन्य गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की।

यह कोल्हान नितिर तुरतुंग के लिए सौभाग्य और खुशी की बात है कि हमारे कोल्हान नितिर तुरतुंग मुख्यालय चाईबासा में DC Office द्वारा भेजे गये शासकीय प्रतिनिधि निरिक्षण एवं अन्य कल्याणकारी शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी लेने पहूंचे। कोल्हान नितिर तुरतुंग मुख्यालय में उपस्थित वरिष्ठ शिक्षक श्री रघुनाथ बिरूवा जी ने केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा जी को फोन इसकी जानकारी दी और प्रतिनिधि मंडल से बात कराया। फोन पर अध्यक्ष द्वारा इन प्रतिनिधियों को कोल्हान नितिर तुरतुंग के शुभारंभ, उददेश्य, कार्यप्रणाली, सहयोगी सदस्यगण, केन्द्र की संख्या, विधार्थियो की संख्या, शिक्षकों की संख्या, आय का स्रोत, विधार्थियो की सफलता और संस्था के प्रति बच्चों, अभिभावकों और समाज का सकारात्मक रुझान और इसे बेहतर बनाने के लिए योजनाओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी गई। इन प्रतिनिधि मंडल द्वारा शासन व अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की ओर से यथासंभव सहयोग करने के लिए आश्वासन दिया गया और कोल्हान नितिर तुरतुंग द्वारा सामाजिक जनकल्याण और शिक्षा एवं रोजगार, स्वरोजगार के लिए किये जा रहे कार्य की प्रशंसा की गई। कोल्हान नितिर तुरतुंग में अध्ययनरत बच्चों का भविष्य ऐसे शासकीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन से निश्चय ही उज्ज्वल होगा।

सम्मान सह विदाई समारोह

ब्रेकिंग न्यूज़, चक्रधरपुर
बुधवार, 10 मई 2023
पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड
हर खबर पर नजर
मानकी-मुंडा सभागार चाईबासा में कोल्हान नितिर तुरतुंग के
सफल छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ
Jharkhand/चाईबासा : बुधवार को मानकी-मुंडा सभागार चाईबासा में कोल्हान नितिर तुरतुंग के सफल छात्रों का सम्मान समारोह रखा गया था। आपको जानकारी दी जाती है कि आदिवासी हो समाज के बुद्धिजीवियों, नौकरी पेशा,मुण्डा मानकी संघ केन्द्रीय कमेटी और स्थानीय निगरानी समिति के सहयोग से युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के मार्गदर्शन से कोल्हान नितिर तुरतुंग के पहली K.N.T.स्टडी सेंटर सह लाइब्रेरी,चाईबासा केंद्र 1 नवम्बर 2020 से शुरू हुआ है। अभी तक इस केंद्र से बहुत सारे छात्रों ने विभिन्न पदों पर नौकरी प्राप्त कर चुके हैं।
+91 9771697182
Breaking News Chakradharpur

पंचायत सचिव के पद पर चयनित कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा की शिक्षिका सुश्री गीता लागुरी को दिनांक 10.05.2023 को संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा एक समारोह आयोजित कर भावभिनी विदाई दी गई।

अनौपचारिक बैठक

दिनांक 07.07.2023 (शुक्रवार) को कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा में विद्यार्थियों की समस्याओं पर एक औपचारिक चर्चा आयोजित की गयी, जिसमें निगरानी समिति की ओर से श्री शैलेंद्र सुन्डी जी एवं श्री जगदीश बिरूली जी एवं सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। इसमें एक नये क्लासरूम चलाने की बात हुई।

श्री बिरेन्द्र तियु द्वारा औचक निरीक्षण

कोल्हान नितिर तुरतुंग
(आदिवासियों का सामाजिक संगठन)
श्री बिरेन्द्र तियू ने किताबें और पेपर देकर हौसला अफजाई की
श्री बिरेन्द्र तियू जी (सेवानिवृत भारतीय रेलवे) के.एन.टी. स्टडी सेंटर सह लाइब्रेरी ,चाईबासा के लिए किताबें और मासिक दैनिक समाचार पत्र आशीर्वाद स्वरूप सहयोग प्रदान कर छात्र –छात्राओं को हौसला अफजाई की । यह सहयोग संस्था के विकास में बल मिलेगा । और टीम के लिए नये ऊर्जा का संचार करेगी ।
आपके इस बहुमूल्य कीमती सहयोग के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद ।
2023
झारखंड
सामान्य ज्ञान
झारखण्ड
Hindustan
Sun Jul 09 2023
आदिवासी युवाओं के शिक्षा,रोजगार और स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन हेतु समर्पित टीम

श्री जॉन विकास कोड़ाह द्वारा निरीक्षण

दिनांक 11.08.2023 को श्री जॉन विकास कोड़ाह (आर्डिनेंस फैक्ट्री जबलपुर) के द्वारा कोल्हान नितिर तुरतुंग कोचिंग केन्द्र, चाईबासा का औचक निरिक्षण किया गया और उनके द्वारा छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षाओं में तैयारी हेतु प्रेरक (Motivational|) जानकारियां भी दी गयीं।

श्री जॉन विकास कोड़ाह जी ने निरीक्षण के पश्चात चाईबासा निगरानी समिति के अध्यक्ष श्री जगदीश चन्द्र बिरुली जी के साथ कोल्हान नितिर तुरतुंग कार्यालय में शिक्षा और समाज के विकास हेतु विस्तृत चर्चा की।

स्वतंत्रता दिवस समारोह-2023

मानकी-मुण्डा संघ एवं कोल्हान नितिर तुरतुंग के संयुक्त तत्वाधन में मानकी-मुण्डा विश्रामागार प्रांगण, चाईबासा में 15-08-2023 को सफलतापूर्वक स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर अध्यक्ष मानकी-मुंडा संघ श्री गणेश पाट पिंगुवा एवं केंद्रीय अध्यक्ष कोल्हान नितिर तुरतुंग श्री माझीराम जामुदा जी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस कार्यक्रम में कोल्हान नितिर तुरतुंग के सदस्य श्री जगदीश बिरुली, श्री शैलेन्द्र सुंडी, श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया, समाजसेविका सुश्री बेला जेराई, सुश्री विनोदिनी बानरा, श्री रबिन्द्र गिलुवा, श्री प्रधान पुरती एवं श्री चन्दन बोयपाई उपस्थित थे। कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चाईबासा में कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात सभी के लिए जल्पान की व्यवस्था की गयी, इसी दौरान हॉल में कोल्हान नितिर तुरतुंग के पदाधिकारयों एवं अथितियों ने स्वतंत्रता दिवस का सन्देश भी दिया।

सुश्री विनोदिनी बानरा एवं सुश्री बेला जेराई ने विद्यार्थियों को स्वरोजगार से सम्बधित जानकारी जैसे कि सिलाई एवं ब्यूटी पार्लरिंग के कोर्स के बारे में बताया एवं श्री रबिन्द्र गिलुवा ने छात्रछात्राओं को रक्तदान के फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

अंत में सभी विद्यार्थी अपने-अपने हाथों में तिरंगा लेकर स्वतंत्रता दिवस एवं स्वतंत्रता सेनानियों के नारे लगाते हुए मुण्डा-मानकी सभागार से निकलकर बस स्टैंड, जैन मार्केट से होते हुए मानकी मुंडा न्याय पंचायत तक प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी के समय लोगों का भी छात्रों एवं छात्राओं के प्रति काफ़ी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिला।

पदाधिकारियों का निरीक्षण

दिनांक 2.08.2023 को कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चाईबासा में सक्रिय सदस्य एवं आयकर विभाग में कार्यरत श्री दीपक लागुरी तथा रेलवे कर्मचारी श्री बहादुर बोदरा जी के द्वारा निरीक्षण किया गया।

श्री दीपक लागुरी जी ने बच्चों को कैरियर से संबंधित टिप्स दिए। श्री बहादुर बोदरा जी शुरू से ही कोल्हान नितिर तुरतुंग के सक्रिय सदस्य रहे हैं और वे यथासंभव योगदान देते आये हैं। निरीक्षण के दौरान कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा के शिक्षक श्री चन्दन बोयपाई और श्री प्रधान पुरती भी उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस समारोह : 10.09.2023

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चाईबासा में दिनांक 10.09.2023 को शिक्षक-दिवस समारोह मनाया गया, जहां पर परंपरागत आदिवासी संस्कृति की अनुभूति और झलक देखने को मिला। दामा-दुमंग के साथ अतिथियों का शानदार स्वागत और अतिथियों को नृत्य के साथ विदाई भी। परंपरागत रुंऊग सकम पुऊ और दालोब सकम के उपर भी कलाकारी के साथ लिखा हुआ था। दीवार के चारों ओर सजावट के लिए भी पतों पर सुंदर हस्तकला देखने को मिला। विधार्थियो ने एक से बढ़ एक आकर्षक रंगारंग मनमोहक एकल नृत्य और युगल नृत्य कार्यक्रमों से उपस्थित अतिथियों को लगातार 6 घंटे तक बांधे रखा।

अतिथियों ने सभी शिक्षकों और विधार्थियो को शिक्षा और शिक्षक का महत्व बताया और विधार्थियो के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को साझा किया। शिक्षकों और अतिथियों को भेंट स्वरूप पौधा देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष महोदय ने KNT के निर्माण में मानकी-मुंडा संघ, देश के कोने कोने में कार्यरत KNT के सदस्यों, समाज सेवियों और संस्था के साथ प्रतयक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी सदस्यों को धन्यवाद और आभार मानते हुए सभी दानदाताओं का शुक्रिया अदा किया और कहा कि एक सच्ची समाजिक एकता का ही दूसरा नाम KNT है। हो समाज के छोटे से लेकर शीर्ष और अनुभवी पदाधिकारियों से परिपूर्ण संस्था का ही नाम है KNT है। कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि, पक्का इरादा, और अनुशासन के रास्ते चलने वाला संस्था का ही नाम है KNT है।

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र सह लाइब्रेरी चाईबासा में दिनांक 03.10.2023 को निगरानी समिति के सदस्यों एवं शिक्षकों के बीच एक औपचारिक बैठक हुई। इस बैठक में आगामी उत्पाद सिपाही, झारखंड सीजीएल भर्ती परीक्षाओं को सिलेबस के अनुसार निरंतर प्रेक्टिस कराना, OMR sheet पर वीकली टेस्ट कराना, ऑनलाइन प्रैक्टिस करना, छात्र-छात्राओं के लिए पढ़ाई से संबंधित complain रजिस्टर रखना आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निगरानी समिति के सभी सदस्य उपिस्थित थे।

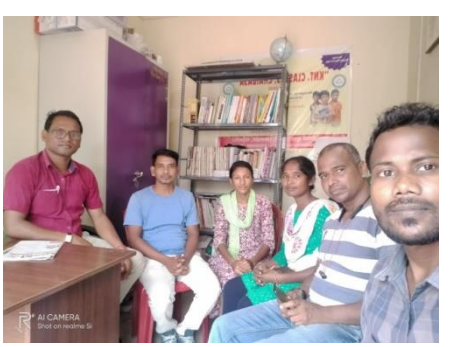

अग्निवीर चयनित छात्रों का सम्मान समारोह

कोल्हान नीतिर तुरतुंग केन्द्र चाईबासा में भारतीय सेना के अग्निवीर के लिए चयनित छात्रों श्री राजेन्द्र देवगम और श्री समीर चतोम्बा हेतु दिनांक 18.10.2023 को एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दोनों छात्रों को पदाधिकारियों द्वारा सम्मान स्वरूप पुष्पमाला, पारंपरिक अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस समारोह में मानकी-मुण्डा संघ के केन्द्रीय महासचिव श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया, KNT के केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझी राम जामुदा और अन्य पदाधिकारीगण श्री टिकुल तियू, श्री शैलेन्द्र सुंडी, श्री गोपाल कृष्ण सोय, श्री रामचन्द्र सोय, श्री राम बोदरा, श्री गुरू चरण चोड़ा, चाईबासा केन्द्र के शिक्षक श्री चंदन बोइपाई, श्री रघुनाथ बिरूवा, श्रीमती जीरेन सोय, सुश्री बबली केराई एवं वहां अध्ययनरत छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ब्रेकिंग न्यूज़, चक्रधरपुर
बुधवार, 18 अक्टूबर 2023
पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड
हर खबर पर नजर
के.एन.टी. चाईबासा ने 2 अग्निवीर जवानों का किया सम्मानित
BREAKING NEWS
CHAKRADHARPUR
चाईबासा : कोल्हान नीतिर तुरतुंग केन्द्रीय कमेटी सौजन्य एवं मानकी मुण्डा संघ केन्द्रीय कमेटी के सहयोग से युवाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के मार्गदर्शन हेतू संचालित "के.एन.टी स्टडी सेंटर सह लाइब्रेरी, चाईबासा" से अग्नीवीर 2023 में अंतिम रूप सफलता हासिल किये 2 जवानों को मानकी मुण्डा संघ केन्द्रीय कमेटी महासचिव श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया जी, श्री राम बोदरा जी (पूर्व सैनिक) और श्री गुरू चरण चोड़ा जी (पूर्व सैनिक)के शुभ हाथों से पुष्पमाला पहना, पारंपरिक अंग वस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर हौसला अफजाई किया।
+91 9771697182
Breaking News Chakradharpur

छात्रों को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझी राम जामुदा जी ने कहा कि देश की रक्षा के क्षेत्र में जुड़ना और कैरियर बनाना हर युवा का सबसे प्रतिष्ठित एवं सम्मानित कैरियर का विकल्प है। उत्साह, साहस एवं चुनौतियों से भरे इस विशिष्ट सेवा द्वारा युवा समाज और देश का एक आदर्श नागरिक, मान-सम्मान और मुकाम हासिल करता है। इसके लिए सभी युवाओं को अनुशासित, समर्पित और दृढ़ संकल्प होना चाहिए। युवाओं को सही मार्गदर्शन दिया जाए तो कोल्हान प्रमंडल से ज्यादा से ज्यादा युवा सेना में कैरियर बना सकते हैं।

(KNT-45)

कोल्हान नितिर तुरतुंग, चक्रधरपुर

उद्घाटन समारोह में शामिल कोल्हान नितिर तुरतुंग टीम के सक्रिय सदस्य

छात्रों की संख्या

क्र.सं.	वर्ष	सीनियर	जूनियर	छात्रों की कुल संख्या	समय-सारणी (सुबह)
1.	2020	-	435	435	-
2.	2021	-	256	256	-
3.	2022	57	79	136	6.30-7.30 बजे एवं 7.45-9.30 बजे
4.	2023	135	185	320	6.30-7.30 बजे एवं 7:45-9:30 बजे

- शारीरिक प्रशिक्षण का समय : सुबह 5.30 से 6.30 बजे तक, स्थान : सिलफोड़ी मैदान।

विषयवार शिक्षक व शिक्षिकाएं

सुबह			शाम		
वर्ष	शिक्षक/शिक्षिका	विषय	वर्ष	शिक्षक/शिक्षिका	समय
2020 व 2021	श्री गौतम गागराई श्री नितेश कुमार महतो श्री रोहित कुमार मुंडा	गणित तार्किक शक्ति, GK, Sci, गणित	2020 व 2021	सुश्री निरासो मुंडारी श्री अंजन सामड सुश्री सुनिता पुर्ती	3.00-5.00 बजे
2022	श्री गौतम गागराई श्री नितेश कुमार महतो श्री सतीश कुमार प्रधान श्री मंजिल कुमार बानरा श्री सोमा गागराई श्री तुरी गिलुवा	गणित, तार्किक अंग्रेजी, तार्किक GK अंग्रेजी हो	2022	सुश्री निरासो मुंडारी सुश्री सुनिता पुर्ती श्री सुदाम लेयांगी	3.00-5.30 बजे
2023	श्री गौतम गागराई श्री विष्णु सामंत सुश्री सुजाता हांसदा श्री सुरसिंह सामड श्री मंजिल कुमार बानरा श्री दिगम्बर जामुदा	गणित, GK तार्किक, अंग्रेजी गणित गणित Gk हो भाषा	2023	सुश्री निरासो मुंडारी सुश्री पुष्पांजलि सामड	4.00-6.00 बजे

शिक्षण संकाय

श्री दयासागर केराई

श्री सतीश कुमार प्रधान

श्री गौतम गागराई

सुश्री सुजाता हांसदा

श्री विष्णु सामंत

श्री सुरसिंह सामड

श्री जीतु बोदरा

सुश्री मुक्ता कुरली

श्री लखन बोदरा

प्राथमिक विद्यालय टिकरचम्पी (पहले) और अब (कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र टिकरचम्पी, चक्रधरपुर)

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चक्रधरपुर में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं KNT के पदाधिकारीगण (KNT-49)

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चक्रधरपुर में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं KNT के पदाधिकारीगण

(KNT-50)

उद्घाटन समारोह

कोल्हान नितिर तुरतुंग, चक्रधरपुर का उद्घाटन दिनांक 31.12.2020 को मुख्य अथिति श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू, सेवानिवृत्त उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, श्री आनन्द जेराई, कमान्डेन्ट, सी.आर.पी.एफ. एवं श्री भूपेश चंद्र सामड न्यायिक मजिस्ट्रेट सह अपर मुंसिफ, गिरिडीह द्वारा किया गया।

समाज को आगे ले जाने के लिए जरुरी नहीं कि कोई कार्य को सफल बनाने के लिए आप शत प्रतिशत योगदान दे, आपके छोटे-छोटे सहयोग से कोई भी चीज भार नहीं पड़ती है, कार्य और भी आसान हो जाती है।

कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा के तत्वावधान में संचलित नि:शुल्क क्लासेस चक्रधरपुर (टिकरचम्पी) हेतु जर्जर हालत में पड़े हुए सरकारी स्कूल को संस्था के सहयोग से मरम्मत किया गया। स्थानीय ग्रामवासी, संस्था के सदस्य व पदाधिकारी तथा छात्र-छात्राओं ने तन-मन-धन से योगदान दिया, जिसके लिए सभी धन्यवाद के पात्र हैं।

समाज के विकास के लिए शिक्षा जरूरी

- टिकरचांपी गांव में नि:शुल्क कोचिंग सेंटर सह पुस्तकालय का उद्घाटन

प्रतिनिधि, चक्रधरपुर

चक्रधरपुर प्रखंड के टीकरचांपी गांव में कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा के तत्वावधान में मानकी- मुंडा संघ कोलान- पोटुकाट चाईबासा तथा सारंडा ग्रुप के सहयोग से नि:शुल्क कोचिंग सेंटर सह पुस्तकालय केंद्र को स्थापना की गयी है. जिसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि भारत-सरकार के सेवानिवृत्त उप मुख्य श्रमायुक्त ज्ञान सिंह दोराईबुरू एवं विशिष्ट अतिथि 60 बटालियन सीआरपीएफ कैंप चक्रधरपुर के कमांडेंट आनंद जेराई, न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश चंद्र सामड, पूर्व विधायक शशिभूषण सामड व अन्य ने संयुक्त रूप से किया. मुख्य अतिथि ज्ञान सिंह ने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा जरूरी है. नि:शुल्क शिक्षा प्रसार कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए समाज के सभी वर्ग अपने तरीके से सहयोग करें. समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें. कमांडेंट आनंद जेराई ने शिक्षा के क्षेत्र में उठाये गये इस सकारात्मक कदम की तारीफ करते हुए. यथासंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया. वहीं पूर्व विधायक शशिभूषण ने कहा कि शिक्षा से ही सच्चे समाज का विकास होगा. मौके पर मुंडा सेलाय बोदरा, चंदन सोनलगा, मिचराय पाड़ेया, मांझीराम जामुदा, अरूण कुमार मुंडरी, प्री चलभद्र बिरूवा, दुंबी दीपक बारी, सिद्धेश्वर गागराई, विनोद मिंज, नंदलाल बांकिरा, मानकी सैमुअल, निरूप कुमार एक्का, विजय सेलगांडी सहित अन्य मौजूद थे. मालूम हो कि नि:शुल्क कोचिंग सेंटर सह पुस्तकालय केंद्र से जरूरतमंदों बच्चों को लाभ मिलेगा.

निगरानी समिति : दिनांक 29.12.2021 को कोल्हान नितिर तुरतुंग, चक्रधरपुर में एक बैठक हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निगरानी समिति हेतु निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया :-

अध्यक्ष	: श्री सेलाय बोदरा (ग्रामीण मुण्डा)	उपाध्यक्ष	: श्री विनोद मिंज
सचिव	: श्री नकुल कुमार महतो	उपसचिव	: श्री सावन कुमार बोयपाई
कोषाध्यक्ष	: श्री रवि हेम्ब्रोम	उपकोषाध्यक्ष	: श्री अमित कुमार बोदरा

सलाहकार समिति के सदस्य : श्रीमती सुनीता बोदरा, सुश्री बेबी महतो, श्रीमती शांति मिंज, श्री अमेरिका मिंज, श्री मुकेश बोदरा, श्री हेमंत कुमार सामड।

मानकी मुण्डा संघ केन्द्रीय महासचिव श्री रमेश्वर कुंटिया और चक्रधरपुर अंचल अध्यक्ष श्री राधो कोडाह को संविधान की प्रति देकर सम्मानित करते हुए के.एन.टी. केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझी राम जामुदा जी।

ठाकुरगुटू के ग्रामीण मुण्डा एवं मुखिया की उपस्थिति में संस्था के कामों को आगे बढाने मे महत्वपूर्ण सहयोग।

श्री माझी राम जामुदा, श्री राम बोदरा एवं अन्य।

कोल्हान नितिर तुरतुंग

KNT के हाथ हर कदम पर आपके साथ,
प्रयासरत निरन्तर खींचने को समाज के रथ।।
कभी देश भर में कोरोना वायरस के काल,
कोल्हान के युवाओं में शिक्षा क्रांति के बोल।
कोल्हान नितिर तुरतुंग अब लाया है ऐसे चाबी,
जिससे खुलने वाले हैं सारे मुसीबतों का ताला।
बेरोजगार युवाओं का किस्मत है खुलने वाला।
बहादुर युवा हौसला रख मिलाओ ताल से ताल।।
खुद पर यकीन इतना कर बंदे कि,
मेहनत को बनाओ अपने संग साथी।
हवा कि गति को बना लो अपनी मीत,
भरो उड़ान आसमाँ कि करो लक्ष्य को प्राप्त।
नित किस्मत पर कभी आंसू बहाओ मत,
उठो भागो दौड़ो और कर हर मैदान फतेह।
मेहनत कर पशीने बहा आसुओं को बना लो मोती,
चौड़ा कर दो कोल्हान कि सीने पवित्र भूमि की छाती।
मन में है विश्वास कोल्हान कि मुट्ठी में
होगी सारी दुनियां,पूरा है विश्वास
फिर देखना एक सबेरा आएगा ऊर्जा नया।
झारखंड कोल्हान कि धरती में लिखेंगे नई कहानीयां,
कोल्हान नितिर तुरतुंग कि पक्का उड़ान की बुलंदियाँ।

श्री पोरेश बिरूवा (पेशा - भारतीय रेलवे)

कैरियर काउंसलिंग व मार्गदर्शन

दिनांक 04.08.2021 को असनतलिया, चक्रधरपुर में वर्ष 2021 हेतु SSC(GD)/Army की कुल 25271 पदों के लिए हुई महाभर्ती अभियान को ध्यान में रखते हुए कोल्हान नितिर तुरतुंग के बैनर तले सीआरपीएफ 60 बटालियन, असनतलिया, चक्रधरपुर के बैठक कक्ष में चक्रधरपुर क्षेत्र के आसपास स्थित गांवों-देहात के शिक्षित बेरोजगार व जरूरतमंद युवक-युवतियों हेतु कैरियर काउंसलिंग व मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, जिसमें कुल 188 छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।

कहावत है कि शिक्षा वह चाबी है, जिससे कैरियर के सभी बंद दरवाजे खुल जाते है। हमारे दिमाग में सकारात्मक सोच और इच्छाशक्ति जागृत करती है, कठिन परिस्थितियों में भी चुनौतियों का सामना करना सिखाती है। कमान्डेंट श्री आनंद कुमार जेराई, एसडीएम श्री अभिजीत सिन्हा, एसडीओपी श्री नाथू सिंह मीणा तथा श्री सिंगराय बोदरा, श्री प्रेमसिंह डांगिल, श्री निरूप प्रधान, श्री अनंत हेम्ब्रोम, श्री दयासागर केराई, श्री कालूंडिया एवं अन्य सभी उपस्थित सदस्यगण को जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय, अनुभव, मार्गदर्शन से पढ़े लिखे बेरोजगार युवक-युवतियों को अंधेरे से उजाले की ओर नई रोशनी, नई उम्मीद दिलाने का काम किया सभी धन्यवाद के पात्र हैं।

पौधरोपण कार्यक्रम

पर्यावरण दिवस के अवजी पर दिनांक 5.06.2021 को कोल्हान नितिर तुरतुंग द्वारा संचालित कोल्हान नितिर तुरतुंग क्लासेस सह सगोम लाइब्रेरी, टिकरचम्पी चक्रधरपुर के प्रागंण में मुख्य अतिथि चक्रधरपुर थाना प्रभारी श्री प्रवीण कुमार जी, पूर्व सैनिक सह PTI श्री दया सागर केराई जी, पूर्व सैनिक श्री राम कोड़ा जी, टिकरचम्पी ग्रामीण श्री मदन बोदरा जी, कोल्हान नितिर तुरतुंग के शिक्षकगण एवं कोल्हान नितिर तुरतुंग के पदाधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। सहयोग करने वाले श्री गणेश कुदादा जी एवं अन्य सम्मानित सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद।

पुस्तक भेंट

माननीय श्री देवेन्द्र नाथ चाम्पिया, पूर्व मंत्री, बिहार सरकार ने दिनांक 10.12.2022 को कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र सह सगोम लाइब्रेरी के छात्र छात्राओं को हो भाषा में लिखी अपनी पुस्तकें पुस्तक भेंट कीं।

निरीक्षण

दिनांक 25.12.2022 श्री मनोरंजन बिरूवा और डॉ. मीना बिरूवा जी के द्वारा चक्रधरपुर कोचिंग केन्द्र का निरीक्षण किया गया।

श्री गुरूचरण कालुन्डिया, सहायक कमांडेंड, 60 बटालियन द्वारा कोल्हान नितिर तुरतुंग, चक्रधरपुर का दिनांक 22.06.2023 द्वारा औचक निरीक्षण किया गया।

श्री कालुन्डिया जी ने छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सलाह दिया।

अग्निवीर श्री एलियश बोदरा

प्रशिक्षण सम्पन्न कर घर लौटे अग्निवीर जवान श्री एलियश बोदरा ने शारीरिक प्रशिक्षण केन्द्र और कोचिंग सेंटर में आकर अपने साथियों की हौसला अफजाई की। श्री बोदरा जी ने अपने पूर्व सहपाठियों एवं अन्य छात्रों के साथ कक्षा में बैठकर पढ़ाई की और उन्होंने कहा कि वह अपनी छुट्टियों के दौरान रोज कक्षा में आकर उनके साथ पढ़ाई भी करेंगे।

श्री बोदरा जी ने अपने साथियों को भारतीय सेना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी और भारतीय सेना में अनुशासन के महत्व को बताया। इस मौके पर शिक्षक श्री गौतम गागराई, श्री दयासागर केराई, श्री हेमंत कुमार सामड और श्री प्रेमसिंह डांगिल उपस्थित थे।

हो भाषा हेतु विशेष कक्षाएं

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चक्रधपुर में दिनांक 2.09.2023 से प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों हेतु हो भाषा की पढ़ाई पुन: शुरू की गई।

निगरानी समित द्वारा इन कक्षाओं हेतु शिक्षक श्री दिगम्बर जामुदा जी (गांव लाजोरा) की नियुक्ति की गई, जो प्रत्येक सप्ताह शनिवार और रविवार दो दिन कक्षाएं लेंगे।

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चक्रधरपुर में अग्निवीरों का सम्मान

ब्रेकिंग न्यूज़, चक्रधरपुर
मंगलवार, 17 अक्टूबर 2023
पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड
हर खबर पर नजर
के.एन.टी. चक्रधरपुर ने किया
कुल 10 अग्निवीर जवानों का सम्मान
अग्निवीर 2023 में कुल 10 जवानों ने अंतिम रूप से सफलता हासिल की
BREAKING NEWS
CHAKRADHARPUR
चक्रधरपुर:- कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्रीय कमेटी, चाईबासा के सौजन्य से ग्राम सभा टिकरचापी, चक्रधरपुर के द्वारा युवाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार से सम्बंधित मार्गदर्शन हेतू के.एन.टी स्टडी सेंटर सह सभीम लाइब्रेरी एवं केएनटी शारीरिक प्रशिक्षण एकाडेमी, शांतिनगर, चक्रधरपुर से अग्निवीर 2023 में कुल 10 जवानों ने अंतिम रूप से सफल हासिल की।
+91 9771697182
Breaking News Chakradharpur

केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा जी और आदिवासी मित्र मंडल, चक्रधरपुर के पूर्व सचिव श्री गणेश चंद्र कुदादा जी ने सभी सफल विद्यार्थियों को पुष्पमाला पहना कर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्जवल और मंगलमय भविष्य की कामना की।

श्री माझीराम जामुदा जी ने सफल छात्रों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और पक्के इरादे से देश की रक्षा और सेवा कर अपना और समाज का नाम रोशन करने का संकल्प दिलाया।

केन्द्रीय अध्यक्ष ने छात्रों के इस सपने को पूरा करने और बेहतर परिणाम दिलाने में मदद करनेवाले शारीरिक प्रशिक्षक श्री दयासागर केराई, शिक्षक श्री गौतम गागराई, श्री विष्णु सामंत, श्री मंजिल कुमार बानरा, श्री हेमंत कुमार सामड, केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्यों, प्रबंधन सह निगरानी समिति के सदस्यों, टिकरचापी ग्रामीण मुण्डा, सभी अभिभावकों और संस्था को आगे बढ़ाने में मदद करने वाले सभी बुद्धिजीवियों, दानदाताओं और मानकी-मुण्डा संघ केन्द्रीय कमेटी, सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों को सकरात्मक भूमिका निभाने हेतु आभार प्रकट किया।

इस मौके पर KNT Team के सदस्य श्री माझी राम जामुदा, श्री गणेश चंद्र कुदादा, श्री पंकज बांकिरा, श्री हेमंत कुमार सामड, श्री लखन बोदरा, सुश्री मुक्ता कुरली, श्री जीतू बोदरा, सुश्री सुनिता पुर्ती, श्री रवि हेम्ब्रोम, श्री रोहित कुमार मुण्डा और श्री दयासागर केराई आदि उपस्थित रहे।

(KNT-55)

श्री दयासागर केराई

NO: WSDOA/206
YEAR: 2023

WEST SINGHBHUM DISTRICT OLYMPIC ASSOCIATION
पश्चिम सिंहभूम जिला ओलंपिक एसोसिएशन
(Affiliated To Jharkhand Olympic Association)

प्रशस्ति पत्र

श्री/श्रीमती/सुश्री दयासागर केराई
प्रखंड चक्रधरपुर के टिकरचम्पी

खेल में वर्ष 2022 - 23 में सराहनीय प्रदर्शन कर पश्चिम सिंहभूम जिला का नाम रौशन किया है, कोच के रूप में, अमूल्य योगदान हेतु पश्चिम सिंहभूम जिला ओलंपिक एसोसिएशन आपको प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करता है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

NITIN PRAKASH
President

16 जुलाई 2023 चाईबासा

AJAY KUMAR NAYAK
General Secretary

शिक्षक दिवस वर्ष-2023 के अवसर पर छात्रों द्वारा श्री दयासागर केराई जी का सम्मान

चक्रधरपुर प्रखंड के पोकुवाबेड़ा निवासी श्री दयासागर केराई एक भूतपूर्व सैनिक और वर्तमान में एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। श्री दयासागर केराई ने वर्ष 2003 से 2020 तक भारतीय थल सेना में अपनी सेवाएं दीं। सेना से सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद वर्ष 2020 से अबतक श्री दयासागर केराई जी समाजसेवा के क्षेत्र में समाज के लिए पूर्णरूप से समर्पित हैं।

कोल्हान नितिर तुरतुंग के स्थापना वर्ष-2020 से ही श्री दयासागर केराई जी इसके सक्रिय सदस्य के रूप में नि:स्वार्थ भाव से इस शैक्षणिक संस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में चक्रधरपुर के टिकरचम्पी ग्राम स्थित कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र में शारीरिक प्रशिक्षक के रूप में छात्र-छात्राओं को रक्षा क्षेत्र की विभिन्न नौकरियों हेतु शारीरिक प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहे हैं। आप पश्चिम सिंहभूम जिला ओलंपिक एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य भी हैं और आपकी कुशल देखरेख और प्रशिक्षण में चक्रधरपुर प्रखंड ने खेलकूद के क्षेत्र में संपूर्ण जिले में विगत तीन वर्षों से लगातार प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

(KNT-56)

-: श्री दयासागर केराई, भूतपूर्व सैनिक-सह-शारीरिक प्रशिक्षक चक्रधरपुर द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करते KNT के विद्यार्थी :-

कोल्हान नितिर तुरतुंग, कुचाई

स्थापना : 01.02.2022

उद्घाटन समारोह

श्री प्रवीण कुमार गागराई, उप-विकास आयुक्त/सराईकेला-खरसवां, श्री संतोष बानरा, आई.बी.अधिकारी के हाथों दिनांक 01.02.2022 को किया गया। विशेष अथिति के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी/कुचाई, सर्किल ऑफिसर/कुचाई एवं पुलिस उपाधीक्षक श्री प्रकाश सोय भी मौजूद थे।

पुस्तकालय का उद्घान : दिनांक 21.02.22 को श्री प्रवीण कुमार गागराई, उप-विकास आयुक्त/सराईकेला-खरसवां द्वारा किया गया।

वर्ष	छात्रों की संख्या	वर्तमान	समय-सारणी (सुबह)	पुस्तकों की संख्या
वर्ष 2022-23	269	60-70	06.00-0730 बजे एवं 07.30-08.30 बजे	92

शिक्षण संकाय

श्री रामधन बांकिरा

श्री सुरेश डांगिल

श्री सिकन्दर सोय

श्री लखिन्द्र भूमिज

निगरानी समिति

कुचाई के मुण्डा-मानकी सभागार में दिनांक 16.01.2022 को कोल्हान नितिर तुरतुंग, कुचाई के सफल संचालन हेतु ग्रामीण मुण्डा श्री सूजानसिंह सोय की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निगरानी समिति के पदाधिकारियों को नामित किया गया, जो निम्नानुसार है :-

अध्यक्ष : श्री सूजानसिंह सोय (ग्रामीण मुण्डा) सचिव : श्री गोपाल कृष्ण सोय संरक्षक : श्री लालमोहन लोवादा

कोषाध्यक्ष : श्री रामेश्वर हेम्ब्रम उपाध्यक्ष : श्री राम चंद्र सोय उपसचिव : श्री डुबराय हेम्ब्रम

उपकोषाध्यक्ष : श्री घनश्याम सोय

सम्मान सह मिलन समारोह

कोल्हान नितिर तुरतुंग क्लासेज सह बिरसा लाइब्रेरी, कुचाई में शनिवार दिनांक 17.12.2022 को मरांगहातु पंचायत भवन में अग्निवीर में सफल हुए युवाओं को सम्मानित कार्यक्रम सह मिलन समारोह रखा गया।

ज्ञात हो कि इस सुदूर क्षेत्र में दिनांक 01.02.2022 को उद्घाटन के पश्चात ही क्लास और शारीरिक प्रशिक्षण केन्द्र को संचालित किया जा रहा है। बहुत ही कम समय में कोल्हान नितिर तुरतुंग कुचाई के शिक्षकों, स्थानीय निगरानी समिति के सदस्यों, छात्रों और अभिभावकों के मेहनत से आज इस केंद्र के 2 विद्यार्थी संदीप कुमार सिजुई (आर्मी अग्निवीर टेक्निकल) एवं बबलू हेम्ब्रम (आर्मी अग्निवीर जीडी) में सफलता हासिल किया हैं। उन दोनों छात्रों को प्रशस्ति पत्र और डायरी देकर सम्मानित किया गया और उनके साथ तन मन और धन से सहयोग करने वाले अभिभावकों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कोल्हान नितिर तुरतुंग कुचाई के इस मेहनत और सफलता को देखते हुए सामाजिक कामों को सुचारू रूप चलाने के लिए खुशी से केएनटी के केंद्रीय अध्यक्ष श्री माझी राम जामुदा, कोल्हान नितिर तुरतुंग कुचाई के कोषाध्यक्ष

श्री रामेश्वर हेम्ब्रम, कुचाई अस्पताल के डॉक्टर श्री शिवचरण हासदा जी एवं लाल सिंह लोहादा जी (चेन्नई से) ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम में श्री माझीराम जमुदा (केएनटी केंद्रीय अध्यक्ष) एवं श्रीमती जामुदा, श्री प्रेम सिंह डांगिल (महासचिव) एवं श्रीमती मधु डांगिल, डॉक्टर शिवचरण हांसदा, कुचाई थाना प्रभारी श्री भोक्ता, केन्द्रीय उपाध्यक्ष श्री रामचंद्र सोय, केन्द्रीय सचिव श्री गोपाल कृष्णा सोय, कोषाध्यक्ष श्री रामेश्वर हेम्ब्रम, मुंडा श्री सुखराम (मानकी-मुंडा संघ), पूर्व सैनिक सह शारीरिक प्रशिक्षक श्री लखींद्र भूमिज एवं श्री सिकंदर सोय, शिक्षक श्री सुरेश डांगिल एवं श्री राजू बांकिरा, पूर्व मुखिया सुश्री वर्षा रानी बांकिरा, सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक श्री बानरा सर, समाजसेवी श्री मुन्ना सोय, उप स्टेशन प्रबंधक श्री धनसिंह सोय और काफी संख्या में अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

कैरियर काउंसलिंग : 24.07.2022 एवं 16.04.2023

कोल्हान नितिर तुरतुंग ने किया करियर काउंसेलिंग का आयोजन

सरायकेला. कुचाई प्रखंड की पंचायत भवन में रविवार को कोल्हान नितिर तुरतुंग की ओर से करियर परामर्श सत्र का आयोजन किया गया. कोल्हान नितिर तुरतुंग के केंद्रीय अध्यक्ष माझी राम जेमुदा ने कहा कि छात्रगण क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा, रोजगार व कलाकारों के मनोबल बढ़ाना हमारा लक्ष्य है. सेवानिवृत्त पुलिस जी रामचंद्र सोय ने बच्चों को आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया. कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर लगन के साथ कड़ी मेहनत करें, निश्चित रूप से सफलता मिलेगी. कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के लिये कोल्हान नितिर तुरतुंग यही ओर से सराहनीय कार्य किया जा रहा है.

करियर काउंसलिंग सत्र को संबोधित करते विद्यार्थी.

विद्यार्थियों ने अलग-अलग क्षेत्र में इंटरेस्ट बताने के टिप्स दिये

करियर काउंसेलिंग में राहुल सोय के पारंपरिक शस्त्र कराया. तत्पश्चात नीरवल सोय ने आईटीआई, डिप्लोमा और एंट्रेंटिस के बारे में जानकारी दी. डॉक्टर रतन ने चिकित्सक क्षेत्र में अग्रसर की वैकल्पिक करियर के बारे में बताते हुए तैयारी करने की जानकारी दी. कुलमुता सोय ने कलाकार उन्हीं बच्चों को जेईएसएसी की तैयारी करने का तरीका बताया. कोल्हान समाज ने अभिभावकों की निर्धारित परीक्षा के बारे में जानकारी दी. मौके पर मुखी दीनिकर माझी राम जमुदा, रामचंद्र सोय, राहुलरत सोय, गोपाल कृष्ण सोय, सुरेंद्र डांगिल, कृष्णा सोय, मुन्ना सोय, अंजान समाज आदि उपस्थित थे.

सम्मान समारोह

कोल्हान नितिर तुरतुंग सह बिरसा लाईब्रेरी, कुचाई मे दिनांक 01.06.2023 को 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां मुख्य अतिथि श्री शैलेश कन्डाईबुरू, रेलवे अधिकारी (रेल मंत्रालय, नई दिल्ली) के हाथों विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सरायकेला-खरसावां-चांडिल

जमशेदपुर, शुक्रवार 02.06.2023 | 02

अधिकतम 41.2° न्यूनतम 26.4° | रांची : अधिकतम 37.6° न्यूनतम 25.8° prabhatkhabar.com

'मैट्रिक-इंटर के बाद समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें विद्यार्थी'

इन्हें किया गया सम्मानित

स्थापना दिवस समारोह

कोल्हान नितिर तुरतुंग क्लासेस सह बिरसा लाईब्रेरी कुचाई में दिनांक 26.02.2023 को प्रथम स्थापना दिवस समारोह एक सादा कार्यक्रम के साथ में संपन्न हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रकाश सोय (पुलिस उपाधीक्षक, रांची) श्री गागराई जी, कोल्हान नितिर तुरतुंग कुचाई के अध्यक्ष श्री राम चंद्र सोय, सचिव श्री गोपाल कृष्ण सोय, रामेश्वर हेम्ब्रम, लखींदर भूमिज, जंगल बचाओ आभियान के श्री सोहनलाल कुम्महार, स्थानीय मानकी-मुंडासदस्यों एवं छात्र-छात्राओं के साथ में अभिभावकगण भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में छात्रों को लगातार प्रयास करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का सुझाव दिया। वहीं गागराई जी ने प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतु कुछ किताबें छात्रों को भेंट किया। कोषाध्यक्ष श्री रामेश्वर हेम्ब्रम ने इस एक साल के आय-व्यय का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। अंत में सभी उपस्थित अतिथियों एवं छात्रों को राम चंद्र सोय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विशेष कक्षा

सेवानिवृत्त शिक्षक श्री सोमा गागराई सर द्वारा कोल्हान नितिर तुरतुंग, कुचाई के छात्रों हेतु लिया जा रहा विशेष कक्षा।

श्री सत्येन्द्र कुम्हार एवं **श्री घनश्याम सोय जी** के द्वारा स्थानीय builder (tekedar) के सहयोग से कोल्हान नितिर तुरतुंग कुचाई के शारीरिक प्रशिक्षक द्वारा भीम को मरम्मत करते हुए।

अनौपचारिक बैठक सह शिक्षक-अभिभावक बैठक 29.06.2023

→

जनसंपर्क अभियान

दिनांक 31.08.2023 को केएनटी स्टडी सेंटर सह बिरसा लाइब्रेरी कुचाई के माननीय सदस्य श्री गोपाल कृष्ण सोय जी, श्री राम चन्द्र सोय जी और लखीन्द्र भूमिज जी ने अपना कीमती समय निकालकर कुचाई एरिया के छुट्टी पर आए बुद्धिजीवियों, नौकरीपेशा और सक्षम वर्ग के माननीय सदस्यों से कोल्हान नितिर तुरतुंग टीम द्वारा संचालित आदिवासी युवाओं के शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार सम्बंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए जनसहयोग हेतू जनसमपर्क किया।

इस दौरान सार्वजनिक जगहों बस स्टैंड, हाट-बाजार और फुटबॉल प्रतियोगिता स्थल आदि जगहों पर बैनर और फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान उद्घोष द्वारा भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

पदाधिकारियों का निरीक्षण

कोल्हान नितिन तुरतुंग के सक्रिय सदस्य श्री रबिन्द्रगिलुवा और श्री हेमंत कुमार सामाड ने कोल्हान नितिन तुरतुंग स्टडी सेंटर सह बिरसा लाइब्रेरी कुचाई का दिनांक 01.09.2023 को निरीक्षण किया। सीखने और सिखाने के लिए शिक्षक, छात्र, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियां, संसाधन का अवलोकन जरूरी है, ताकि इस कोई कमियां हों

तो सुधार किया जा सके। औपचारिक निरीक्षण के दौरान श्री रामचन्द्र सोय और शिक्षक उपस्थित रहे। बहुमूल्य कीमती समय निकालकर बच्चों, शिक्षकों और प्रबंधन सह निगरानी समिति के माननीय सदस्यों को हौसला अफजाई करने के लिए दोनों धन्यवाद के पात्र हैं।

(KNT-62)

श्री शिवा बांकिरा जी द्वारा दिनांक 25.09.2023 को एक प्रेरक कक्षा ली गयी, जिसमे नौकरी मे असफलता के बाद व्यापार मे अपने आपको कैसे स्थापित किया जाए से संबंधित जानकारी दी गयी। Mobile Repairing Course, CCTV, Drone technology, Computer, english spoken इत्यादि के बारे मे भी विस्तार से जानकारी दी गयी।

स्वच्छता पखवाड़ा एवं विदाई समारोह

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्रीय कमेटी कुचाई और कुचाई ग्रामीणों के सहयोग से संचालित कोल्हान नितिर तुरतुंग स्टडी सेंटर सह बिरसा लाइब्रेरी कुचाई में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने गांधी जयंती के शुभ अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाकर मारंगहातू पंचायत भवन प्रांगण की साफ सफाई की।

इस केन्द्र में अध्ययन करने वाले छात्र श्री रमेश गागराई एवं श्री सिकंदर मुण्डा जो एस.एस.सी (जीडी) में सफल हुए हैं को फूल माला पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर तथा उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ ही साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी।

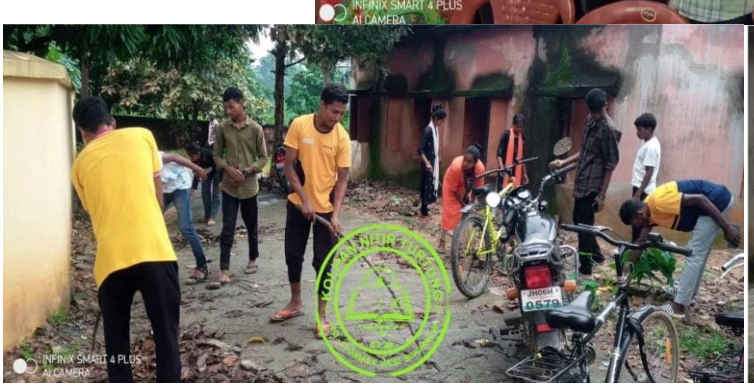

(KNT-63)

यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि श्री चंदन कुमार (कुचाई थाना प्रभारी), विशिष्ट अतिथि श्री दिलीप कुमार हेम्ब्रोम, श्री गुरूचरण चोड़ा, श्री मधुसुदन सरदार, श्री गोपाल कृष्ण सोय, श्री रामचंद्र सोय, श्री मुन्ना सोय, श्री लखीन्द्र भूमिज, मोयका सिजुई, कृष्ण सोय, इंद्रणी मुण्डा, मेचो माई सोय, सविता हेम्ब्रोम, सीता कुमारी आदि की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कुचाई थाना प्रभारी संस्था के इस कार्य से बहुत खुश हुए, केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा जी ने भी वर्चुअल मध्यम से जुड़कर छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को आशीर्वचन स्वरूप सम्बोधित किया।

अंत में कोल्हान नितिर तुरतुंग के मध्यम से आदिवासी युवाओं के बेहतर शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के मार्गदर्शन में जुड़े सभी माननीय सदस्यों, बुद्धिजीवियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों, मानकी-मुण्डा संघ और केन्द्रीय कमेटी के समस्त पदाधिकारियों को कोल्हान नितिर तुरतुंग कुचाई केन्द्र की तरफ से धन्यवाद दिया गया।

कुचाई केन्द्र के स्थापना दिवस समारोह-2023 के अवसर पर डॉ. शिवचरण हासदा, श्री रामचंद्र सोय एवं छात्र-छात्राएं।

KNT कुचाई केन्द्र में दिनांक 7.11.23 को भेंट में प्राप्त पठन-पाठन सामग्री के साथ प्रसन्न मुद्रा में छात्र-छात्राएं।

दिनांक 8.11.2023 को कुचाई प्रखंड के नवनियुक्त प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री साधुचरण देवगम KNT छात्रों को पढ़ाते एवं आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए।

कुचाई स्थित स्टेडियम में शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त करते कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र कुचाई के विद्यार्थी

कोल्हान नितिर तुरतुंग, तांतनगर

निगरानी समिति : कोल्हान नितिर तुरतुंग, तांतनगर में सर्वसम्मति से निगरानी समिति के निम्नलिखत पदाधिकारियों को नामित किया गया :-

अध्यक्ष : श्री रोहन बिरूली, श्री दिसिंग सोय उपाध्यक्ष : श्री बसंत सामड
सचिव : श्री गोपी चातर, श्री देवानंद बिरूली उपसचिव : श्री रोहित बिरूली,
कोषाध्यक्ष : श्री संजय सामड, श्री यशवीर सवैंया, श्रीमती दश्मती बिरूली सामड
श्री देवानंद बिरूली

शिक्षण संकाय : (1) श्री जर्मन बिरूली (2) सुश्री नागेश्वरी करोवा

पदाधिकारियों का निरीक्षण : दिनांक 14.01.2023 को संरक्षक ज्ञान सिंह दोराईबुरू, केन्द्रीय अध्यक्ष माझी राम जामुदा, श्री अंजन सामाड, पंकज बांकिरा और श्री रबिन्द्र गिलुवा जी ने तांतनगर केन्द्र का दौरा कर शिक्षकों व छात्र छात्राओं को मार्गदर्शन दिए और केन्द्र के लिए आवश्यक पुस्तकें देकर आये।

श्री शैलेश कन्डाईबुरू, रेलवे अधिकारी/नई दिल्ली द्वारा दिनांक 31.05.2023 को औचक निरीक्षण किया गया, जहां छात्रों और शिक्षकों के साथ वार्तालाप के दौरान केन्द्र की प्रगति रिपोर्ट और उपलब्ध संसाधनों को संतोषजनक पाया गया।

श्री रघुनाथ बिरूवा जी द्वारा दिनांक 01.07.2023 को कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र, तांतनगर का औचक निरीक्षण किया गया। वहां उपस्थित शिक्षक श्री जर्मन बिरुली एवं छात्रों के साथ एक शिष्टाचार मुलाकात की गयी। इस दौरान वहां के बच्चों और शिक्षक से पठन-पाठन संबंधी व्यवस्था आदि के बारे में बातचीत की गयी।

कोल्हान नितिर तुरतुंग, खरसवां

1 जनवरी 2021 को कोल्हान नितिर तुरतुगं की टीम द्वारा खरसवां में नि:शुल्क कोचिंग सेंटर एवं लाइब्रेरी का उद्घाटन कर 1 जनवरी 1948 को हुए खरसवां गोली कांड में शहीद हजारों झारखंड आंदोलनकारियों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कोचिंग केन्द्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि सरायकेला-खरसवां जिला के उप-विकास आयुक्त श्री प्रवीण गगाराई जी द्वारा किया गया।

समारोह में KNT के सदस्य जो देश के विभिन्न प्रांतों में स्थित सरकारी और अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं भी उपस्थित थे। यह कोचिंग सेंटर सामुदायिक भवन खरसवां में खोला गया था। उपस्थित सभी वक्ताओं ने बहुत ही महत्वपूर्ण बातों को समारोह में रखा जिनका सारांश यही था की हम शिक्षा से ही खुद को अथवा समाज को बदल सकते हैं।

यह कार्यक्रम कोल्हान नितिर तुरतुंग के अध्यक्ष श्री प्रकाश लागुरी, श्री सिंगराय बोदरा, श्री सत्यजीत हेंब्रम एवं कोल्हान नितिर तुरतुंग के अन्य सदस्यों और खरसवां टीम के सहयोग से संपन्न किया गया।

स्थान की निरंतर अनुपलब्धता की वजह से इस केन्द्र को वर्तमान में अस्थायी रूप से कुचाई स्थानान्तरित किया गया है।

(KNT-67)

विभिन्न विभागों/कार्यालयों में चयनित कोल्हान नितिर तुरतुंग के सफल छात्र/छात्राएं

क्र.सं.	छात्र/छात्रा एवं केन्द्र का नाम	विभाग	क्र.सं.	छात्र/छात्रा एवं केन्द्र का नाम	विभाग
1.	श्री सिकंदर बिरूली, तांतनगर	असम राईफल	25.	श्री रूद्र महतो, चक्रधरपुर	अग्निवीर
2.	श्री कृष्णा बिरूवा, तांतनगर	असम राईफल	26.	श्री एमानुवल बांदिया, चक्रधरपुर	सी.आर.पी.एफ
3.	श्री डुबराज कालुंडिया, तांतनगर	भारतीय रेल	27.	सुश्री ज्योति जामुदा, चक्रधरपुर	आई.टी.बी.पी.
4.	श्री कुदराय सावैंया, तांतनगर	भारतीय रेल	28.	श्री सतीश कुमार प्रधान, चक्रधरपुर	भारतीय रेल
5.	श्री कारगिल तियु, तांतनगर	सीमा सुरक्षा बल	29.	श्री जगदू हांसदा, चक्रधरपुर	भारतीय रेल
6.	श्री बबलु हेम्ब्रोम, कुचाई	अग्निवीर	30.	श्री गौतम गागराई, चक्रधरपुर	भारतीय रेल
7.	श्री संदीप कुमार सिजुई, कुचाई	अग्निवीर	31.	सुश्री सुजाता हांसदा, चक्रधरपुर	भारतीय रेल
8.	श्री सुमन गागराई, कुचाई	EPCIL	32.	सुश्री गीता लागुरी, चाईबासा	पंचायत विभाग
9.	श्री सिकन्दर मुण्डा, कुचाई	सीमा सुरक्षा बल	33.	श्री दीपक लागुरी, चाईबासा	आयकर विभाग
10.	श्री रमेश गागराई, कुचाई	सीमा सुरक्षा बल	34.	सुश्री सुशाना बाला तियु, चाईबासा	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
11.	श्री काश्मीर सोय, कुचाई	डाक विभाग	35.	श्री ब्रजमोहन तियु, चाईबासा	सी.आई.एस.एफ.
12.	श्री एलियस बोदरा, चक्रधरपुर	अग्निवीर	36.	सुश्री जयश्री गागराई, चाईबासा	आई.टी.बी.पी.
13.	श्री राकेश महतो, चक्रधरपुर	अग्निवीर	37.	सुश्री सबिता साहू, चाईबासा	SSC/GD
14.	श्री चंद्रदेव महतो, चक्रधरपुर	अग्निवीर	38.	श्री रूपेश महतो, चाईबासा	SSC/GD
15.	श्री राजू प्रधान, चक्रधरपुर	अग्निवीर	39.	श्री तुरी बारी, चाईबासा	अग्निवीर
16.	श्री नरकन केराई, चक्रधरपुर	अग्निवीर	40.	श्री समीर चतोम्बा, चाईबासा	अग्निवीर
17.	श्री संगेन सामड, चक्रधपुर	अग्निवीर	41.	श्री राजेन्द्र देवगम, चाईबासा	अग्निवीर
18.	श्री किशोर कुमार महतो, चक्रधरपुर	अग्निवीर	42.	श्री सोनाराम हेम्ब्रोम, चाईबासा	अग्निवीर
19.	श्री सूरज डांगिल, चक्रधरपुर	अग्निवीर	43.	श्री कानू तियु, चाईबासा	भारतीय रेल
20.	श्री सुरसिंह सामड, चक्रधरपुर	अग्निवीर	44.	श्री नरेश हेम्ब्रोम, चाईबासा	भारतीय रेल
21.	श्री निलेश जोजो, चक्रधरपुर	अग्निवीर	45.	श्री अनिल हेस्सा, चाईबासा	भारतीय रेल
22.	श्री सजन महली, चक्रधरपुर	अग्निवीर	46.	श्री अजीत अल्डा, चाईबासा	भारतीय रेल
23.	श्री गणेश गागराई, चक्रधपुर	अग्निवीर	47.	सुश्री गुरबारी हेम्ब्रोम, चाईबासा	भारतीय नौसेना
24.	श्री नारायण कोड़ा, चक्रधरपुर	अग्निवीर			

चयनित विद्यार्थी

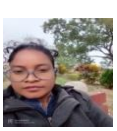
सुश्री गीता लागुरी
पंचायत सचिव

श्री दीपक लागुरी
आयकर विभाग

श्री जगदू हांसदा
भारतीय रेल

श्री किशोर कुमार महतो
अग्निवीर

श्री ब्रजमोहन तियु
सी.आई.एस.एफ.

श्री नरेश हेम्ब्रम
भारतीय रेल

श्री सूरज डांगिल
अग्निवीर

सुश्री सुशाना बाला तियु
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

श्री हितेश कुमार महतो
अग्निवीर

श्री समीर चतोम्बा
अग्निवीर

श्री राजेन्द्र देवगम
अग्निवीर

श्री कुदराय सावैंया
भारतीय रेल

श्री नरकन केराई
अग्निवीर

श्री संगेन सामड
अग्निवीर

श्री नरकन केराई
अग्निवीर

श्री रूद्र महतो
अग्निवीर

श्री सतीश कुमार प्रधान
भारतीय रेल

श्री अनिल हेस्सा
भारतीय रेल

श्री गणेश गागराई
अग्निवीर

सुश्री गुरुबारी हेम्ब्रोम
भारतीय नौसेना

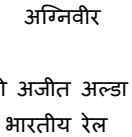
श्री अजीत अल्डा
भारतीय रेल

खेलकूद के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियां

ब्रेकिंग न्यूज़ चक्रधरपुर
मंगलवार, 13 जून 2023
पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड
हर खबर पर नजर
प्रथम राष्ट्रीय जनजातीय खेल महोत्सव ओडिशा
हीरामुनि दिग्गी ने जीती कांस्य पदक
उड़ीसा के भुवनेश्वर में 9 से 12 जून तक आयोजित हुई प्रथम जनजातीय खेल महोत्सव में हीरामुनि दिग्गी ने झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए एथलेटिक्स के 800 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीती। हीरामुनी दिग्गी पश्चिम सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर प्रखंड के महुलपानी गांव की रहने वाली है।
Breaking News Chakraadharpur

सुश्री हीरामुनी दिग्गी/KNT चक्रधरपुर

भारत सरकार द्वारा ओडिसा में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय जनजातीय खेल महोत्सव में सुश्री हीरामुनी दिग्गी ने एथलेटिक्स स्पर्धा (800 मीटर) में कांस्य पदक जीता, जो निश्चय ही प्रशंसनीय है।

श्री प्रकाश हेम्ब्रोम/KNT कुचाई

अगस्त 2023 को झारखंड सरकार द्वारा आयोजित खेलो झारखंड कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी, जिसमें कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र कुचाई के छात्र श्री प्रकाश हेम्ब्रोम को उप-विकास आयुक्त सरायकेला-खरसंवा एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा 100 मीटर रेस में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

जिला प्रशासन द्वारा प्रथम पुरस्कार प्राप्त करती हुई KNT/Chaibasa की छात्रा एवं तीरंदाज **सुश्री चांदमुनी कुंकल।**

चाईबासा : विश्व आदिवासी दिवस पर जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता शुरू

तीरंदाजी में गुनाराम और चांदमुनी अव्वल

प्रतिनिधि, चाईबासा

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड आदिवासी महोत्सव के तहत जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्कूल चाईबासा में किया गया. प्रतियोगिता का उद्घाटन पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप खलको ने किया. जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभा को निखारने के लिए सरकार लगातार बेहतर प्रयास कर रही है. जिले के खिलाड़ी भी बेहतर हैं. एसडीपीओ ने खिलाड़ियों को मेहनत करने के लिए प्रेरित किया. मौके पर गंगाधर नाग, कावेरी नायक, मो रियाज, राहुल कुमार, रिंकी पूर्ति, कमल लोहरा, अशोक गोप, मनीषा गोप आदि मौजूद थे. **परिणाम : पुरुष वर्ग में तीरंदाजी:** प्रथम - गुनाराम पूर्ति - कुमारडुंगी, द्वितीय - संतोष कोंडाकेल - चाईबासा, तृतीय - वीरसिंह सुंडी - चाईबासा. **महिला वर्ग में तीरंदाजी** प्रथम - चांदमुनी कुंकल - कुमारडुंगी द्वितीय - कश्मीरा किरण हिस्सा- चाईबासा, तृतीय - सुनीता सावैयां- चाईबासा.

खिलाड़ियों के साथ अतिथि.

छात्रों के चित्रफलक से

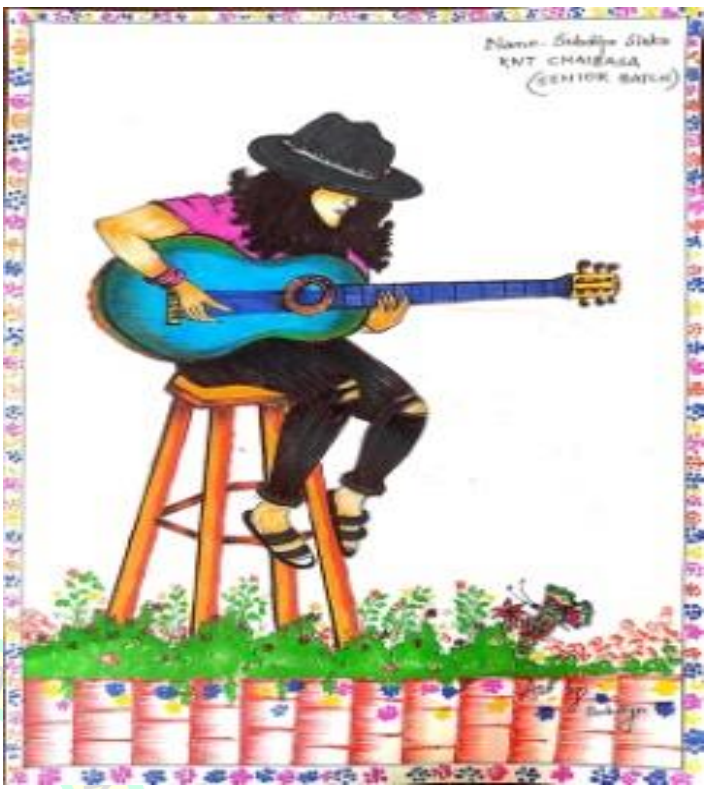

Sajan Nayak

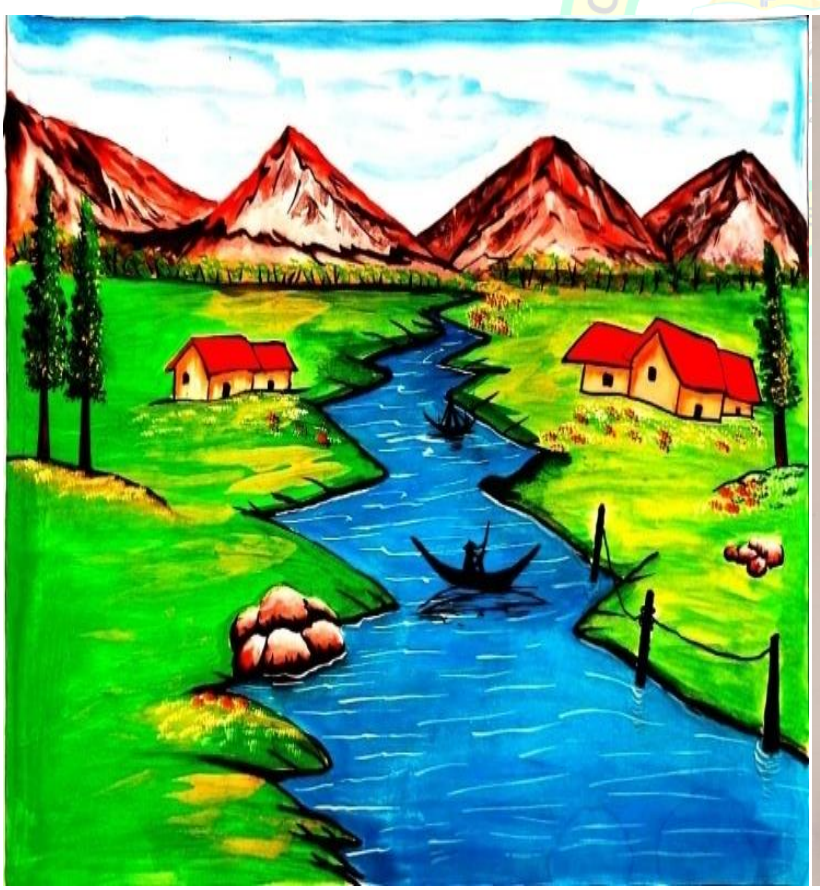

शिक्षकों/छात्रों की कलम से

जिंदगी का सफर

"नियत की इस विडम्बना को क्या कहें,
जीवन की शुरूआत कभी कांटों से भरी होती है,
तो कभी फूलों सी मुस्कान जैसी होती है।"

मेरी जिंदगी में भी बहुत से उतर-चढ़ाव आये, कई समस्याओं से झूझना पड़ा, ऐसा भी वक्त आया कि मेरी जिन्दगी उलझती सी चली गयी। यह जिन्दगी तो पहाड़ जैसी जिन्दगी होती है, उँचे-नीचे, उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरना पड़ता है। कहीं कांटे मिलेंगे तो कहीं फूल। इन कांटों भरी रास्तों की पड़ाव को पार करते हुए न जाने कितने कांटे पैरों को लहुलूहान कर देती है। इन कांटों की भय से इंसान अगर थक-हार जए तो जिन्दगी में उसकी कोई अहमियत ही नहीं रह जाती। इंसान चाहें तो इन कांटों को रौंद-रौंद कर खुद की पैरों को मजबूत कर सकता है। मेरे जीवन की शुरूआत बहुत ही उलझनपूर्ण थी। एक वक्त मुझे ऐसा लगा कि मैं एक घना जंगल में भटक गयी हूँ। कहीं से रास्ता नहीं मिल रही थी।

मेरा भी एक सपना था, एक बड़ा लक्ष्य था, मैंने वादा किया था कि :-

"जिन्दगी में मैंने एक वादा किया था कि
तुझे आसमाँ की सैर कराऊँ,
पंख बनाने की कोशिश में हूँ,
हर हाल में अपना वादा निभाऊँगी।"

मैं गांव में थी, गांव में मेरी एक छोटी सी राशन की दुकान थी। मुझे शुरू से ही किताबें पढ़ने का बहुत शौक था। एक दिन मैं एक प्रेरणादयक पुस्तक पढ़ रही थी। पढ़ते-पढ़ते मुझे चन्द लाइनें मिलीं, उन चन्द लाइनों ने मेरी जिन्दगी का पासा ही पलट दिया। वह चन्द लाइनें इस प्रकार थीं :-

"एक व्यक्ति कहीं जा रहा था। रास्ते में उसे चवन्नी मिल जाती है और उठा लेता है। उस दिन से उसकी आदत बन गयी, वह कहीं भी जाता है, तो वह इसी आशा में रहता है कि कहीं चवन्नी मिल जाए। चवन्नी के चक्कर में उसने हमेशा झुककर ही चलना सीखा, उसने कभी भी जी उठाकर खुले आसमान को नहीं देखा। उसने खुले आसमान की सुन्दर छवि को देखने का मौका सदा के लिए खो दिया।"

इन चन्द लाइनें पढ़कर मेरी जिन्दगी में एक परिवर्तन आया, उसी दिन मैंने अपने लक्ष्य को साध लिया।

मैं गांव से चाईबासा पढ़ाई पूरी करने आयी थी। मेरे लिए चाईबासा में रहकर पढ़ाई करना उतना आसान नहीं था। पैसा की तंगी होने लगी। मेरी बूढ़ी माँ थी, थोड़ा बहुत मदद कर देती थी, फिर भी गुजारा मुश्किल थी। एक नयी मुसीबत ने मुझे घेर लिया। फिर मैं हारने लगी, एक भँवर में जकड़ती चली गयी। फिर मुझे ऐसा महसूस होने लगा कि जैसे मैं दु:खों के सागर में डूबती चली गयी हूँ। मैं दूर-दराज समूद्र में तैरनी लगी हूँ, एक नाव के सहारे पतवार रहित शून्य में तैर रही हूँ, डूबूं या किनारे लगूं किसे पता था।

"फिर मेरी जिन्दगी में एक नया मोड़ आया।
यह जिन्दगी कोयल जैसी काली जरूर है पर
कोयल जैसी सुरीली भी होती है।"

मैंने 2019 में IGNOU द्वारा स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान "कोल्हान नितिर तुरतुंग" में शिक्षिका के रूप में चयनित हुई। यहां हमलोग कुल तीन शिक्षक एवं शिक्षिकाएं थे।

(KNT-72)

श्री चन्दन बोयपाई, सुश्री मनीषा लागुरी और मैं गीता लागुरी। मानकी-मुण्डा संघ, चाईबासा में क्लास होती थी। हमारे मुण्डा-मानकी संघ के माननीय मुण्डा मानकियों ने भी बहुत साथ दिया। अध्यक्ष श्री गणेश पाठ पिंगुवा जी, श्री रामेश्वर जी (मुण्डा) ने कोल्हान नितिर तुरतुंग को आगे बढ़ाने में बहुत मदद किया।

विद्यार्थियों की संख्या लगभग 200-250 थी। चार पाली में क्लास होती थी। उस समय हमारे पदाधिकारीगण भी बहुत मेहनत किये थे। श्री शैलेश कन्डाईबुरू सर, श्री प्रकाश लागुरी सर, श्री सिंगराय बोदरा सर, श्री धनसिंह हेम्ब्रम सर, श्री प्रेमसिंह डांगिल जी ओर अन्य पदाधिकारीगणी भी थे। जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से बहुत प्रयास किया और कोल्हान नितिर तुरतुंग को नया रूप दे दिया, हमें रोजगार भी दिया। कोल्हान नितिर तुरतुंग (KNT) में आकर हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। एक नया अनुभव के साथ हम उभरने लगे। यहीं से जीवन में नया बदलाव हुआ। रोजगार के साथ-साथ हमें ज्ञान भी मिल रहा था, हमें आगे बढ़ने का एक सुनहरा मौका मिला।

"जिस मंजिल पर जीवन की नदी बह रही है,
न जाने इसके अंतर में,
कितने मीठे जलधारा चुपचाप बह रही है।"

कोल्हान नितिर तुरतुंग एक मीठी जलधारा ही है। कोल्हान नितिर तुरतुंग ने कितनों को अपने आगोश में लेकर उनकी जिन्दगी ही बदल डाली। कोल्हान नितिर तुरतुंग के माध्यम से ही कई विद्यार्थियों का सपना पूरा हो पाया है। कोल्हान नितिर तुरतुंग ने अपनी कड़ी मेहनत से समाज को नया जीवन दिया है। समाज के गरीब बच्चों को पढ़ा-लिखाकर एक नया रूपरेखा तैयार करती है, नयी दिशा देती है।

आज मुझे ये कहते हुए बहुत गर्व महसूस होता है कि मैं कोल्हान नितिर तुरतुंग की शिक्षिका थी। आज कोल्हान नितिर तुरतुंग के बहुत सारे विद्यार्थी नौकरी करने लगे हैं। सुखमय जीवन-यापन कर रहे हैं। यहां से पढ़कर वे नौकरी-पेशा में लग गये, कितनी गर्व की बात है।

कोल्हान नितिर तुरतुंग में पढ़ाकर मैंने भी बहुत सारा अनुभव प्राप्त किया। आज मैं भी नौकरी कर रहीं हूँ।

"कोल्हान नितिर तुरतुंग परिवारों का परिवार है,
माँ की ममता भरी छांव है,
कभी छॉव में आकर रह तो लो।
सुख-दुख में साथ देती है,
जीवन की मीठी जलधारा है,
कभी मीठी जलधारा पीकर तो देखें।।
देती है सबको नया जीवन,
ज्ञान का अपार भंडार है,
कभी ज्ञान अर्जित करके तो देखें।।।"

सुश्री गीता लागुरी
पूर्व शिक्षिका कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा

आबुवा: कोल्हान नितिर तुरतुंग

हातु कोरे होनोर तन पटुवा होनको,
बाजार तला रे नितराकन पटुवा होनको,
आबुवा: कोल्हान नितिर तुरतुंग कोचिंग कोरे,
सेटेर बेटनबेन।
ओपोवा उडु कोदो बगे तायते,
आचार-विचार कोदो सगोम केयते,
आबुवा: कोल्हान नितिर तुरतुंग कोचिंग कोरे,
बुद्दि को एतोयबेन।।

गीता पुरती
KNT Chaibasa

हामुर ताकुर तन लगातिंञ केन तेरेयो,
ओवा रेया कुरूमुटु पाइटी केन तेरेयो,
आबुवा: कोल्हान नितिर तुरतुंग कोचिंग कोरे,
सैंया मरसलेबेन।
जोवार जोवार जुड़ी गतिको,
जगारा पे तनंञ रांसा तेगे,
आबुवा: कोल्हान नितिर तुरतुंग कोचिंग कोरे,
सेटेर बेटनबेन।।

आलोचकों से कह दो (कविता)

आलोचकों से कह दो जाकर,
अब हमारे कदम नहीं रूकनेवाले,
लिख रहे हैं तकदीर अपनी,
बुन रहे हैं सपने अपने,
नई उमंग और नई ख्वाहिश लिए,
निकल पड़े हैं नई डगर में।
चिल्ला-चिल्लाकर थक जाएंगे वो,
हमें रोकते-रोकते खुद रूप जाएंगे वो,
हम कभी न थकनेवाले घोड़े हैं,
अपने मेहनत से बन रहे,
हम नए सितारे हैं।।

सोमा देवगम
KNT Chaibasa

कहने दो उनको कहने दो,
सुन रहे हैं हम ध्यान से,
हम दुनियां के वो मजबूत हीरे हैं,
उनकी बातों से हम नहीं चूर होनेवाले हैं।
वो रास्ते पर कांटे रख रहे हैं,
हमें भी लड़ना आता है,
अपनी हाथों से लिख रहे हैं,
वो तकदीर हमारी,
हमें भी पढ़ना आता है।।
आलोचकों से कह दो जाकर,
अब हमारे कदम नहीं रूकने वाले हैं।

माता-पिता / KOLHAN NITIR TURTUNG

माता-पिता

आपने मुझे चलना सिखाया,
हर मुश्किलों से लड़ना सिखाया।
जब भी होता डगर उलझन,
आप ले लेते सारे अड़चन।।
गुत्थियों को कर देते छू-मंतर,
जैसे आते सारे जादुई-मंतर।
आपने मुझे ज्ञानदीप बनाया,
हर अपेक्षा को पूरा कराया।।
नहीं कमी होने की महसूस,
हमेशा हमें रखा महफूज।
अपने त्याग सारे सुख-चैन,
दिया स्नेह हमें दिन-रैन।।
आपके नि:स्वार्थ प्रेम ने हमें,
हर मुश्किलों से लड़ना सिखाया,
आपने मुझे चलना सिखाया।

बबली केराई
KNT Chaibasa

बन जाओ ना !

तुम मेरे सर्वनाम बनो, मैं तुम्हारी संज्ञा।
तुम मेरे हार बनो, मैं तुम्हारी माला।।
तुम मेरे वृक्ष बनो, मैं तुम्हारी छाया।
तुम मेरे जीवन बनो, मैं तुम्हारी नीर।
तुम मेरे प्राण बनो, मैं तुम्हारी वाति।
तुम मेरे कलम बनो, मैं तुम्हारी किताब।
तुम मेरे चॉद बनो, मैं तुम्हारी सितारा।
बन जाओ ना!

KOLHAN NITIR TURTUNG

Dear Kolhan Nitir Turtung Centre,
You are my educational centre!
Make me learn to solve puzzle,
Quick to solve every riddle.
You polish up my knowledge,
Boost up my confidence!

Dear Kolhan Nitir Turtung Centre,
You are my motivational centre!
Make my learn to focus constantly.
Wake me up from demoralize regularly!

Dear Kolhan Nitir Turtung Centre,
You are my cultural centre!
Enlighten me with our civilization,
Brighten me with our integration!

Babli Kerai, KNT Chaibasa

हमारे जीवन में माता-पिता और गुरू

माँ के लिए क्या लिखूँ? माँ ने खुद मुझे लिखा है। एक अच्छी माँ हर किसी के पास होती है, लेकिन एक अच्छी औलाद हर माँ के पास नहीं होती। दुनिया से जाने के लिए तो बहुत से रास्ते हैं, मगर जन्म लेने के लिए केवल माँ है।

सारी दुनिया में प्यारे होते हैं **पिताजी,** हमें ऊंगली पकड़कर चलना सिखाते हैं पिताजी, हमारे लिए खुद धूप में जलते हैं पिताजी, हमारी हर इच्छाओं को पूरी करते हैं पिताजी। खाना बनाने वाली होती है माँ, तो लानेवाले होते हैं पिताजी।

गुरू हमें शिक्षा का ज्ञान देते, सही राह पर चलना सिखाते। बना दे हीरे की तरह हमें, एक अच्छा इंसान बना दे। सभी के जीवन में जरूरी है गुरू का होना, बिन गुरू के जीवन सफल नहीं होता।

शिक्षा : माँ का प्यार, पिता की मेहनत और गुरू के ज्ञान के बिना हमारा जीवन अधूरा है। अत: हमें इन तीनों की सेवा और आदर करनी चाहिए।

रीना देवगम, KNT Chaibasa

हमारा कोचिंग / हो मुरकू कानि

हमारा कोचिंग

कुछ ऐसा है हमारा कोचिंग,
लिखाई भी है और पढ़ाई भी है,
कुछे ऐसा भी है पढ़ाई का शरबत,
पीते भी रहते हैं और
प्यास भी होती है।
कभी मस्ती में गुनगुनाते
दिल भी रहते हैं,
तो होश उल्लास भी होता है,
अगर कोचिंग का सफर यूं खत्म हो तो,
कुछ धूप भी हो और कुछ छाँव भी हो,
मिलता रहता है पढ़ने का मजा और
मंजिल का सदा एहसास भी होता है,
मुमकिन है अगर इस कोचिंग में,
सीखने का मजा कुछ और ही होता है।

हो मुरकू कानि

एसु मुनु सोमाय रेया काजि तना। मिंडो हो पाइटी नम लगिड ते बाजार हुजुवा, ओन्डो मियड पाइटी नमेया। एटा मुसिंञ सोमय रे पाइटी ते बेटाना। एन चनब दिकु कुलिये चि "यहां एक गड्डा खोदो" एन चनब एन हो पाइटीये, ओन्डो मिड पा तेगे उरिया। हो मिड पा तेगे उरे तन रे लेलि रेदो दिकु कजि तबेया "घूमघूम कर गड्डा खोदो"। दिकु कजि आयुम केयते एन हो एटा गे सोमजावा आन्डो एन हो जोका उर के चनब होनोर ते सोनोवा:। होनोर केयते हुजुवा ओन्डोगे जोकागे पाइटीये। एन चनब ओन्डो होनोर ते सेनोवा, एनकागे लगातार पाइटी-पाइटी ते पाइटी रेया सोमय चबायन चनब दो दिकु हुअुवा ऐनते दिकु अया: पाइटी कोये लेल के रेदो एसु कुरकुरोवा:, एनते ककला केयते कजिये "अभी तक तुमने एक भी गड्डा खोदकर पूरा नहीं किया है", दिकुवा: कजि अयुम केयत एन हो दिकु: कजिये, अमगे दिकु मेताञम चि "घूमघूम कर काम करो" एना मेनते होनोर-होनोर तेंञ पाइटी तना। ओन्डो होनोर-होनोर तेंञ पाइटी रेदोम मेताञम एक भी गड्डा नहीं खोदा है। एन चनब दो दिकु हपावा, एना मेनतेको मेनेया चि एन कजिगे कम सोपोमजव रेदो एटागे पाइटीवा।

दिकु अय: उुडुते ठीक गे कजियेड तना, हो अया उुडु ते ठीक गे पाइटी तना। मेनदो दिकु बियुर केयते पाइटि बोदोल "घूमघूम कर काम करो" मितइतनते एटागे पाइटीये। चिना: मेनतेचि: इमितेंञ दो आबु हो को दिसुम कजि ठीक ते काबु अदान टाईकेना।

सीता पुरती, KNT Chaibasa

तयोम जरगी दअ: / वीर सपूत

तयोम जरगी दअ:

सेंगेल लोलो लेका जेटे, बुय-ओते को बलतना,
तासाद एगा रअ: तना, ने तयोम तेअ: हि:जुकना।
नवा चंडु लेका गुलू:कना, हेंदे-अरअ: रिमबिल लेलो,
बिघिर बलंग कोयतअ:, तेबा केदाअ: जरगी दअ:।।
पिसिर-पिसिर रेअ: गमा लेदा, ओते एगा रसिका तना,
मनोवा होनकोअ: अमद तनाकोअ:, चेड़े को दुरंग तना।
बिर-बुरू रेअ मेनअ:, सान-सकाम अद-पुटू कुई,
सेनोगअ: कोअ जनव सेताअ:, कमि उदम बगेकेतेअ:।।
अगल-बकल सोमय कोरेअ:, जीदन बिरिद नतिन तेअ:,
सेटेरेनअ: जरगी दअ:, ले लोअ: ओते-पिड़ि हरिअलि।

वीर सपूत

भारत माता की गोद में, जन्मते हैं वीर सपूत।
मन-तन में अपनों का खत, रक्षा करते अपना देश,
नित दिन करते मेहनत, सदा खुश रहते प्रतिदिन।।
भारत माता की गोद में, जन्मते हैं वीर सपूत।
न कोई गम न कोई भय, निडर होकर पर्वत के,
समान खड़े हो उठते हैं, मंजिल की कामना करते हैं।
भारत माता की गोद में, जन्मते हैं वीर सपूत।
समाज परिवार सब त्यागकर, देश के लिए जाते हैं,
कोई शहीद व जिंदा, तिरंगा की कामना करते हैं।
भारत माता की गोद मे, जन्मते हैं वीर सपूत।

सोमबारी मुण्डा, KNT Kuchai.

नशा एक सामाजिक बुराई

नशा करना मनुष्य जन्म से नहीं सीखता है। जब एक शिशु जन्म लेता है तो वह सारे विकारों से मुक्त रहता है, परन्तु जैसे-जैसे वह बड़ा होता है वह अपने आस-पास की दुनिया से बहुत कुछ सीखता जाता है। वह अच्छी चीजें भी सीखता है और बुरी चीजें भी। परन्तु किस चीज को उसे अपने जीवन में ढालना है यह उसे पता नहीं रहता। बालक अवस्था में वह समाज को जो भी करता हुआ देखेगा वह भी उसका अनुसरण करेगा। नशा करते हुए यदि वह किसी को भी देख लेगा तो वह भी उसका अनुसरण करेगा। अत: नशा वर्तमान में एक सामाजिक बुराई बन चुकी है। नशे के कारण आज हमारे भारत देश में कई प्रकार की बुराईयों ने जन्म ले लिया है। वे मुख्यत: निम्न प्रकार से हैं :-

(1) शैक्षणिक बुराई : आजकल आदिवासी समाज में नशीले पदार्थों का बहुत ज्यादा सेवन किया जाता है, इस कुरीति ने शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना प्रभाव डाला है। आज स्कूल जानेवाले 9 साल के बच्चे भी नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं। जिस वजह से इनके शैक्षणिक विकास में यथोचित वृद्दि नहीं होती है। एक बच्चे का बौद्दिक एवं मानसिक विकास 4-5 साल की उम्र से प्रारंभ हो जाती है। इस समय बच्चों को जो भी सिखाया जाता है वो सरलता से सीख जाते हैं। अत: अगर 7-8 साल की उम्र से बच्चे नशीले पदार्थों का सेवन करना सीख जाते हैं तो यह एक शैक्षणिक क्षेत्र की सबसे बड़ी बुराई है। एक कहावत के अनुसार "एक सड़ी हुई मछली बाकि सभी मछलियों को भी खराब कर देती है।"

इस कहावत के अनुसार वह बच्चा भी एक सड़ी हुई मछली की भांति है जो बाकि बच्चों को भी बिगाड़ देगा। इस प्रकार धीरे-धीरे कई सारे बच्चे बिगड़ जाएंगे या नशीले पदार्थों के वश में आ जाएंगे।

शिक्षा के गिरते स्तर के लिए शिक्षक दोषी है या यह शिक्षा व्यवस्था और उसको अपने हित में नियंत्रित-निर्मित करनेवाली आर्थिक-राजनैतिक शक्तियां। गिरते स्तर के लिए उत्तरदायित्व निर्धारण हेतु शिक्षा से जुड़े घटकों यथा समाज, प्रशासन, शिक्षक, पाठ्यक्रम, स्वयं छात्र इत्यादि पर दृष्टि डालना सही होगा।

शिक्षा का रोजगारपूरक ना होना। वर्तमान शिक्षा की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे छात्रों को रोजगार दिलाने में असमर्थ हैं। एम.ए. करने के बाद छात्र शारीरिक श्रमायुक्त कार्यों को करना नहीं चाहते हैं और उचित रोजगार के लिए अपनी बधाएं भी हैं। इस प्रकार छात्र भ्रमित होकर आज समाज विरोधी कार्यों में चलने लगते हैं।

(2) सामाजिक बुराई : नशे के क्षेत्र में एक समाज की मुख्य भूमिका है क्योंकि यदि एक समाज में किसी एक भी परिवार में नशापान होता है तो वहीं से उस समाज में बुराई उत्पन्न होना प्रारंभ हो जाती है। समाज में यदि एक परिवार नशापान करता है तो वह दूसरों को नशा का सेवन करवाना प्रारंभ करेगा, जिससे उस समाज की पूरी छवि बदल जाएगी। नशे के कारण एक-दूसरे के बीच अनबन हो जाती है फिर वह एक लड़ाई का रूप धारण कर लेती है फिर वह लड़ाई, दुश्मनी का रूप ले लेती है। फिर दुश्मनी के कारण कत्ल, बलात्कार जैसे बड़े-बड़े अपराध होने लगते हैं जो समाज को पूरी तरह से खराब कर देता या कहें कि बुरा बना देता है।

आज नशीली चीजों की खरीद-बिक्री अत्याधिक बढ़ गई है, जिसमें मुख्य दोषी समाज के लोग ही हैं। नशीली चीजों की बिक्री करनेवाला तो दोषी है ही, परन्तु उस नशीली पदार्थ को खरीदनेवाला भी दोषी है। परन्तु उससे भी बड़ा दोषी तो उन चीजों को होते हुए भी चुपचाप देखनेवाला व्यक्ति है। जो यह जानते हुए भी उन्हें नहीं रोकता कि ये बुराईयां हमें और हमारे समाज को खोखला कर देंगी, असली दोषी वे हैं।

नशे ने जैसे लोगों के दिलों-दिमाग में घर कर लिया है। लोग नशे का सेवन किये बिना रह ही नहीं पाते हैं। ऐसे व्यक्ति को नशीले पदार्थ का सेवन एक दिन के लिए भी बंद करवाने की कोशिश करें तो वह खुद हमें ज्ञान देता है कि हमें भी उसका सेवन करना चाहिए, जिसका सेवन वह करता है। अत: नशा एक सामाजिक बुराई बन गई है।

(3) पारिवारिक बुराई : वर्तमान समय में संयुक्त परिवार भाव का कम होना, छोटे-बच्चों के झगड़े के कारण बड़ों

की समस्या के कारण आपसी संबंधों का खराब होना, आपसी विश्वास का कम होना, एक-दूसरे के प्रति आदर-का आपस में झगड़ जाना, आपसी मतभेदों का बढ़ना, गलतफहमियों का बढ़ना, पर बात करके उन्हें सही न करना। परिवार व्यक्तियों के उस समूह का नाम है, जिसमें वे विवाह, रक्त या दत्तक संबंध से संबंधित होकर एक गृहस्थी का निर्माण करते हुए एक सामान्य समाज का निर्माण करते हैं।

(4) मानसिक बुराई : मानसिक बुराई ऐसे विकार होते हैं जो आपकी सोच, व्यवहार और मूड को प्रभावित करते हैं। मानसिक रोग जैसे तनाव, चिंता का विकार, एक प्रकार का पागलपन, किसी चीज की लत लग जाने का विकार आदि इसमें शामिल होते हैं। अधिकतर लोगों को समय-समय पर मानसिक स्वस्थ्य को लेकर समस्याएं होने लगती हैं। लेकिन मानसिक स्वस्थ्य समस्याएं तब मानसिक रोग में बदल जाती है, जब इसके लक्षण और भी गंभीर हो जाते हैं और यह आपके मस्तिष्क के कार्य करने की क्षमता को प्रभावित करने लगती हैं।

(5) आर्थिक बुराई : हमारा समाज जल-जंगल-जमीन से जुड़ा हुआ है, हमलोग नशा करते-करते सारी हदें पार कर जाते हैं। जब घर में रूपया खत्म हो जाता है तो घर के बर्तन, गहने, जमीन तक बंधक पर दे दिया जाता है, जिसको शिक्षा और जागरूकता से धीरे-धीरे समाप्त कर सकते हैं।

मनोनित मुण्डा
KNT Kuchai

ई-कचरा (E-Waste)

ई-कचरा से तात्पर्य।
ई-कचरा के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़नेवाले प्रभाव।
ई-कचरा के नपटान के उपाय।

वर्तमान समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफी काम हो रहा है। देश में जैसे-जैसे डिजिटालाईजेशन बढ़ा है। इसकी उत्पति के प्रमुख कारकों में तकनीक तथा मनुष्य की जीवनशैली में आनेवाले बदलाव शामिल है। ई-कचरा आधुनिक समय की एक गंभीर समस्या है। आज नए-नए उन्नत तकनीक वाले इलेक्ट्रानिक यंत्रों का उत्पादन हो रहा है। जैसे ही बाजार में उन्नत तकनीक वाला उत्पाद आता है वैसे ही पुराने तंत्र बेकार पड़ जाते हैं। इसी का नतीजा है कि आज कम्प्यूटर, लैपटॉप, मोबाईल फोन, टी.वी., रेडियो, प्रिंटर आदि के रूप में ई-कचरा बढ़ता जा रहा है।

ई-कचरा में शामिल विषैले तथा उनके निस्तारण के असुरक्षित तौर-तरीके से मानव जीवन और इसके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और तरह-तरह की बीमारियां होती हैं। ई-कचरे के कारण होनेवाला वायु प्रदूषण कुछ जानवरों की प्रजातियों को दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित करता है। जैसे वायु प्रदूषण पानी की गुणवता, मिट्टी और पौधों की प्रजातियों को नुकसान पहूँचाता है। इलेक्ट्रानिक चीजों को बनाने में काम आनेवाली सामग्रियों में ज्यादातर कैडियम, निकेल, क्रोमियम, एंटीमानी, आसैनिक, बेरियाम और पारा का इस्तेमाल होता है। ये सभी पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। वर्तमान में लैंडफिल डंफिंग के माध्यम से ई-कचरा का निपटारा किया जाता है। ई-कचरे के उचित निपटारा और पुन: चक्रण पर ध्यान दिया जाना चाहिए। भारत ई-कचरा के मामले में पुरे विश्व में पांचवां स्थान पर आता है। ई-कचरा उत्पन्न करनेवाले शहरों में दिल्ली, मुम्बई, बेंगलूरू, कोलकाता, चेन्नई और हैदराबाद शामिल हैं। इसके लिए विकसित देशों को आगे आना होगा। ई-कचरा आधुनिक समय की समस्या से निपटने के लिए पूरी दुनिया को एकजूट होकर काम करना होगा।

श्री प्रधान पुरती
शिक्षक, KNT Chaibasa

राईज ताबु रपूड तन

दिसुम ताबु दोकोलतना,
राईज ताबु रपुड़तना,
एला हगा-मिसिकोबु जुड़ि गति:ना।
ओल एतोनाबु हगंञ,
पढ़ाव एतोनाबु मिसिंञ,
सेंया मरसल होरातेबु चडांञ ईडेया।।
चिमिन सिंगि तुरेयन:,
चिमिन चांडु: मुलु:यना,
आबु हुदा ना:सनते हेंदे नुबा:रे।।।
हिला-हिपिला बागेयाबु,
देरंञ. कोरंञ कबु अयुम,
आबु हुदा लगिड सोबे देंगा-देपेंगा।
तुरतुंञ मरसलतेगे,
गिति:याकन नुब:रेनको,
सेणा मरसल होरा:बु उदुबाकोवा।।
बिन ईलिते:रेयो हगांञ,
बिने ईलिते:रेयो मिसिंञ,
हुदा कमि जंगि रेदो लंञ जंगि मिसेना।।।
सिरमा रिमिल इपिल को:लेका,
नितिरा: कनाबु हुदारेन होड़ो:को हुड़िंञ,
नाबु हुदा तालारेबु मरसलेया।
नाबु हुदा रकबलगिड,
नाबु हुदा देंगालगिड,
कोल्हान नितिर तुरतुंग तिकिंञ तांगिरे मेना:।।
दिसुम ताबु दोकोल तना,
राईज ताबु रपुड तना,
एला हगा-मिसीकोबु जुड़ि गतिना:।।।

बहादुर कालुन्डिया, KNT Chaibasa

चसी होड़

चुइति, बोयसाक चबायना,
हेरमुटु सेटे:रेयना,
चसी होड़ नाइल ल:आए सआ:-सआ:।

रोका:ए रिमिले रोका:ए गमाए,
मिर-मिर सियु: सेनो:,
सियु: नांञ कुरूमूटु।

ओर नाइल सोरो:,
सिंगी तुर-तुरो सियु: नांञ,
हो: हाड़ हो: हिंग हो:।

बबा हेर उंकुड़ु,
सियु:वम सेर-सेर,
बलबल दा: ओ:ल जोंञ।

इंन्दी चन्डु: सेटेरलेना,
बबा नेलो: गिड़-गदेड़,
बबा गेले सगोमलेना।

सुकेन चन्डु: सेटेरयना:,
गेले बबा मतायना,
पी: कुन्डी कुबे हड़ा अतिञयना।

कुन्डी बबा अगुईनांञ,
बबा दिपील लिसय-लोसोय,
कोलोमरे बबा अदेर कुरूमूटु।

ऊरी:ते माडा (हार) गसर,
कुईड़-तेपेंसा बबा केतो,
नमा: बबा ओवा: बितर अदेर।

बामिया सामड, KNT Chaibasa

बारिश तुम्हारे कितने रंग

कभी काले मेघा बनकर हमें डराते,
कभी बूंदें बनकर हमें हर्षाते,
बारिश तुम्हारे कितने रंग।

कभी जलीय जीवों का आशियाना बनाते,
कभी हमारा आशियाना ले लेते,
बारिश तुम्हारे कितने रंग।।

कभी अपने आगमन का न्योता देते,
कभी बिन बुलाए मेहमान बनते,
बारिश तुम्हारे कितने रंग।

कभी तुम करते अतिवृष्टि,
कभी तुम करते अल्पवृष्टि,
बारिश तुम्हारे कितने रंग।।

कभी तुम बनते जीवनदायिनी,
कभी तुम बनते प्राणघातिनी,
बारिश तुम्हारे कितने रंग।

कभी तुम्हारी फुहार लगती फूलों की लड़ी,
कभी तुम्हारी बौछार लगती कांटों की झड़ी,
बारिश तुम्हारे कितने रंग।।

तुमसे कोई तकरार नहीं हमें,
तुमसे कोई इकरार नहीं हमें,
बारिश तुम्हारे कितने रंग।

बबली केराई
KNT Chaibasa

नन्हा पौधा

एक बीज था बन गया पौधा, गहराई में बोया,
उस पौधे को मंद पवन ने, आकाश पास जगाया।
नन्हीं-नन्हीं बूंदों ने फिर, उस पर जल वर्षाया,
सूरज बोले प्यारे पौधे, निद्रा दूर भगाओ,
अलसाई आंखें खोलो तुम, उठ कर बाहर आओ।

सूरज बोदरा
KNT Chaibasa

किरणें

सूरज की किरणें आती हैं, सारी कलियां खिल जाती हैं,
अंधकार सब खो जाते हैं, सब जग सुन्दर हो जाते हैं।
चिड़ियां गाती हैं मिलजुलकर, बहते हैं उनके मीठे स्वर,
ठंडी-ठंडी हवा सुहानी, चलती है जैसे मस्तानी।

माता-पिता और शिक्षक

माता-पिता हमारे जीवन के पहले शिक्षक होते, हम उनसे बहुत कुछ सीखते हैं। हमें अपने माता-पिता की सिखाई हुए रास्ते पर चलनी चाहिए। माता-पिता की तरह जीवन में मुसीबतों से लड़ने की ताकत लेकर आगे बढ़ना चाहिए। माता-पिता के द्वारा सिखाए हुए संस्कार का हमेशा पालन करना चाहिए। माता-पिता की हर बात माननी चाहिए क्योंकि वह हमें कभी भी गलत रास्ता नहीं दिखाते हैं। माता-पिता अपनी जरूरतों को पीछे रखकर हमारे लिए सबकुछ करते हैं। हमें हमेशा अच्छा रास्ता दिखाते हैं। बच्चे अपने माता-पिता के लिए हमेशा बच्चे रहेंगे, वह हमेशा साथ देते हैं और सही रास्ता दिखाते हैं।

शिक्षक : हर व्यक्ति की सफलता के पीछे गुरू का हाथ होता है। गुरू को भगवान से भी बढ़कर माना जाता है, गुरू को उजाले का दीप माना जाता है। गुरू का होना अंधकार में दीप के जैसे होता है, जो खुद जलकर दूसरों को उजाला करते हैं। माता-पिता के बाद दूसरे शिक्षक गुरू ही होते हैं। गुरू से ली गई सच्ची संस्कार हमारे जीवन

अर्जुन पुरती
KNT Chaibasa

को आसान बना देती है। गुरू ही वह व्यक्ति होता है, जो खुद एक स्थान पर रहकर दूसरों को अपनी मंजिल तक पहुंचाता है, गुरू हमेशा सभी को अच्छा ज्ञान देता है और गुरू सच्चा पथप्रदर्शक होता है। मनुष्य के लिए भगवान से भी बढ़कर गुरू को माना जाता है क्योंकि भगवान हमें जीवन प्रदान करता है और गुरू हमें शिक्षा देकर इस जीवन को सही ढंग से जीना सिखाते हैं। गुरू हमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान तथा अनुशासित विद्यार्थी बनाते हैं। व्यक्ति को जीवन में कुछ करना है तो उसे हर चीज के बारे में महसूस कराना होगा, यह कार्य सिर्फ गुरू ही कर सकते हैं।

कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा

कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा 01 नवम्बर 2020 को स्थापित हुआ। KNT का केन्द्रीय कार्यालय मानकी-मुण्डा विश्रामागार चाईबासा में स्थित है और इसकी अन्य तीन शाखाएं चक्रधरपुर, कुचाई और तांतनगर में हैं। KNT के केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा जी और महासचिव श्री प्रेमसिंह डांगिल जी हैं। KNT परिवार के सभी सदस्यगणों को तहे दिल से अभिनंदन करता हूँ। KNT जैसे संस्थान की वजह से बेरोजगार और गरीब विद्यार्थियों कम बजट में Competition Examination की अच्छी तरह से तैयारी कर पा रहे हैं। जो विद्यार्थी जोश-जुनून के साथ तैयारी कर रहे हैं उन्हें सफलता भी मिल रही है। पहले जब KNT संस्थान नहीं था, तब सभी विद्यार्थियों का सोच था कि मेरे पास उतना पैसा नहीं है कि मैं Competition Examination की तैयारी कर सकूँ, जिसकी वजह से सभी विद्यार्थियों का जोश-जुनून और आत्मविश्वास कम होने की कगार पर था। परन्तु KNT संस्थान प्रारंभ होने के बाद विद्यार्थियों और अभिभावकों का जोश, जुनून और आत्मविश्वास फिर से महक उठा। पहले जब KNT संस्थान स्थापित नहीं हुआ था तब सभी विद्यार्थियों को Competition Examination की तैयारी करने में बड़ी दिक्कत होती थी, परन्तु अब KNT संस्थान ने इस असफलता को सफल बनाया।

यूं तो सफलता की खुशियां बनाने को,
कई दीदार होते हैं,
पर असफलता के संजोये गए,
एहसास के पल भी,
काफी यादगार होते हैं।

श्री रघुनाथ बिरूवा
शिक्षक, KNT Chaibasa

यूं असफलता से निराश ना हो ऐ दोस्त,
क्योंकि
जिंदगी एक सर्कस है,
जहां हार कर सीखने वालों की कलाबाजियां भी,
काफी शानदार होती हैं।।

हमारा कोल्हान नितिर तुरतुंग

हम तो थे सबसे अनजान
नहीं था हमको कुछ भी ध्यान
शिक्षा का जहां हमें होता भान
चल पड़े थे लेने ज्ञान
हम तो थे सबसे अनजान।।

फिर एक दिन ऐसे आया
कोल्हान KNT का पता लगाया
कोल्हान कन्ठ में एडमिशन को आया
देखा मैंने खुद को हैरान पाया
चल पड़े थे लेने ज्ञान
हम तोता सबसे अनजान।।

अब तक जिसने भी यहां शिक्षा पाया
उसने सबके जीवन ज्योत जगाया
सोच उठा मैं पहले क्यों ना आया
जिसने मेरी बदल दी काया
चल पड़े थे लेने ज्ञान
हम तो थे सबसे अनजान।।

रात अंधेरी रोशन लेकर सबको दिया
छात्रों के जीवन में
ज्योत जलाने का जो काम किया
KNT संस्था नाम है उसका
चल पड़े थे लेने ज्ञान
हम तो थे सबसे अनजान।।

जीतु बोदरा, KNT CKP

हमारा कोल्हान नितिर तुरतुंग

"थी किसी अंधकार सा छाया,
जैसे अमर का बेल
न दिनकर सी पथ कोई,
बस महामारी की झेल।

नजर आई जब धारा बन समूह
किया शिक्षा पर ध्यान
विफलताओं की समस्या कर अवरोध,
कहने भरी उड़ान।
थी गगन को चूमती शुल्क संपदा,
निर्धन शिष्यों के छत पर
जरिया मिल शिक्षा ली
अब चला यह विश्वास दिलाने
इनके दिए दिशा पर रख कदम बढ़ाकर
हम चले अपनी उपलब्धियां को साकार बनाने।

शिक्षा के मोल-भाव की अशुद्धियां कर संहार
जहां निर्धन शागिर्दों को शिक्षण का संस्थान दिया।

जहां दे शिक्षा सहित देह प्रशिक्षण का स्थान
जहां हो लक्ष्य साध हासिल तक का ज्ञान
उभरे, अभियंतर से उभारे, हमारा नितिर तुरतुंग कोल्हान।।

मोहन सिंह सुन्डी, KNT CKP

हमारा कोल्हान नितिर तुरतुंग

KNT, एक ऐसी संस्था,
जिसने दिखाए हजारों विद्यार्थियों को एक नई दिशा।
जब छोड़ा था सबने साथ, कांति बना हमारा सहारा।
हमारी आर्थिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करते हुए,
प्रोत्साहित किया हमें अपने सपनों को पूरा करने में।

जहां के शिक्षक गण है, परिवार की भांति।
जो रहते खड़े हमेशा विद्यार्थियों के संग।।
हजारों विद्यार्थियों ने देखा एक उम्मीद की रोशनी KNT के रूप में।
जब जाते कुछ विद्यार्थी थक, हाथ पकड़ कर उठना सिखाया।
न होने दिया इस संस्था ने हमारे मनोबल को कम।

हर एक मोड़ पर महसूस कराया गया, नहीं है कम हम अन्यों से।
इस संस्था ने दिया हमें सुनहरा मौका,
देश में खुद की पहचान बनाने का।
आभार व्यक्त करती हूं इस संस्था का जिसने खोई उम्मीद को जगाया।।
जिसने दिया जगमगने का मौका।।

शिवानी महतो, KNT CKP

गुरु चरण

गुरु चरण में स्वर्ग बसे हैं
गुरु शरण है धाम हमारे
गुरु आशीष जाँकू मिल जाए
जन्म-जन्म के भाग सुधारे

गुरु आदेश मस्तक घर रखो
गुरु सेवा में रैन-दिन जागो
मुख से गुरु शिक्षा गायन हो
गुरु की आज्ञा का पालन हो।

मैं करूँ चरण धूलि को धारण
चरणों का अमृत पान करूँ
शीश झुका कर सहज भाव से
उनके चरणों को प्रणाम करूँ।।

वीर जवान

तुम बनो डॉक्टर इंजीनियर मैं तो,
बस देश का सिपाही बनूँगा।
आयी न जान लगाने के लिए मेरी जान,
तेरा पागल आशिक फौजी हँसते हुए जान गवायेगा।
कभी याद करके देख लेना उन वीरों को भी
जो सरहद पर गोली खाकर ही
हिफाजत करते हैं मुल्क की।

खड़ा है जो सरहद पर
मातृभूमि का कर्ज चुकाने
लेकर लहू का कतरा कतरा
चट्टानों सा सीना तान
भारत के है वो वीर जवान
भारत के है वो वीर जवान

देश की रक्षा सोने में
बेखौफ फैलादी जीने में
दुश्मन को है वो धूल चाटते
देकर अपना सच्चा बलिदान
भारत के है वो वीर जवान।।

पायल गोप, KNT CKP

DELHI to KNT

A graduate girl from Lady Shri Ram College, University of Delhi came back to her hometown with an only air to study inside the four walls of her home. Her wise uncle asked her to go to an institution called "Kolhan Nitir Turtung" in Tekorchampia. Even though the girl was brought up in this town for 12 years the address was unknown to her.

The girl was reluctant to travel so far. However, she collected her as usual over confidence to locate a place unknown. Here comes her e-rickshaw driver, who was all set to reach the confident looking girl to the destination she describes. Both managed to inquire with the locals about the place they had to reach.

How lucky was this girl to find a patient e-rickshaw driver motivated to help her throughout to reach a destination she describes with the information in bits and pieces she has. Her uncle on the other side of the phone tried his best to picturise the roads, houses and a water tank which marked that KNT was around. Our girl failed to find this centre for education. Her brain flooded with frustration but she used all her theatre skills to be the wisest in the world.

Face now dropped with hopelessness and she routed back to her home. But the sight of many cycles around a small house allowed her to try luck. Here she gets down the e-rickshaw. A kind looking man smiled at her and the girl gave the puzzled look. One of the founding member of KNT was already informed that a girl who is lost will arrive. The man answered to the unuttered question she had "Yes, Miss you already reached the place known as KNT." What a delight she felt. She thanked her e-rickshaw driver and followed the man. Since then the girl has now got the best place to study, humble and knowledgeable mentors to guide her and friends to study with.

Mukta Kurly, KNT CKP

माँ की ममता

बात उस समय की है जब मैं संत जेवियर्स ब्यॉज स्कूल में पड़ता था। मैं सिर्फ 5 वर्ष का था और मैं पहली क्लास में पड़ता था।

मेरा स्कूल नदी के किनारे था और घर से 1 किलोमीटर की दूरी पर था। नदी पर उस समय एक पुल हुआ करता था जो अब भी है। तेज बारिश से नदी का पानी कभी-कभी पुल के ऊपर से बहने लगता था, ऐसे में हमलोग स्कूल नहीं जाते थे।

स्कूल मुझे मेरी माँ छोड़ आती थी और मैं गांव के बच्चों के साथ वापस आ जाता था। मुझे हर रोज स्कूल जाते समय 1 रूपये मिलते थे। उस समय के हिसाब से 1 रूपया भी मेरे लिए बहुत ज्यादा था।

एक दिन की बात है मेरी माँ काम में बहुत व्यस्त थी। उस दिन मेरी चचेरी नीलू दीदी भी आई थी। माँ बोली - तिसिंग अम दाई लो: स्कूल सेनोम, आए: ईडी तु:मेया (आज तुम दीदी के साथ स्कूल जाओ, वो तुमको स्कूल तक छोड़ देगी)।

माँ ने मुझे तैयार किया, टिफिन और पानी की बोतल भर दी और हमेशा की तरह मुझे एक रूपया दी।

दीदी और मैं स्कूल साइकिल से चले गए। दीदी साइकिल चला रही थी और मैं पीछे बैठा हुआ था। मेरा स्कूल आ गया। दीदी बोली - ठीक है तुम जाओ, हम छुट्टी के समय आयोंगे। मैंने कहा ठीक है और फिर मैं गेट के अंदर चला गया।

स्कूल शुरू हो गया। चार विषय के बाद टिफिन का समय हुआ, 12.30 से लेकर 1.00 बजे तक। मैने टिफिन लिया और मैदान में जाकर टिफिन खाया। मैंने एक रूपया निकाला और देखकर वापस जेब में रख दिया। मैं इसी तरह से 1-1 रूपये जोड़कर 4-5 रूपये जमा कर लेता था।

उसके बाद घंटी बजी तो वापस क्लास में आ गया। टिफिन के बाद जितने भी क्लास होते थे, उसमें मेरा बिल्कुल भी मन नहीं लगता था। मैं यही सोचता कि कब 4.00 बजेगा और छुट्टी होगी। उस समय हमारा स्कूल सुबह 10.00 बजे से शाम 04.00 बजे तक चलता था।

3-4 क्लास के बाद 04.00 बज गया और छुट्टी की घंटी बज गयी, टन..... टन ..... टन टन टन टन।

टीचर क्लास से निकल गयी और सभी बच्चे दौड़े-दौड़े क्लास से निकल गए।

मैं गेट के पास जाकर खड़ा हो गया और दीदी के आने की राह देखने लगा। सभी बच्चे अपने-अपने घर जाने लगे। मेरे गांव के बच्चे भी जाने लगे। मैंने उनसे कहा - आपे सेनो: अंता पे, अंजा दाई हुजूवे:, साईकेल ते। फिर वे लोग चले गए।

स्कूल के सभी बच्चे चले गए पर दीदी अभी तक नहीं आयी।

आधा घंटा हो गया फिर भी वो मुझे आती नहीं दिखी। मुझे इस बात का पता नहीं था कि आज उनलोगों की छुट्टी 01.00 बजे ही हो गयी। मैं तो बेखबर था और मुझे लग रहा था कि दीदी आएंगी और साथ में घर जायेंगे।

अब एक घंटा हो चुका था, शाम के 05.00 बज चुके थे। ठंड का समय था तो शाम भी जल्दी हो जाती थी। काफी देर इंतजार करने पर मैंने देखा कि माँ पैदल चलती हुई आ रही है, उनके हाथों में आटा लगा हुआ था और साड़ी वही पुरानी जो घर पर पहनती थी।

सामने आकर वो बोली : ओकोएम नेल तना (किसका इंतजार कर रहे हो)।

मैने कहा - नीलू मेन चि: साइकेल तेलांग सेनोवा, आम गेट ता: टाइनमे जा:ते रेयो: आलोम सेनोवा, का-रेदो ओटोंगर को ईडि:मेया, आऐज नेल तना।

मेरी माँ बोली - अको दो छुट्टी याना, दोलांग सेनोवा:।

फिर मेरी माँ हाथ पकड़कर मुझे घर ले आयी।

श्री चंदन बोयपाई
शिक्षक, KNT Chaibasa

"They" The Aspirants of KNT

"They" travel long distances on foot & Bicycle.

Wiping their sweat on their forehead. Hands joined to ask for permission to enter the class. "They" forget their physical strain for the zeal to learn.

Eyes shine with the dream to achieve. "They", have a cause rooted in their thoughts of backhome and village. Leaving everything behind they spend hours to prepare for something big in life.

They respect and value the lessons given by their teachers.

"They" fight with day and night to study. They seldom reason out their short comings in strategy. As for them failures are not the end instead a chance to work hard more.
They thrive for knowledge and chase their bigger goals.

मुक्ता कुरली, KNT CKP

They will one day come again to our KNT sharing their success stories to their sucessors who will look at them with proud and motivation to succeed.

हमारे समाज की लड़कियां

गांवों के दृश्य में हमारे समाज की लड़कियों को सुबह-सुबह आंगन में गोबर लीपते हुए, कुछ झूठे बरतनों को तालाब की ओर ले जाते हुए देख मैं सोचती कितनी मेहनती लड़कियां हैं। हमारे समाज की लड़कियां दिनभर न खत्म होनेवाले घर के और खेत के काम में लगी रहती हैं और थोड़ा समय मिलता है तो उसमें ही पढ़ने की कोशिश करती, पर दिनभर की थकान से हार कर वे ज्यादा नहीं पढ़ पातीं।

पर एक दिन मैं KNT की कक्षा में बैठी अपने किताबों के पन्ने पलट रही थी, एक लड़की ने कहा "मेरे गांव में मेरे पड़ोसी मुझे ताना देते हैं कि मैं खेत के काम नहीं करती।" फिर खुद ही विचार करते हुए उसने जवाब दिया "मुझे कितना कम समय मिलता है, पढ़ने के लिए। इतनी दूर से साइकिल चलाकर मैं यहां पढ़ने आती हूँ। मैं अपना कीमती समय नहीं गंवा सकती, लोगों का काम है कहना और मेरा काम है पढ़ना।"

दूसरी छात्रा भी कहने लगी "आजकल गांवों में यह देखकर बहुत बुरा लगता है कि इतने कम उम्र की लड़कियां पढ़ाई छोड़ शादी करने पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। क्या शादी ही एकमात्र लक्ष्य बन गया है, इन लड़कियों का? थोड़ा रूककर वह कहती मैंने तो निश्चय कर लिया है कि जब तक नौकरी नहीं लगती मैं शादी नहीं करूंगी।"

इन दोनों की बातें सुन मैं मुस्कराई और मन ही मन सोची कि सच में हमारे समाज की लड़कियां अब अपने जिंदगी को संवारने के लिए पढ़ाई के प्रति कितनी गंभीर हैं और साथ ही इनके विचार मेरे मन में घर कर गए। शायद वह दिन दूर नहीं जब समाज की लड़कियां हर क्षेत्र में अपना और हमारे समाज का नाम रोशन करेंगीं।

समय और हम

समय ने पुकार-पुकार कर कहा मुझे पकड़ लो मैं छूटा जा रहा हूँ, अगर मैं छूट गया तब दोबारा मैं तुम्हारे पास लौटकर नहीं आउँगा। फिर तुम मुझे मत ढूंढ़ना क्योंकि मैं बीता हुआ कल कहलाउँगा। मैं तुम्हें सावधान कर रहा हूँ और चेतावनी दे रहा हूँ, अभी संभल जाओ क्योंकि तुम सुखमय जीवन की कामना तो करते हो, परन्तु क्या उसके लिए सही ढंग से मेहनत करते हो? अभी बहुत बुरी दशा है, उसे सुधारने के लिए मेहनत करो, इसिलए समय की पुकार को पहचानो और समयानुसार अपने को ढालकर एक आध्यात्मिक जिंदगी जीने की कसम खाओ।

सवित्री हांसदा
KNT Chaibasa

अबुवा: कोल्हान नितिर तुरतुंग रेया: कबोय

कोल्हान नितिर तुरतुंग रेया: उतुर्र 01.11.2020 रे होबा लेना। नेना मियड् आदिवासी संस्था तना। नेन संस्था चलाओ नतिंञ इसु पुरा:/संगि नौकरीतन हगा-मिसीको जुड़ीगति केनतेको कुरूमुटुवाकना।

नेनरेया: उपुनिया सेंटर मेना: चाईबासा, तांतनगर, चक्रधरपुर अर कुचाई।

कोल्हानरे नेन संस्था चलाव तनकोवा:, गोमके-चोमकेकोवा: उड़ुमेना: चि अबुवा: आदिवासी को सबिनबु चनब चबावोतना, एनामेन्ते नेन संस्था द्वारा अबुबु सेंयांओ:चा। अकोवा: उड़ु मेना चि अबुवा: हो होनको अयरपाको बढ़ाओ:का। नेन टयडरे पढ़वकेन्ते एसु पुरा: पटुवाको नौकरी को नमकेडा अर नमेतना। अलिंञो नेन संस्था रेलिंञ पढ़वतना अर जिबोनरे तलिंञ उड़ु मेना:चि पलटोनरे नौकरी अलिंञया: होबाओ: एन तयोम नेन संस्थारे अलिंञो देंगालिंञ एमेया।

इसु बुगिन अलेया कोल्हान नितिर कोचिंग,
एनामेन्तु चुईलवो: कलिञ रिड़िंञया,
मां:के अंञ जोनोम किडिञते:,
जिबोन रेया: अयरते सेने: ज्ञान मुरूईको,
बुरू-मुटु पढ़ावमे: कुयमुटु तेरसाओ:मे: अम,
सेयां बुद्दि:गे एमाबुवा अबुवा: गुरू गोमके,
एनरे एनंञ तेरसावो: जम्बु-डिपा सबिन कोयते अयरपा।

मुलुकरेन सबिन होनको सेयांयनरे,
एनरेएनंञ अतोमो: मुलुकरेया: हेन्दे:नुबा:,
जा...मेन्ते मुलुक गोटारेन होनको ओल पड़व सेंयांयनरे,
मरसलो: इसु बुगिन अबुवा: कोल्हान नितिर तुरतुंग,
एना नतिंञते अलिंञ,
चुईलव कलिंञ रिडिञेया इदंग-इदंगरे नेन तुरतुंग।

प्रताप पिंगुवा
KNT Chaibasa

'एक कदम' - पता नहीं क्यों?

हमने अपना बचपन मामा के गाँव में नानी के संग गुजारा था। हमें अपने माता-पिता का पता ही न था, नानी ही हमारी दुनिया थीं। जब हम पांच साल के हुए, हमें अपना गाँव लाया गया, तब हमें पता चला कि हमारी एक प्यारी-सी बहन भी है, नाम था उसका - चित्रा।

हमारी बहन का मन पढ़ाई में बिल्कुल भी नहीं लगता था, उसका मन खेलने में ज्यादा लगता था, बच्चों के संग खेलने में उसे बहुत आनंद आता था। स्वभाव से बुरी न थी, यह कहानी उसी भोली और प्यारी-सी बहन के बारे में है।

हमारा दाखिला हमारी बहन के संग गाँव के ही प्राइमरी स्कूल में कर दिया गया। साल भर हमारा मेहनत रहा, हमारी कक्षा में हमारा पहला स्थान रहा।

इसी के साथ हमारा दूसरी कक्षा में प्रवेश हुआ, इसके विपरीत हमारी बहन पहली बार में ही फेल हो गयी। इस प्रकार हमारी बहन से हमारा 'एक कदम' आगे रहा। हमने वहां से दूसरी कक्षा पूरी की, फिर हमारा दाखिला गाँव से दूर एक प्राइवेट स्कूल में कर दिया गया, जहां से हमने मैट्रिक पास किया.....

वहां पर हमारा दाखिला पहली कक्षा में किया गया था। जब हमने दूसरी कक्षा में प्रवेश किया तब हमारी बहन भी हमारे संग ही दूसरी कक्षा में पढ़ा करती थी, क्या था ना?

हमारी बहन दूसरी बार फेल हो चुकी थी। कुछ वर्ष बीत गए, हमारी बहन दसवीं कक्षा तक हमारे संग ही थी,दोनों ने बोर्ड की परीक्षा दिया, रिजल्ट निकला हमारा 83.80 प्रतिशत अंक आया, गाँव में लड्डु बांटे गए, पर मन उदासी से भरा था। हमारी बहन का फिर वही हालात, फेल हो गयी थी। हमने ग्यारहवीं का दाखिला टाटा कॉलेज, चाईबासा में साइंस के लिए करवा लिया....

2021 की बात है, इस वर्ष पूरी दुनिया कोरोना की बीमारी से तरहाई-तरहाई कर रही थी। यह वर्ष हमारे लिए खुशी के उपहार के रूप में रहा .....

'केंद्र सरकार ने ऐलान किया, सबको पास कर दिया जाए।'

हमारी बहन मैट्रिक में पास हो गयी, प्रदर्शन अच्छा नहीं था, पर उत्तीर्ण थी, सब खुश थे .... उधर हमारा प्रवेश कक्षा

बारहवीं में हो चुका था। हम बारहवीं में 67 प्रतिशत अंक हासिल कर उत्तीर्ण हुए।

हमारा नाता गरीब परिवार से है, तो अगला वर्ष बर्बाद रहा.....

इस साल हमारी बहन का बारहवीं बोर्ड का रिजल्ट आया, फिर वही हालात मन उदास .....

रिजल्ट INCOMPLETE .....

पता नहीं क्यों लगता है कि भगवान ने हमारी बहन को हमारे से 'एक कदम' पीछे रखा है,

तो शायद इसलिए हमारा 'एक कदम' आगे रहता है।

Student/KNT Chaibasa

पेंसिल से सीख

हम जीवन में सफल होना चाहते हैं और इसके लिए अक्सर हम किसी गुरू, संस्थान, पुस्तक या किसी चमत्कारिक व्यक्तित्व की तलाश में रहते हैं। हमें ऐसा लगता है कि कोई बेहद महत्वपूर्ण या बड़ी चीज ही हमें सफलता का रास्ता दिखा सकती है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। आसपास का माहौल, छोटी-छोटी घटनाएं हमें जीवन को और नजदीक से देखने का मौका देती है।

एक कक्षा में कई छात्र होते हैं, शिक्षक भी वही होते हैं, स्कूल भी वही होता है, कोर्स भी वही होता है, फिर भी कोई सफल होकर निकलता है और कोई असफल होते हैं। ऐसा क्यों होता है? इसका एकमात्र कारण यह है कि हमारी जिम्मेदारियां स्वयं से कम है और दूसरों से अधिक। जीवन में कुछ जानने के लिए जरूरी नहीं कि हम किसी बड़ी चीज का सहारा लें। छोटी तथा साधारण सी दिखने वाली चीजें भी हमें जीवन में सफल होने की प्रेरणा दे सकती हैं। प्रत्येक विद्यार्थी के पास पेंसिल होती है, उससे भी बहुत कुछ सीख सकते हैं, यह भी हमें सफल होने का मंत्र सिखाती है। पेंसिल में पांच गुण हैं, जो सफल होने में हमारी मदद कर सकती है।

पहला गुण : जीवन में कोई चाहे कितना भी प्रतिभाशाली हो, उसे पेंसिल से लिखने के लिए एक सही हाथ की आवश्यकता होती है और यही हाथ हमारा मार्गदर्शन करता है। वह मार्गदर्शक या हाथ ईश्वर है, अत: ईश्वर को सदैव अपने मार्गदर्शक के रूप में देखना चाहिए।

दूसरा गुण : पेंसिल का मुख्य भाग ग्रेफाइट है। पेंसिल उतना ही सुन्दर लिखेगी, जितनी अच्छी ग्रेफाइट होगी। इसी प्रकार इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है कि हम देखने में कैसे हैं, बल्कि ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि हमारे अन्दर की सोच कैसी है।

तीसरा गुण : थोड़ा लिखने के बाद हम पेंसिल को शॉर्पनर से छीलकर फिर से इसे शॉर्प कर लेते हैं। इससे पेंसिल को कष्ट तो होता है, लेकिन उसके बाद इसकी लिखावत गहरी हो जाती है। अत: हमें भी जीवन में दु:ख और अपमान को सहनशीलता से झेलना चाहिए।

चौथा गुण : पेंसिल हमें किसी भी गलती को रबड़ के माध्यम से मिटाकर ठीक करने का मौका देती है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई गलती हो जाये तो हमें इसे मिटाकर स्वयं में सुधार लाने की आवश्यकता है।

पांचवा गुण : गलतियों को मिटाने के बाद भी कागज पर पेंसिल के निशान रह ही जाते हैं, मतलब यह है कि मामूली सी पेंसिल हमें यह बताती है कि जीवन में किये कोई भी काम पूरी तरह कभी नहीं मिटते, निशान रह ही जाते हैं। अत: ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिसपर पछताना पड़े।

अत: सफलता कई चीजों का मिश्रण है। यदि हम स्वयं को पेंसिल की तरह ढाल लें, तो शायद हमें सफलता के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ेगा।

राजेश सावैंया
KNT Chaibasa

Hard Work के साथ-साथ Smart Work

KNT परिवार के साथ मेरा Experience काफी अच्छा रहा है। मैंने 2020 में KNT join किया था, लेकिन join करने के तुरंत बाद ही देश में लॉकडाउन लग गया था। उस समय मैं अपनी Competition Exams की तैयारी शुरू कर रहा था। कॉलेज के वक्त ही मैंने ठान लिया था कि 19-20 की उम्र तक कोई अच्छी सी नौकरी ले लूंगा।

परंतु दुर्भाग्य से उस समय देश में लॉकडाउन लग गया। फिर मैंने घर में बैठकर ही ऑनलाइन पढ़ना शुरू किया। मैंने Competition Exams की कुछ किताबें खरीद लीं। गणित के सवाल खुद से हल करने की कोशिश करने लगा, समझ में नहीं आने पर यूट्यूब में देखकर समझना शुरू किया।

इस प्रकार करीब 1 साल तक ऑनलाईन तैयारी करता रहा। फिर 2021 में लॉकडाउन समाप्त होने पर KNT भी पुन: खुल गया फिर मैं भी रोज KNT की सारी कक्षाएं करता था। **मेरा मानना था कि ज्ञान कहीं से भी मिले, जितना भी मिले ले लेना चाहिए।** इसका परिणाम कभी न कभी अवश्य मिलता है। मैंने हर रोज कुछ नया सीखने की कोशिश की। मैंने पढ़ाई को चालू रखा। थोड़ा ही सही पर रोज पढ़ता था। मैं चीजों को रटना नहीं, समझता था। मैंने Hard Work कम, Smart Work ज्यादा किया। पहले Exams के Syllabus और Pattern को समझा और फिर सभी विषयों में बराबर ध्यान दिया। KNT में हमेशा शिक्षकों के करीब रहा और उनसे जितना हो सके, सीखने की कोशिश की। उन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया। आखिरकार मैंने 20 वर्ष की उम्र में प्रतियोगिता परीक्षा पास कर नौकरी हासिल कर ली।

अंत में सभी साथियों को कहना चाहूंगा कि अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहिए। छात्र होने के नाते आप अपनी पहली प्राथमिकता पढ़ाई को दीजिए। Hard Work के साथ-साथ Smart Work कीजिए। असफल होने पर निराश न हों। फिर दोबारा से कोशिश कीजिए क्योंकि इस बार मेहनत के साथ-साथ आपके पास अनुभव भी होगा, जो सफल होने में आपकी मदद करेगा।

श्री एमानुएल बांदिया
CISF(Ex.Student KNT CKP)

मोबाइल के नशे में डूबता युवावर्ग

आज छात्रों के पास कॉपी-किताब हो या न हो लेकिन उनके पास एक से एक मॉडर्न गैजेट्स देखने को जरूर मिल जाते हैं। मोबाइल, टैबलेट, आईफोन, नोटबुक, लैपी, ब्लूटूथ आदि लंबी लिस्ट है मॉडर्न गैजेट्स की। मैं इन मॉडर्न गैजेट्स के खिलाफ तो नहीं पर कुछ बातें जरूर कहना चाहता हूँ। जिस गैजेट्स ने युवावर्ग में अपनी पैठ बना ली है वह है मोबाइल। इसमें कोई शक नहीं कि मोबाइल छात्र-छात्राओं को उनके घर-परिवार से जोड़े रखता है और यह सही भी है। क्योंकि दूरसंचार माध्यम का यह सबसे अच्छा साधन है जो हमें अपनों से जोड़े रखता है। चूंकि आज सभी जगह अपराध एवं दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ गई है, ऐसे में माता-पिता का अपने बच्चों के प्रति चिंतित होना स्वभाविक है। जिसे मोबाइल अपने स्तर से उनकी चिंताओं को कम करता है। जो छात्र-छात्राएं किसी कारणवश स्कूल कॉलेज नहीं जा पाते, वे मोबाइल से अपने दोस्तों से क्लास की पूरी जानकारी हासिल कर लेते हैं। मुझे शिकायत मोबाइल से नहीं पर इसके बाद होने वाली परेशानियों से हैं।

मेरा मानना है कि मोबाइल छात्रों की जिंदगी और भविष्य बिगाड़ने में सबसे बड़ी नाकारात्मक भूमिका अदा कर रही है, उनका ध्यान पढ़ाई में कम Message में ज्यादा रहता है, उन्हें Mobile Mania हो गया है। सड़क में चलते समय मोबाइल, सड़क पार करते वक्त मोबाइल, स्कूटी या बाइक चलाते वक्त मोबाइल, खाते वक्त मोबाइल। लगता है मोबाइल

एक ऑक्सीजन हो गया, ऑक्सीजन तो नहीं पर कार्बन-डाई-ऑक्सीजन जरूर हो गया है। जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उसमें एक निश्चित कारण मोबाइल ही है। जब वे पढ़ते वक्त मोबाइल का प्रयोग करते हैं तो क्या पढ़ाई होती होगी? इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

मोबाइल द्वारा फोटो खींचना और खिंचवाने का गलत शौक छात्राओं के लिए अक्सर भारी पड़ जाता है, जैसा कि अक्सर देखा गया है। ऐसा भी क्या शौक जो आपको मुसीबत में डाल दे, और तो और थाना-पुलिस के चक्कर भी पड़ जाए।

मेरा मानना है कि जिंदगी को सकारात्मक या नाकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए पूरी तरह से हम जिम्मेवार होते हैं।

मोबाइल का गलत प्रयोग युवा पीढ़ी की बर्बादी का सबसे बड़ा कारण है।

अत: सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि अपने बच्चों को मोबाइल दें जरूर, लेकिन उनपर नजर भी रखें एवं इसका सही उपयोग सिखाएं।

राजेश सावैंया
KNT Chaibasa

KNT + एक मित्र

मैं डिग्री कॉलेज कुमारडुंगी में पढ़ता हूं परन्तु जब मैं चाईबासा सेमेस्टर-1 का परीक्षा लिखने आया था तो मुझे लग रहा था कि अभी हम कहां जाएं और क्या करें? तभी मेरी अपने बचपन के दोस्त प्रताप से मुलाकात हो गयी। हमदोनों बहुत ही अच्छे दोस्त थे, हर बात और दु:ख को एक-दूसरे के साथ बांटते थे। एक-दूसरे का साथ हमेशा देते थे और मदद करते थे। उस समय मेरे मन में एक सोच आया कि एक सही दोस्त के साथ रहकर ही अपना लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

मेरा दोस्त टाटा कॉलेज चाईबासा के हॉस्टल में रहता था, जब मेरे पास चावल आदि खत्म हो जाता था तो वह मुझे अपने हॉस्टल में बुलाकर खाना खिलाता था तो मुझे उस पर बहुत ही गर्व होता था और मुझे लगता था कि अपनों से इतना खुशी कभी नहीं मिली जितना मेरे दोस्त ने मुझे दिया। इस दोस्ती को हमदोनों ने भाई के रिश्ते में बदल दिया। किसी भी काम को अंजाम दिये बगैर हमदोनों पीछे नहीं हटते थे। हमदोनों का सपना है कि हमदोनों ही INDIAN ARMY में जाएं और देश की सेवा करें। हमारी पढ़ाई ठीक-ठाक चल रही थी परंतु मैं पढ़ाई में थोड़ा कमजोर था तो काफी परेशानी भी हो रही थी। तभी मेरे दोस्त ने KNT Coaching Center के बारे में मुझे बताया और कहा कि हमें भी कोचिंग ज्वाइन कर लेना चाहिए। इस प्रकार मैंने भी चाईबासा स्थित कोचिंग केन्द्र ज्वाइन कर लिया।

यहां सभी शिक्षकगण बहुत ही अच्छे हैं और इन सभी का व्यवहार भी छात्रों के प्रति बहुत ही अच्छा है। हमें यहां सभी चीजें अच्छी तरह से समझायी जाती है और साथ ही साथ अपने समाज और परिवार के साथ हमें कैसे व्यवहार करना है आदि बातें भी बतायी जाती हैं। हमें यहां हमेशा अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पढ़ाई कैसे करने से सफलता प्राप्त होने के ज्यादा अवसर मिलेंगे यह सभी बातें हमें यहां बतायी जाती है और कहा जाता है कि शिक्षा ही मंदिर है और यही हमें हपने लक्ष्य तक पहुंचा सकता है इसलिए हमें अपने गुरू को कभी भी धोखा नहीं देनी चाहिए। माता-पिता और परिवार के साथ कभी भी झगड़ा नहीं करनी चाहिए क्योंकि हमें माता-पिता अपना सबकुछ भूल कर हमें पढ़ाने के लिए मेहनत-मजदूरी आदि भी करते हैं। हर माता-पिता चाहता है और उसका सपना है कि उसके बच्चे अच्छी तरह से पढ़ाई-लिखाई कर नौकरी करें और माता-पिता का नाम रोशन करे।

यहां के शिक्षक हमें यह भी सिखाते हैं कि किसी भी प्रकार की कठिनाई हो तो हमें अवश्य बताना और यदि कुछ समझ में नहीं आ रहा है तो दोबारा बिना देरी किए पूछ लेना।

दीपक गोप
KNT Chaibasa

जब कभी रोती थी

आंखें खोली तो दुनिया नन्हीं आंखों से देखा,
हाथ थाम के वो मम्मी-पापा की,
डगमगाती लड़खड़ाती नन्हीं आंखों से देखा।
सबको मुस्कराती
जैसी अपनी मासुमियत में पूछती हो,
क्या, लड़की जन्म लेकर गलत किया?

थोड़ी बड़ी हुई समझ आने लगा,
भैया और मैं अलग क्युं,
मम्मी कहती लड़कों से दूर रहो,
लड़के दोस्त ना बनाओ।
समझ ना आनेवाले लाखों सवाल,
मन में उसके खुलबुलाते कि क्या,
लड़की जन्म लेकर गलत किया?
बढ़ती उम्र, बढ़ती उलझनें,
कहने को थे सारे सपने उसके .....
बढ़ती उम्र की दहलीज में आकर,
उसे एक लड़का कह गया
"तुम्हारी आंखें बहुत सुन्दर हैं"
कितना प्यारा लगने लगा था वो इंसान,
था भरोसा घरवालों से भी ज्यादा,
टूट गया था दिल जब एक दिन,
बिखर गयी उसकी आशा थी,
जब जिंदगी के इन मोड़ पर,
खुद को बहुत अकेली पायी।
इतनी उलझनें Study पर फोकस करें या Career पर,
उसने पाया, वो जिंदगी है उसकी
पर सपने खुद के नहीं,
वह अपने पहचान की नई दुनिया बनाना चाहती थी।
अपने सपनों को जीतना चाहती थी,
फिर याद आई घर-समाज
की मान-मर्यादा और इज्जत,
फिर आई समाज की नजरें,
उसे हर छोटी बात में दोषी ठहराती हैं,
बोलना चलना, सबकुछ देखा जाता है।
थक गयी वो खुद को साबित करते-करते,
हार गयी जब उसके घरवाले ही,
उसे समझ न सके।
खो गयी वो किसी पंखे के फंदे पर लटकती हुई,
खो गयी तो किसी छत में गिरकर,
जब वह कुछ कह नहीं पायी,
काश, वो किसी को पूछ पाती या बता पाती,
लड़की होना कोई पाप नहीं।
तुम्हारी बेटी....

शैलिता लागुरी
KNT Chaibasa

अलित्र: जिबोनरेया: कबोय

प्रताप पिंगुवा
KNT Chaibasa

ना: रबं सोमय हुजु:यना,
बगे ता:बु सबिनको पढ़व,
अयुमकेते सुखमती दई लंदाकेडा,
अलोम कजिया नेलेका प्रताप ऊंडी,
इनुंजाबु, निरेयाबु, जोमेयाबु झिलिपी।
सेता: आयुब अबु पढ़ावाबु,
सुखमती दई ओन्डो: कजी केडा,
एन कजि सोमजवयनंज,
लन्दा इनुंगते प्रताप उन्डी,
नाआ: ताआएते ओन्डो: सबिन मुसिंजे: पढ़ववा:।।

मुसीबत के समय दोस्त

किसी जंगल में एक आदमी शिकार करने के लिए गया। उसने देखा कि एक पक्षी पेड़ के ऊपर बैठी थी। उस आदमी ने लालच के मारे उस पक्षी को मारने का सोचा और बपना बंदुक चलाने वाला ही था कि नीचे से चींटी आकर उस आदमी को पैर में काट दिया और पक्षी मरने से बच गयी। एक दिन चींटी नदी पार कर रहा थी, उस समय पानी अचानक से बहुत ज्यादा आ गयी। उस समय चींटी डूब रहा था और वही पक्षी उड़ते-उड़ते नदी के पास पहूंची तो उसने देखा कि चींटी पानी में डूब रही है। पक्षी ने पेड़ से एक पत्ती अपने चोंच से तोड़कर लाया और पानी के ऊपर गिरा दिया।चींटी उस पत्ती के ऊपर चढ़ जाती है और वह डूबने से बच जाती है। उस दिन से उन दोनों की दोस्ती हो जाती है और दोनों आपस में काफी प्यार से रहने लग जाती हैं। इसलिए कहा जाता है कि मुसीबत के समय दोस्त ही काम आता है।

कहा जाता है कि एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए, तभी खुशी मिलती है, तभी जिंदगी में आगे बढ़ने का साहस एवं रास्ता मिलता है।

सावित्री हांसदा
KNT Chaibasa.

सदस्यों / पदाधिकारियों की कलम से

शिक्षा का महत्व

श्री जगदीश चन्द्र बिरूली
निगरानी समिति अध्यक्ष,
KNT Chaibasa

शिक्षा मनुष्य के जीवन में एक वास्तविक धन की तरह है। वर्तमान समय को देखा जाए तो कोल्हान नितिर तुरतुंग को सामाजिक संगठन का मंच बनाना काफी सराहनीय है। क्योंकि प्रत्येक समाज अपने समाज को भविष्य की रणनीति बना कर चलती है। आज के समय में हमारे कोल्हान प्रमंडल के मुख्यालय चाईबासा के इर्द-गिर्द कोल्हान नितिर तुरतुंग के माध्यम से समाज के बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ना, सही दिशा निर्देश देना, रोजगार स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन देना ही कोल्हान नितिर तुरतुंग का एक मुख्य उद्देश्य है।

इस संदर्भ में हमारे समाज के देश के कोने कोने में जीवन यापन करने वाले शुभचिंतकों, बुद्धिजीवों का एक आर्शीदान स्वरूप सहायता देना वाकई में काफी अदभुद तारीफ है।और इस तरह से कोल्हान नितिर तुरतुंग को चलाने के लिए हमारे केंद्रीय कमेटी, पदाधिकारियों, संरक्षक, सलाहकार, निगरानी समितियों एवं सदस्यों का काफी योगदान रहा। और आगे भी सभी का मार्ग दर्शन पर रणनीति बनाकर चलती रहेगी। इसी सोच को बदलने के लिए शिक्षा का एक महत्वपूर्ण स्थान है और जीवन भर हम इसका उपयोग कर सकते हैं। शिक्षा एवं शिक्षित लोग ही असल में समाज और राष्ट्र रूपी असली रत्न के रूप में है।

क्या कहेंगे लोग ?

श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू
(संरक्षक, कोल्हान नितिर तुरतुंग)

लोग (वो) क्या सोचेंगे..... में मत सोचो, ... वो भी सही सोच रहा है, एक समय लगेगा।

मुझसे कहते थे ..... ये है दस रूपये और मेरी फोटो खींच दे ..... अगर मैं यह सोचता कि लोग क्या कहेंगे, तो मैं आज सही नहीं होता। दुनिया का सबसे बड़ा रोग ..... क्या कहेंगे लोग?

जिन्दगी जितनी कठिन (संघर्षपूर्ण) होगी, आप उतने Strong (शक्तिशाली) बनोगे। आप जितने Strong बनोगे, जिन्दगी उतनी ही Easy बनेगी।
किसी काम के लिए हमेशा Positive सोच (सकारात्मक सोच) के साथ करो, उतना ही आप (स्वयं) Motivate होते चले जाओगे एवं निर्धारित लक्ष्य (AIM) तक निश्चित रूप से पहुंच जाओगे।

जब भी आप खुश होते हो तो, समझो कब होते हो..... और जब भी आप दु:खी होते हो तो समझो, कब होते हो एवं क्यों होते हो।
अगर हमें इतना सा समझ आ जाए, तो हम उस समझदारी (Understanding) को 24 घंटे उपयोग (Apply) कर सकते हैं ..... पर समझ आये तो सही।

सफलता हेतु पूरे दिन मोबाईल में घुसे रहने, यूट्यूब/फेसबुक/इंस्टाग्राम में टाइम पास करते रहने से नहीं मिलती, बल्कि पूरे दिन ईमानदारी से लक्ष्य के प्रति मेहनत करते रहने से मिलती है।

अत: स्वयं पर विश्वास करें, आत्मविश्वास रखें, जिन्दगी के हर कदम में सफलता प्राप्त होगी। तात्पर्य/सार यह है कि क्या कहेंगे लोग, ये कभी अपने मन में उत्नन्न होने नहीं दें।

रेंगे:-रबंग-मियड् उडु: रेया: रिंगा

रेगें:-रबंग हो:को समाज रे एसु पुरा: कमजोर दृष्टि तेको लेल कोवा। नेना नेपेल सामाजिक उडु:रेया रींगा नेपेल एसु मारंग श्राप। रेंगे: भावना होनकोरे ऐसु मरांग कलंक ताना। रेंगे: हो हातु:रे ओण्डों प्रदेशरे: सुकुते काये: टाई दाईया। आया ऐरा, सोबेन हिली ऐरा मेनतेको अरगाईया:। आबुवा: हातु दिशुमरे नेलका रेंगें: कोतेरते कको मुन्डीयो:वा, कामी-नाला, ईंटाभट्ठा कोते को सेनोतना, ऐनामेनते, हो:कोवा: मानसिक विकास का होबावतना:, चेतन उडु: शक्ति रेया विकास बनोवा:। खराब कामी रेया जीबोन रे उडु: बोलोवा, कोवा होनको, कुम्बु-जुम्बुई कामी कोको कामीया, आरकी-डियांग नु:नुतेयाको नमा। ऐरा होनको गलत होरा कोतेको सेनेया, रन्डीजन ऐरा, होनको आसुल लागीडद्य, लाई: लागीड् सोबेना आकरींगे: ते:या को नमा। रेंगे: कोतेरते होमो: ओण्डो: जिबोन उडु: बारीया गाल् गोसोंवा:, मिसा गोसोयन "बा" हुजु सिरमा ऐनांञ बा:ओवा, ऐनाव दाआ: गामाको बुगेते सुमुकि: ऐनां। रेंगे: हो बुरूकेन रेंगे:ते, गाड़ाकेन कातोरते तेनाकना (दाबोना काना)। असल रे सारी काजी दो नेना:। रेंगे: तनाको मेनेया दो समाज रेया: विकृत रूप नेना, काजी जुड़ीयो का जुड़ीयो नेना सारी काजी।

सिदा रे सिंगबोंगा, पोवा:केना, पूंजीकेना, होरोकेना:, चांतोर केना, नेन ओते दिशुम मे:ए बाईताडा मानवा कोवा: सुकु लगिड् ओकोए नेन सुकु जीबोन रेया: उडुउ ऐतो केडा ऐन मनवा होन को तिसिंग सुकुरे मेना कोवा।

मेन्दो ना:आवगे मेना काना होको चना:को दोषी केडा ओण्डो चिना: मेन्ते: सृजन समय आएते एटा सुख-समृद्दि रे मेना:तन हो:को लेका आबुवा: होको चिना:मेनते सुख-सुविधा रे बांकोवा।

नेना रेया जवाब नमदो कठिन मेनाआ: रेयो नामेतेया कोशिश मेनाआ:।

(1) पहला जगर रेंगेतनाले - नेना दो सिंगबोंगा: श्राफ दो बनोगे।

नेना दो उडुऊ: रेया कमजोर उडुउ। ओंण्डो नेलेका जगर, ऐन हो:को जगारेया, ओकोए मुसिंगवो सिमकोराआ:रे उटाकेनते कऐ: उडुड ताना चि: अं रेंगे: चिलिकाते दु:रेया। ओण्डो अं रांसा-बांसा चिलिकातें: टाईना।

(2) ऐन:दो रेंगे: ओकनायेते हुजुयाना?

रेंगे:-राबांग दुमांग लेका साढ़ीतान बुरूकेन मारांगा, गाड़ाकान लेका जिलिंगा, चिलिकाते जिलिंग इडोतना:

रेंगे:? ऐनारेया: जवाब दो हो होनकोवा उडु:रे रिंगा मेना (अच्छा सोच की कमी)।

रेंगे:-राबंग सिदा: पहिला जन्म रेया: फल दो का:ताना। सिंगबोंगा: फैसला का:तना सिंगबोंगा ओण्डो: देवी-देवता कोवा: दान्डे का:ताना। नेना सिर्फ बुगिन उडु:रेया रींगा (अच्छे सोच की कमी)। जोबोरदोषी हो:होनको रेंगे: को बाईकेडबुवा:, उडु: काबु ऐतोकेडा, दिकु कोवा: चाकड रे:बु चाकड जाना:।

रेंगे:होनकोवा: ऐजेंटे देगा-देपेंगा रेया: रिंगा आये:तेगे उडु: रेया हीन भावना बोलो जाना। जीबोनरे, आंञ कंञ दाइगे:या मेनतेया:सुमांग जीबोनरे उडु: बोलोजाना। मिसा जाकेड् चिलकाते रेंगे: तेतांञ सयते उठाना, जोका जाकेड् काबु उडु: केडा। नेना रेया: उपाय मेना, यदि साबेन हो होनकोबु उडु: दाईया, सिंगबोंगा, होमो: ऐमाड्बुवा:, लाई: रेंगे: ऐमाड्बुवा:, ऐनरेवो मियाड् लाई: काबु आसुल दाईताना, ऐना लागिड् तिसिंग दो पॉच किलो रेया खोपड़ी ची हातांञ जबतक पाईटीरे काबु आगुईया नेना रोग को जोरोंञ जुगु नेकागे ताईना। ऐनामेन्तु दुलाड़: हागा-मिसीको बुगिन उडु: कोबु ऐतो जोमा। ऐनामेनते नेने रेंगे: राबांञको हार दाईयो: नेना रेया: शक्ति दो आबुवा: होमो रेगे मेना, बुगिन उडु:, बुगिन जागर, बुगिन किताब कोबु पढ़ावया।

तारा-मारा होको रेंगे: दो श्राप सोमजवकेनते सिंगबोंगा: आशीर्वाद को सोमझावनताना। नेना दो सिदा जिया-तताको सिंगी-चान्डु रेया: कहानी लेका भ्रम काजीको। नेनलेकान काजी को आपनतेगे धोखा जोमेतान लेकान काजीतना। रेंगे:तनाले चिकाया। चिकाये लागिड् दो इसु पुरा: होरा मेना:। डियांञ आरकी बुलो रेदो चिलकाते इमिन पुरा: जागर उडु:ना। मुसिंग लेका सिमकोराआ: रे, ऐंगा-आपुको: जागरतना। बस डियांञ आरकी नुकेते हप्ता रे, बानरेदो पोरोब पोनाई रेदो गोंपोदे जरूर होबनतना। ओकोन ओवा:रे लांदा जागार बनो:वा ऐन ओवा:रे लक्ष्मी काआ: ताइना। चिलिकाते ऐन ओवा:रे शान्ति बनो:जना।

आबुवा: होकोवा हातु-दिशुमरे चिमिन ओवा:रे बुगिन उड़ु:, बुगिन जागर, विकास रे:या जागर होबनतना, सेबेन रेंगें:गेबु उड़ु: दाईया। आबुवा: उड़ु: रेया इच्छाशक्ति तोरांञ चिमिन मेना:?

सामाजिक उड़ु: रेया: रिंगा मेना। आबुवा: समाजरे चिमिन होको मेना:बुवा, समाज बनचाव लागिड् मागे पोरोब आबुवा: साबेन पोरोब को:रेया मरांग पोरोब चिमिन हो:को मांगे बोंगा, मागे पी, मागे बोंगा दिऊरी लेलबु सेनतना, चिमिन हातुरे नेना जरूरी सोमझावाकेन तेबु सेनो:तना। ची उड़ु:उइतना दिऊरी गेदा बोंगाया। ऐना रेया मतलब दो एना उड़ु:गे ताना। दिऊरीगे ठीका इडाकाडा। ओकोया धर्मगे ठीकादारी प्रथा: सेनो:तना ऐन समाज रेया चिना: होबोववा:। आबुवा: समाज रेन नामा सेपेड्को चिमिन हो:को दुमांग रू:अदाना इनिया: ती:रे सुसुन अकाड़ा रेया संचालन होबाववा:। दासीको दुमांग रू:को अदाना, संचालन आकोवा: ती:रे ताईना। दासीको रू:इताना दुमांञ, आबुवा: मिसीको सुसुनतना, आबु तमासाबु लेलतना। अबुवा: समाज ओकोते सेनो:तना, काबु काजि दाईतना।

होहोनको नेन दिशुम रेबु जोनोमाकना, दिरी-दारू ओण्डो हासारेया कीमत काबु सोमजावनरेदो नेकागेबु मेनेया, "रेंगे: तनाले चिनाले चिकाया?" आपे सुमाड्दो कापे रेंगे:तना, गोटा भारत दिशुम रेंगे: दिशुम। ऐना मेनते, इंजीनियर, डॉक्टर पढ़ावकेन तेया एटा दिशुम नोकरी नामको सेनोतना। नेना सिर्फ उड़ु:ऐतो रेया जागर। ऐना सारी जागर, इसु पुरा: हातु दिशुमरे: आयुमोवा, आंञा भाग्य रे बानो:जना। नेना दो लाञडिया उड़ु: रेया: नौकरी जगर। चिलकाते सिंगबोगा साबेन मानव होनको मिसा-मिसा सोबेन अवसर ची मौका ओमाड्कोवा, ओकोय एन मौका उरूमकेडा, इनी: रेंगे:रेया दुखु: दूर जाना। ओकोय ऐन मौका रेया उरूम काये: ऐतो केडा, ऐन हो रेंगे:रेया हांगीरे: डाबुरा जाना।

सिर्फ ऐन लेका उड़ुई:तन होको उदाहरण लेकाको जागारेया, आलेयो: आकोलो: ले पढ़ाव केना, नाआ:दो नोकरी तना। बस ऐनागेबु काजिया, "रेंगे:तनाले चिना:ले चिकाया" (समय रेया: सदुपयोग)। काजी रेया बाजी, हाटरेया दर लेका काबु सेसेनतना। आबु सोबेन होको ओतेहासा मेना:तन होको तनाबु, नेन दिशुमरे का: ओतेहसान होको बुगिलेकाको आसुलाकना। डियांञ दो हरोबकेनबु नु:केडा, पढ़ाव चिनामेन्ते हारोबकेन काबु पढ़ावजना। ओकोता:रे रिंगा होबाजना मारबु: विचारेया।

सिमपाड़ारे सुमांञबु बाजी केडा, पढ़ाव रेया मुसिंञ जाकेड बाजी बनोजना। पढ़ावरे: बाजी बनो:जना। आबुवा: सिम-सुकुरी-मेरोम जाकेड् हटा:रेया दरका आयुमकेते मुसुला चाकडकेडबुवा:, नेनताआ: गियुतेबु चकाड्जना। ओकोता:को बागे केड्बुवा:। आबुवा: रेंगे:रेया कारण नेनाको। गरीबी दो फिजूलखर्च। फिजूलखर्चा सोबेन कोयते खतरनाक रोग चि: सेबे।

बुगिन सेबे बुगिनगेया, खराब सेबे खराबगेया। पहिलाते फिजूलखर्च, सीमपाड़ा, डियांञ गोदाम, सीमपाड़ाता:बु सेनोवा: जीतावो:जनरेयो आबुवा: हो:गे, हरावजनरेयो: आबुवा: हो:गे। नेना खराब सेबे। बारो: हो:किंञ इतुकेडा। नेन लेकागे चिमिन हो:कोबु सेबेकोतना, खराब सेबे डियांञ गोदाम, अकारिंञतनी: आबुवा: मिसी ऐरा, किमिन लेकानी, नुईतानाबु सोबेन हगा-मिसी नेना खराब सेबे, सोबेनबु सेबेकोतना। नेना खराब सेबे।

"कजियाबु रेंगे:तना ले चिना:बु चिकाया।" रेंगे:दो दु:खु ओड़ो रिंगा रेया शुरू (एटे:)। मानवहोन सृजनरेया बुगिन चीजको लेले:या ऐन बुगिन चीज को नामेतेया सनांञ ताइना। ऐनाको का नाम दाईयो तेया: उड़ुरेया रींगा मेना। मन सनांग चीज को का नाम दाईयो तेयागे रेंगे:रेया अटकर होबवा:। नेना:ते ओण्डो: चिमिन दुखु:रेया काजी, सुखु-सनांञ, मांडी का नामोतना, लिजा-डेंगा, ओवा: दुवार। सनांञ दो इसु पुरा: होबाना, बाजार सेनोजनरे सिबिल-सिबिल तेया:को ले:केरे जोमेगे सनांञा:। बुगिन लिजा:लेलकेते हाया:गे सनांञा:। रेंगे:हो जिबोनरे उड़ु:केते मोनगे: गोसोया। ऐना लेकाते जिबोनरेया: उड़ु:कोगे बागेता:, जिबोन निराश चबावआ:।

एसुएसु पुरा: जागरको पढ़ावकेड् रेय: हुडिंग-मरांञ हो:कोलो जगरजनते चिरगालजना। रेंगे:दो आबु हो:कोरे एना मेन्ते:मेना। आबु बेहिसाब लांडिया:, बेहिसाबबु गियु:मेना, आबुवा: डउ:रे क्रियाशीलता बनो:, सहनशीलता बनो:, कर्मठ बांञबुवा: नेना रेंगे:रेया जड़ ची

मुंडी दो। ऐसु पुरा:होको मेनेया रेंगे: ओवा:रे जोनोमजना। ऐनादो काबु काजिया चि जन्म रेदो सोबेन अनपढ़ टाईकेना। ऐनदो जागर चिकाबु ऐतो केडा। ठीकगेया गरीब ओवा:रे: जोनोमजना, लंगड़ा-लूला, अंधा-बहरा दो काबु जोनोमजना। "इच्छाशक्ति, मरांग उडु:", मरांग हो चिलकातेबु बाइना, ऐना रेया दो बुगिन उडु: मुसिंगजकेड् काबु उडु:केडा। उडु:केडरेयोबु केड़े: जिबोनते काबू उडु:केडा। फिजुलखर्ची "बेड़ेजोर खराब सेबे।" शुरूरेदो कोमगे: खर्चाया, चनाबदो कड़ीके तेरेयो: खर्चाया, चिकाचि नी: खराब सेबे: सेबेजना। सिरमा सिंगबोंगादो हुजुकेते बुगिन ऐतोकागे ऐतोबुवा। रेंगे:लो: ओकोए लड़ाईया इनी: साबेनको देंगाईया, इनीं दिशुम रे एसकर बंगाइया। सामाज रे बुगिनलेकन होको देंगाको ओमाइया। रेंगे: हो अपन-अपनते: कुलिनका चि आंज चिनामेनतें रेंगे: तना:।

मनोवैज्ञानिक कोवा काजीमेना, ओकोए राजाको लेका: उडु:या इनी सेंया नामेया। ओकोए जीवन रे हीन भावना बोलोजना इनीं नेन जोनोमरे: काये: उठा दाइया:। ओको हो: आया: कामी-पाईटीकोरे, आया विश्वास बानोजनाजना इनीं पाईटीरेया क्षमता चाबावोवा, मोलोंज रेया: हातांजदा: चाबाववा:। ऐन हो जान पाइटीरे सफलता काये: नामेया। जिबोनरेया गोटा उडु: उडु:जोका हो ता:रे मेना इनीं मरांज उडु: उडु:दाइया। इनी मरांग ओण्डो बुगिन होराते: सेन दाइया।

"जिबोनरेया मरांज उडु:रे जिबोनरेया सार होरा मेना।" मरांग उडु: रे ओकोया: आस्था मेना: इनीं उन्नति दाईया। नेना उन्नतिरेया पहला सेसेनतना। जिबोन रेया: उडु: प्रति ओकोया आस्था मेना: इनीं आत्मवश्वास होबाववा। मोनरे: आया:पे: तेगे निराश जिबोनरे सुवा:सुवाते उन्नति रेया होरा कोए उरूमेया। मुश्किल सोमयरेयो: रांसा जिबोनत पाईटीको:ए पारोमेया। ऐन हो:ता:रे ऐना रेया तौर-तरीका को: ऐतोया।

आत्मबल नेनागेको मेता:। "आत्मबल रेया पे:दो" दोया सिदिर रेया जागी लेका जांग तना। जीबोनरे सुखु ओण्डो दु:खु मेना नेना साबिनबु अदाना। नेना दुखु दूर लागिड् "जीबोन केटे उडु:ते दाबोनोवा।" हुजु: सोमय लागिड् ओकोए पहिलाते रेडी ताईना इनीं जीबोनरे उन्नति होबाववा। सिंगबोंगा इनीं देंगाइया जो हिम्मत ते: पाईटी इडिया। नाईकी बाईञन लागिड् गियु: ओण्डो लान्डिया बागे:ते होबाववा:। गियु: बागेकेरे: आत्मविश्वास बढ़ाववा। आत्मसम्मानने: अटाकारेया एन हो: सोबेन पाईटी पाईटी दाईया। जान पाईटी हुडिंग मरांग बानोजना पाईटी दो पाईटीगे। जीबोनरे पाईटी तेया सेबे होबनरेदो गियु: आये:ते निरा। जिबोनरे पाईटी रेया हिम्मत हुजुवा:, पईटी लगिड् जान बहाना का होबववा:।

लान्डिया ओण्डो गियु:तन हो जिन्दगी रे तरक्की काये: दाईया। लान्डिया-गियु: हो:को ओकोन मुसिंग बागेयको ऐन मुसिंगेत तरक्की होबाना। नाईकी बाईन लागिड् रांसा जिबोनते पाईटीते होबाववा:।

ईमानदार दो मेना: आबु हो:कोता:रे नेना व्यवहारिक रूप रेबु आगुईया, जो ऐटा को:कोबु आकर्षित दईयाको ऐन लेका पोएसा-टाकावोबु: आकर्षित दाईया। सारी काजी व्यवहार ओंण्डो पवित्रता ने गुण् सम्पन्न हो:कोता:रे टाका पोएसा हुजुवा। ने दिशुमरे ऐसु पुरा: टाका-पोएसान हो:को बाईयाकाना आकोता: सारी काजी मेहनत ओंण्डो योग्यता। दिशुमरेन सोबेन हो:को गिती:दु:माकन सोमायरे नेको मेहनताको:, ताकि लान्डिया हो:को:को पाइटी लाआ:कोवा। नेन दिशुमरे ना:जाकेड् रेंगे:-राबांज हो:को मेना कोवा, ऐन रेयो: मेहनत ओण्डो: योग्यताते हो:को आयेरको बढ़वनताना। नाईकी बाईन लागिड् निराशावादी उडु:को बागेते होबाववा:। हिम्मत ते पाइटि ऐटे:ते होआववा। आशावान लो:ते कर्मठ बाईनते: होबाववा। मनमनातिंज लान्डिया, गियु कामी रे अरूचि, नेनाको लान्डिया कमजोर हो:कोवा: उडु:को। नेन लेकन कमजोर उडु:को विनाश होरातेको सेनेया। कठिन परिस्थिति लो: लड़ाईतन हो:वा: होमोरे कार्यशक्ति पे: जामाववा:। नेना पे: लगातार कार्यशक्ति होकोता:ते हुजुवा:। विश्वरेन तमाम नाईकी हो:को आशावादी को ताईकेना। आशावादी हो:को हर समय रांसा-बांसाको टाईना। नेलेका विचारतनको अपना: जीबोनरेको उन्नति ताडा। नेन सिद्दांत रे सेनेतान हो:को सुख-समृद्दि को नामाकडा।

श्री गोपाल कृष्ण सोय
सचिव, कोल्हान नितिर तुरतुंग शाखा, कुचाई।

भारतीय संविधान की मूलभूत जानकारी

भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है और यह विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इस संविधान में कुल 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूची और 22 भाग हैं। संविधान के मसौदा समिति के अध्यक्ष भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य वास्तुकार माना जाता है जो देश की अद्वितीय सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को ध्यान में रखते हुए देश को मार्गदर्शन और शासन करने के लिए एक व्यापक और गतिशील ढांचा प्रदान करता है। संविधान तैयार करने में 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन का समय लगा। इसे 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित कर 26 जनवरी 1950 से देश में लागू किया गया। इसलिए आज भी हमलोग इस ऐतिहासिक दिन को संपूर्ण भारत में गणतंत्र दिवस के रुप में मनाते हैं। भारत का संविधान हमारा देश का सर्वोच्च नियमावली है, सर्वोपरी है, सर्वमान्य है और अनिवार्य भी है। इस संविधान के अनुच्छेद 51(क) के अनुसार देश के प्रत्येक नागरिक को संविधान का पालन करना अनिवार्य है क्योंकि संविधान से ही देश की सरकार चलती है, संविधान ही हमारी राजनैतिक शक्ति का स्रोत है, संविधान में ही देश की सभी समस्याओं का समाधान है, संविधान में ही समस्त नागरिकों का समस्त अधिकार निहित है और संविधान ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस संविधान में संघ और राज्य क्षेत्र से लेकर नागरिकता, मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निदेशक तत्व, संघ और राज्यों के बीच का संबंध, सेवाएँ, संसदीय और विधायी शक्तियां, लोकसभा, राज्यसभा, विधान सभा, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद, विधायक, मंत्री, निर्वाचन प्रक्रिया, राजभाषा, अनुसूचित जाति व जनजाति के पांचवी अनुसूची क्षेत्र में शासन प्रशासन और विशेष अधिकार, नगरपालिका, पंचायत, सहकारी समितियां, सरकार के कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका, मंत्री परिषद और लोकसेवा आयोग आदि का विस्तार से वर्णन किया गया है। संविधान देश का न्यायिक दस्तावेज है जिसे देश के सभी नागरिकों को मान्य है।

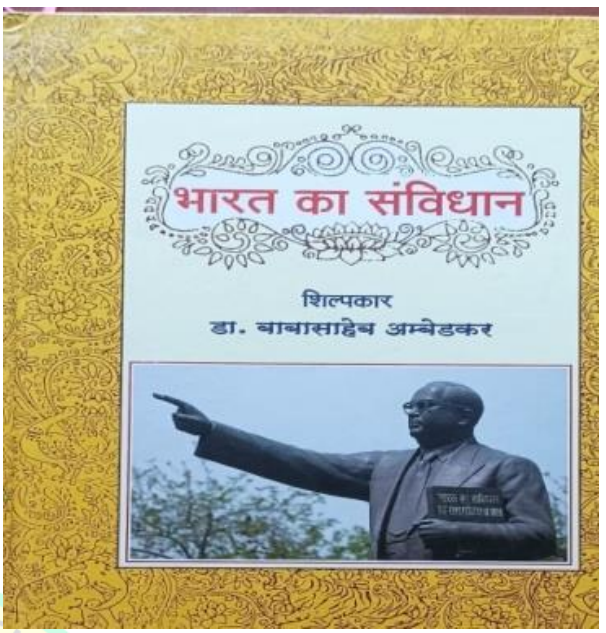

अतः हम सभी भारत के नागरिकों को संविधान पढ़नी चाहिए और इसकी पर्याप्त जानकारी रखनी चाहिए। जिसे संविधान की पर्याप्त जानकारी है, उसे कोर्ट कचहरी और न्यायालय का चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि संविधान में ही सभी समस्याओं का समाधान छिपा हुआ है और संविधान में लिखित बातों को कोई नकार भी नहीं सकता। सुझाव है कि संविधान की पुस्तकें हर घर में हो, स्कूल कालेजों में, समाजिक संगठनों में और सरकारी कार्यालयों में पढ़ने व संदर्भ के लिए रखी जानी चाहिए ताकि भारत के हर नागरिकों को देश की विधि-विधान, शासन व्यवस्था, अधिकार-कर्तव्य तथा नियम-कानून की जानकारी हो और देश में निर्भय होकर अपने परिवार व समाज के साथ कदम से कदम मिलाकरकर आन-बान-शान, मान-सम्मान और समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व, न्याय के साथ-साथ सामाजिक, संस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से मज़बूत होकर सुखी, शांति और आनंदमय जीवन बिता सके।

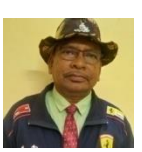

श्री माझीराम जामुदा
केन्द्रीय अध्यक्ष, कोल्हान नितिर तुरतुंग एवं
भूतपूर्व सैनिक

अनुकरणीय व्यक्तित्व : शिक्षा एवं समाज हेतु सर्वांगीण विकासार्थ कार्य

स्व. श्री पूर्णचन्द बिरूवा

टाटा कॉलेज की स्थापना करनेवाले श्री पूर्णचंद्र बिरूवा जी का जन्म 8 जुलाई 1917 को मंझारी प्रखंड के बड़ा लगड़ा गांव में एक प्रतिष्ठित व रसूखदार मानकी परिवार में हुआ था। श्री पूर्णचंद्र बिरूवा की प्राथमिक शिक्षा मंझारी प्रखंड में हुई। फिर एसपीजी मिशन बालक मध्य विद्यालय तथा बाद में जिला स्कूल चाईबासा से पढ़ाई की। इसके बाद स्नातक की पढ़ाई साइंस कॉलेज पटना से पूरी की। उस जमाने में वे हो समुदाय के गिने-चुने ग्रेजुएट लोगों में शामिल थे।

पटना में रहने दौरान ही उनको एहसास हुआ था कि चाईबासा में भी एक डिग्री कॉलेज होना चाहिए ताकि यहां के लोग भी उच्च शिक्षा ले सकें। पटना से लौटने के बाद उन्होंने इस दिशा में अभूतपूर्व कार्य शुरू किया। कॉलेज खोलने की योजना लेकर वे स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारियों से मिले, गांवों में अभियान चलाकर ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया व सामर्थ्य के अनुसार आर्थिक मदद की गुहार लगाई। नतीजतन कॉलेज भवन बनाने के प्रस्ताव को ग्रामीणों ने स्वीकार कर लिया और स्वेच्छा से चार आना व एक मुट्ठी चावल चंदे में दिया। जिसमें मतकमहातु (महुलसाई), गितिलपी, हेसाबासा, किड़ीगोट के रैयत शामिल थे। सबसे अधिक जमीन महुलसाई के देवगम टाईटल वाले जमींदारों ने दी थी। हो समाज के शिक्षाप्रेमी, बुद्धिजीवी व स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ मिलकर टाटा कंपनी से भी बात की।

तत्पश्चात टाटा कंपनी ने टाटा कॉलेज के नाम से एक शानदार बिल्डिंग बनवा दिया। उस समय टाटा कॉलेज की भव्यता को टक्कर देनेवाला कोई दूसरा कॉलेज कोल्हान में नहीं था। साईंस की पढ़ाई तथा प्रयोगशाला बहुत बढ़िया था, वर्तमान कोल्हान यूनिवर्सिटी भी इसी कैंपस में बना है।

तत्कालीन उपायुक्त श्री बालेश्वर प्रसाद, जिला निरीक्षक संत प्रसाद, उद्योगपति सीताराम रूंगटा, जैन परिवार, अधिवक्ता तारकनाथ राय, फादर नैंस, फादर नीऊ, सुनील सेन, नीरज बनर्जी, सत्येंद्र गुप्ता, कानूराम देवगम, ब्रजमोहन पुरती, घनश्याम पुरती, लक्ष्मण पुरती, प्रधान सावैयां, सामूचरण तुबिड, सुरेन तामसोय समेत अन्य लोगों का भी योगदान था।

श्री पूर्णचंद्र बिरूवा राजनीति में भी उतरे और विधायक, सांसद तथा बिहार सरकार में वन मंत्री भी रहे। इस दौरान उनकी छवि हमेशा विवादों से परे रही। 1948 में चाईबासा जिला परिषद के गठन में भी पूर्णचंद्र बिरूवा का अहम योगदान था। सत्ता विकेंद्रीकरण के लिए गठित इस परिषद में सामुचरण तुबिड चेयरमैन बनाये गये थे, जो पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी श्री जे.बी.तुबिड के पिता थे।

चाईबासा में पूर्णचंद्र बिरूवा के नाम पर है सड़क तो टाटा कॉलेज में लगी है प्रतिमा पूर्णचंद्र बिरूवा की याद में चाईबासा के टुंगरी में एक सड़क का नाम उसके नाम पर रखा गया है। जिसको पीसी बिरूवा पथ कहते हैं। इसके अलावा टाटा कॉलेज परिजी में उनकी एक प्रतिमा भी स्थापित है। इसकी स्थापना आदिवासी हो समाज महासभा की सेवानिवृत्त संगठन ने करवाई थी।

(KNT-94)

कोल गुरू लको बोदरा

कोल्हान नितिर तुरतुंग
(आदिवासियों का समाजिक संगठन)
पता – मानकी-मुण्डा समागार,चाईबासा,पश्चिमी सिंहभूम,झारखण्ड -833201
कोल गुरु लको बोदरा की पुण्यतिथि पर सुमन श्रंध्दाजली
लको बोदरा
आस्ट्रोएशियाटिक भाषा समूह के हो आदिवासियों के हो भाषा के वारङ चिति लिपि के पुरोधा,अन्वेषक और प्रचारक थे। हो भाषा को तितिर करने के लिए इसका अनुसंधान कर हो वर्णमाला की रचना कर असंख्य भेंट प्रदान की। और समाज की कुरीतियों एवं अंधविश्वास को दुर करने का प्रयास किया। उन्होंने एक "कोल कल आदि संस्कृति" नामक पुस्तक में हो समुदाय के जन्म,शादी,मृत्यु एवं पर्व त्योहार के विधि विधान का प्रतिपादन किया।
जन्म – 19 सितम्बर 1919 देहांत - 29 जून 1986
आदिवासी युवाओं के शिक्षा,रोजगार और स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन हेतु समर्पित टीम

ओत् गुरू कोल लाको बोदरा जी का जन्म 19.09.1919 को पश्चिम सिंहभूम के खुंटपानी प्रखंड स्थित पासेया गांव में हुआ था। उनकी आरंभिक शिक्षा बचोमहातु और पुरनिया प्राथमिक विद्यालय व 10वीं तक की शिक्षा जिला स्कूल चाईबासा से हुई, उन्होंने जालंधर सिटी कॉलेज से होम्योपैथी की डिग्री प्राप्त की।

ओत् गुरू कोल लाको बोदरा जी ने चालीस के दशक में हो भाषा की लिपि वारंड.चिति का अविष्कार किया था। इस लिपि के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने झींकपानी में आदि संस्कृति एवं विज्ञान संस्थान (एटे: तुरतुंग सुल्ल पिटिका आखड़ा) की स्थापना की थी। यह संस्थान आज भी हो भाषा-साहित्य-संस्कृति के विकास के लिए कार्यरत है। ओत् गुरू लाको बोदरा जी ने हो भाषा (वारंडचिति) से संबंधित अनेक पुस्तकों एवं एक वृहद् शब्दकोश भी तैयार किया था। इनकी मृत्यु 29.06.1986 को हुई थी।

श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू

आपका पैतृक गांव दोकट्टा, झींकपानी, पश्चिम सिंहभूम है। आपने भारत के सर्वोच्च प्रबंधन संस्थानों में से एक जेवियर श्रमिक प्रबंधन संस्थान, जमशेदपुर से कार्मिक प्रबंधन एवं स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। वर्ष 1991 में संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा राजपत्रित अधिकारी के रूप में चयनोपरान्त आपने देश के विभिन्न राज्यों में सहायक श्रमायुक्त/उप-कल्याण आयुक्त/क्षेत्रीय श्रमायुक्त एवं कल्याण आयुक्त जैसे प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया है। लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों के कार्य हेतु मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आपका मनोनयन नोडल अधिकारी के रूप में किया गया। इस अवधि में आपके कुशल नेतृत्व में प्रवासी मजदूरों के कल्याण हेतु अनेक अविष्मरणीय कार्यों को अंजाम दिया गया।

वर्तमान में आप अप्रेल-2021 से बिरसा कृषि विश्वविद्यालय कांके, रांची में अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) के पद पर कार्यरत हैं। श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू जी शुरू से ही विनम्र स्वभाव और सभी सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर भागीदारी लेते रहे हैं। वर्तमान में आप कोल्हान नितिर तुरतुंग जो कि एक नि:शुल्क शैक्षणिक कोचिंग संस्थान है के संरक्षक भी हैं। कोल्हान नितिर तुरतुंग संस्थान को जब भी कोई जरूरत पड़ती है तो आप हमेशा सबसे पहले आगे बढ़कर मदद करते हैं।

आपके मार्गदर्शन में बहुत ही संक्षिप्त अवधि में इस नि:शुल्क कोचिंग संस्थान ने अनेक उपलब्धियां हासिल किया है और झारखंड के कोल्हान क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नि:शुल्क कोचिंग संस्थान बन गया है। अबतक इस संस्थान के लगभग 30 छात्र-छात्राएं प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर और सफल होकर विभिन्न सरकारी व अर्द्दसरकारी कार्यालयों में अपना योगदान दे रहे हैं।

श्री रबिन्द्र गिलुवा

आप चक्रधरपुर प्रखंड के जल्टा ग्राम के निवासी हैं। आप कोल्हान नितिर तुरतुंग के संस्थापक सदस्य हैं और बिना किसी स्वार्थ एवं पद की लालसा लिए निरंतर इसके लिए कार्यरत हैं। आपने जवाहरलाल नेहरू कॉलेज, चक्रधरपुर से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। आप भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान प्राप्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स हैं।

आप Donate Blood (Website+App) के Founder हैं, जिसकी मदद से अब तक लगभग 700 से अधिक लोगों को आवश्यकता के समय तत्काल रक्त की उपलब्धि सुनिश्चित हो पायी है। आप समाज सेवा के साथ-साथ लेखन, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, नई-नई जगहों व व्यक्तियों की जानकारी लेने के भी शौकीन हैं।

श्री गुरूचरण चोड़ा, भूतपूर्व सैनिक

आपका जन्म 20.02.1950 को कुचाई प्रखंड स्थित बयांग ग्राम में हुआ था। आपने वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्द में भाग लिया था, जिस युद्द के पश्चात ही बंग्लादेश एक अलग राष्ट्र बना। पंजाब के स्वर्ण मंदिर को खालिस्तानी आतंकियों के कब्जे से छुड़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

उपलब्धियां (कुल 9 सेवा मेडल)

- 1971 में बंगलदेश की लड़ाई - पूर्वी स्टार
- संग्राम-2 मेडल
- असम-नागालैंड-मेडल
- जम्मू कश्मीर - हिमाचल मेडल
- लेह - उच्च तुंशता मेडल
- दिल्ली - पच्चीसवां स्वतंत्रता जयंती मेडल
- 9 वीं साल में सेवा मेडल (दीर्घ सेवा मेडल)
- 20 वीं साल में सेवा मेडल (दीर्घ सेवा मेडल)
- सराहनीय कार्य हेतु सेवा मेडल।

महर्षि महेंद्र सिंकु

आपका पैतृक गांव जगन्नाथपुर प्रखंड स्थित बलियाडीह ग्राम है। आप वर्तमान में तुरतुंग तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र सिकुरसाई, चाईबासा में तीरंदाजी के प्रशिक्षक हैं। आप एक व्यक्तित्व, ऋषि नहीं, महर्षि नहीं, अपितु कोल्हान के एक ऐसे प्रशिक्षक हैं,

जिनके खिलाडी राज्य, देश एवं विश्वस्तर पर भी अपना झंडा गाड़ रहे हैं, साथ ही साथ आपके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षु देशसेवा के क्षेत्र में भी कार्यरत हैं। आपको अभी तक कुल 14 बार झारखंड टीम हेतु कोच के रूप में नियुक्त किया गया।

तीरंदाजी के क्षेत्र में उपलब्धियां

आपके मार्गदर्शन में अब तक .....

- 7 तीरंदाजों ने सरकारी/अर्धसरकारी नौकरी प्राप्त किया।
- 2 तीरंदाजों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया।
- 51 तीरंदाजों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया।
- 200 तीरंदाजों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।
- 450 तीरंदाजों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।
- 46 राष्ट्रीय पदक प्राप्त हुआ।
- 120 राज्य स्तरीय पदक प्राप्त हुआ।
- 225 जिला स्तरीय पदक प्राप्त हुआ।

केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा का प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ सरकार श्री मनोज कुमार पिंगुवा, भा.प्र.से. द्वारा सम्मान।

हम बदल रहे हैं (जो मेहनत करता है, सफलता का मुकाम वही हासिल करता है)

चाईबासा में दिनांक 27.06.2023 को सुबह 5.00 बजे से ही बहुत तेज बारिश हो रही थी, परन्तु इतने बारिश के समय भी सराईकेला चौक स्थित ईदगाह के पास एक लड़का पेपर बांट रहा था। भारी बरसात में भी अपने खर्चे निकालने के लिए पेपर बांटने का उनका यह काम दिल को छू लेनेवाला था। जानकारी मिली कि वर्तमान में वह स्नातक का छात्र है और उसका नाम सजल कालुन्डिया है। वह सुबह-सुबह अखबार बांटता है, फिर कॉलेज जाता है और शाम को पुन: कम्प्यूटर का कोर्स भी करता है। समाज को आगे बढ़ाने के लिए हमें ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए। चाईबासा और इसके आसपास के शहरों और कस्बों में ऐसे हजारों सजल हैं। डॉ. अब्दुल कलाम जी ने ठीक ही कहा है कि **"जिन्हें जिम्मेदारी का एहसास हो, वही लोग ऐसा काम कर सकते हैं।"**

यह कहानी चाईबासा के उन सैकड़ों अखबार बांटनेवाले साथियों के बारे में है जो आज आपके सहयोग और खुद की कड़ी मेहनत से अच्छे-अच्छे व्यवसाय, नौकरी तक पहुंच गये हैं। ये आपके सहयोग और उनकी कड़ी मेहनत ही है जो आज रंग लायी है।

आर्थिक रूप से कमजोर होते हुए भी पढ़ाई में रूचि लेने वाले विधार्थियो के लिए कालुंडिया बाबु एवं उन जैसे सैकड़ों छात्र हमारे उदाहरण और प्रेरणास्रोत हैं। आज की तारीख में कोई बच्चा यदि गरीब घर में पैदा हुआ है तो गरीबी उसकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न नहीं कर सकती, बाधा उत्पन्न कर सकता है तो उसका गलत संगत। ऐसे प्रेरणादायक तस्वीरें संयोगवश मुश्किल से ही मिलते हैं।

संघर्ष के इन दिनों को याद करने और कोल्हान नितिर तुरतुंग ग्रुप में चर्चा के दौरान कुछ बातें और भी पता चलीं, जिनका यहां संक्षिप्त में वर्णन करना शायद बहुत जरूरी है।

चाईबासा में हॉस्टल, मेस, भाड़े के घर में रहकर पढाई करना हर किसी के वश की बात नहीं है। कोचिंग फीस, हॉस्टल फीस, मेस फीस, घर भाडा वगैरह-वगैरह देना इतना आसान नहीं होता, लेकिन मन में कोई कुछ ठान ले, कुछ करने की इच्छा हो, माँ-बाप के सपने को पूरा करने की जिद्द हो तो कुछ भी असंभव नही है। चाहे गरीबी आड़े आये, चाहे भूख-प्यास लगे, चाहे बदन में फटा-फुटा कपड़ा ही क्यों ना हो, आपके कड़ी मेहनत और लगन को कोई रोक नहीं सकता, डिगा नहीं सकता।

ये वही लोग हैं जो सर्दी, गर्मी और बरसात में, या ठंड से उनके बदन सिकुड़ गये हों, गर्मी से बदन थपथापा गये हों, बारसात में पानी से कपड़े भींग गये हों, लेकिन आपके हाथों तक सुबह-सुबह समय पर ताजा खबर सही सलामत पहुँचाते हैं। ये उनकी कड़ी मेहनत ही है कि उनके रात की नींद पूरी भी नहीं हो पाती होगी और उठकर उन्हें आपके हाथों तक सुबह-सुबह ताजा खबर पहुँचना होता है। उन्हें इस बात का हमेशा डर बना रहता है कि कहीं देर न हो जाये, ग्राहक नाराज न हो जाएं और कल से अखबार ही लेना ना बन्द कर दे उनसे।

किसी के शादी-व्याह, पर्व-त्योहारों आदि में दूसरों को जाते हुए देखना उनकी मजबूरी है। कहीं चले भी गये तो भले ही चाईबासा से कितने भी दूर ही क्यों न चले गये हों 1, 2 घंटे में घूमफिर कर किसी भी कीमत में चाईबासा वापस आना पड़ता है। चाहे शादी-ब्याह में, पर्व-त्योहारों में कितना भी मजा क्यो ना हो, कितनी भी गहरी नींद ही क्यों न आए, सुबह-सुबह 6.00 बजे से पहले ताजा खबर जो आपके हाथों तक पहुंचाना पड़ता है फिर नहा-धोकर 7, 8 बजे कोचिंग भी तो जाना होता है। अपने लिए खुद ही खाना भी बनाना पड़ता है और 10 बजे कॉलेज भी जाना होता

(KNT-97)

है। शाम को दोस्तों के साथ किसी विषय पर तर्क-वितर्क और नौकरी एक्जाम के चक्कर में रात को 12.00 बजे के बाद सोना और फिर सुबह भोर में 04.00 बजे तक हर हालत में उठना पड़ता है, इनका जीवन सचमुच बहुत ही कठिनाईयों से भरा हुआ है।

हमारे समाज के ऐसे ही कुछ नायक हैं जो अपनी मेहनत के बलबूते अभी देश के अलग-अलग प्रांतों में विभिन्न सरकारी/अर्द्द-सरकारी/निजी कार्यालयों में कार्यरत हैं जैसे कि **भारतीय रेल** : सर्वश्री मानो गागराई, साधूचरण होनहागा, सावन काडेयांग, माईकल पाडेया, संदीप पाडेया, लागो हासदा, गुरूचरण बिरूवा, गुरू चरण सिंकू। **व्यवसाय** : सर्वश्री आनंद बारी, विवेक गागराई, गोपीनाथ समाड़, विनयजीत कुंकल, साऊ लागुरी, बिजय समाड़, सिकन्दर बलमूचू, सुनील बिरूवा।

बैंक : श्री संचिन पाठ पिंगुवा, **सी.आई.एस.एफ.** : श्री विनयजीत पाठ पिंगुवा, **ओडीनेस फैक्ट्री** : श्री विजय बलमूचू एवं श्री देवदात्त बिरूली, ओ.एन.जी.सी.: श्री रविशंकर गागराई, **भेल** : श्री रमेश बारी, **नौसेना** : श्री अर्जुन बलमूचू, **कोल इंडिया** : श्री उत्पल लागुरी आदि। यह लिस्ट अभी अधूरा है, और भी साथी है देश के कोने-कोने में, जो विभिन्न नौकरी और व्यवसाय से जुड़े हुए हैं ...

इस (ITI adivasi group chaibasa photo 2004) में जितने भी बड़े भाई, छोटे भाई लोग है और इस photo में और भी भाई लोग नहीं हैं, जिन्होंने अपने-अपने स्तर पर बहुत संघर्ष किया था.....

अपने गांव, परिवार, माता - पीता ... दूर रह कर ITI hostel में रह कर पढ़ाई करना आसान नहीं था। आपने जरूरत की आवश्यक वस्तुओं, दाल-चावल, सब्जी, पेन-पेंसिल, किताब आदि के लिए बड़े-छोटे भाई लोगों ने सुबह 2 घंटे अखबार बांटना, उसके बाद खाना बना कर ITI class attend करना, शाम को tution पढ़ाना आदि कार्य करने के बाद शाम को लिखने। अपना पढ़ाई करते थे और compitition तैयारी करना (खाना कम है आधा पेट खाकर सो जाये), कुछ भाई लोग तो बिना शर्माये बाजार में अपने खेतो की सब्जियां भी बेचते थे और अगर किसी विभाग के लिखित परीक्षा का प्रवेश-पत्र आ जाये, 100/200 रूपए हैं तो चल दिए exam लिखने।

अनेकों उदाहरण मिल जाएंगे ITI adivasi hostel group के senior-junior का, जो अभी वर्तमान में अपने-अपने संघर्षशीलता से भारतीय रेल, भेल, सेल, पुलिस, army, बैंक आदि कार्यालयों में वर्तमान में योगदान दे रहे हैं।

ITI, Chaibasa : Adivasi Students Group-2004

मेहनती बच्चों को देखकर बहुत अच्छा लगता है, इनको सहयोग का आँफर देना अच्छी सोच है, कोल्हान नितिर तुरतुंग इस तरह के बच्चों के लिए एक वरदान है।

जो मेहनत करता है, सफलता का मुकाम वही हासिल करता है।

आपको यह अंक कैसा लगा हमें जरूर बताएं।

ई-मेल : kolhannitirturtung@gmail.com

पत्र लिखें : कोल्हान नितिर तुरतुंग, मानकी-मुण्डा सभागार चाईबासा, जिला : पश्चिमी सिंहभूम, झारखण्ड-833201.

ओलम्पियन तीरंदाज श्रीमती रिमिल बिरूली दोराईबुरू

ओलम्पियन श्रीमती रिमिल बिरूली दोराईबुरू पति श्री गौरव दोराईबुरू का पैतृक गांव बिष्टुमपुर (बागुनसाई) एवं ससुराल दोकट्टा झींकपानी, पश्चिम सिंहभूम है। आप वर्तमान में भारतीय रेलवे में कार्यरत हैं और आपकी तैनाती दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रांची में है। तीरंदाजी के क्षेत्र में आपने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां हासिल की है और देश, राज्य एवं कोल्हान का गौरव बढ़ाया है। आप खेलकूद के क्षेत्र में इच्छुक रखने वाले हमारे समाज के खिलाड़ियों के लिए निश्चय ही एक प्रेरणाश्रोत हैं।

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रीमती रिमिल बिरूली दोराईबुरू की उपलब्धियां

S.No.	Name of Tournament	Date & Year	Venue	Medal/Position
1.	Youth World Championship	22 to 28.08.11	Legnica, Poland	Team Bronze
2.	11th SAF Games	February-2010	Dhaka, Bangladesh	Team Gold
3.	2nd Asian Grand Prix	March-2010	Bankok, Thailand	Team Gold
4.	Commonwealth Games Invitational Test Event	March-2010	New Delhi, India	Team Gold
5.	3rd Stage of Archery World Cup	13 to 22.07.13	Medellin, Colombia	Team Gold
6.	4th Stage of Archery World Cup	17 to 26.08.13	Wroclaw, Poland	Team Gold
7.	48 th World Archery Championship	24.07.15 to 3.08.15	Copenhagen, Denmark	Team Silver
8.	3rd Stage Archery World Cup	9 to 17.08.15	Wroclaw, Poland	Represent India
9.	1st Stage Archery World Cup	24.04.2016 to 2.05.2016	Shanghai, China	Represent India
10.	3rd Stage Archery World Cup	11 to 20.06.16	Antalya, Turkey	Represent India

कोल्हान एजुकेशन चैरिटेबल सोसाइटी (KECS) : खुंटपानी ब्लॉक के बासाकुटी गांव में दिनांक 30.04.2023 को कोल्हान एजुकेशन चैरिटेबल सोसाइटी (KECS) के द्वारा आधुनिक शिक्षा प्रणाली को ध्यान में रखते हुए सर्व सुविधा युक्त मॉडर्न पब्लिक स्कूल का शिलान्यास किया गया। इससे निसंदेह कोल्हान में एक नई उम्मीद के साथ शिक्षा, रोजगार और विकास के क्षेत्र में तेजी आयेगी।

आयुब एकेडमी, पांड्रासाली (बड़ा लागड़ा, चाईबासा)

बच्चों को बचपन से ही राज्य-राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के कैरियर ओरियंटेड पढ़ाई कराने के लिए समर्पित नि:शुल्क आयुब एकेडमी

चाईबासा से लगभग 40 किलोमीटर दुर झारखण्ड राज्य के अंतिम पंचायत बड़ा लागडा़ के पांड्रासाली गांव में आयुब एकेडमी स्थित है। यह सामुदायिक विकास के लिए नि:शुल्क रूप से चल रहा है। 27 अप्रेल 2018 को स्थापित 5 साल पुराने इस छोटे से एकेडमी में स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ-साथ कई चीजों की तैयारी करवाई जाती है। इनमें JPSC, Japanese Language, Memory, Science Activities, Skill, Theatre आदि शामिल है। कभी शुरूआत में बच्चों को हिन्दी बोलना और लिखना नही आता था। जिन बच्चों को पढ़ाई में रूचि नहीं थी, अब वो सब भी यहां आकर पढ़ाई में रूचि लेने के साथ ही अच्छा परफॉर्मेंस भी कर रहें हैं। अब तो यहां आसपास के गांवों के अलावे रांची, गुवाहाटी, जमशेदपुर, चाईबासा, ओड़िशा आदि के स्टूडेंट्स भी आकर पढ़ने लगें हैं।

इन पांच सालों में यहां के स्टूडेंट्स जिला स्तर से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक Science, Mathamatics, Astronomy, Art, Hindi, GK, Ho, Japanese Language, Scholarship, Photography, Environment, Science Club आदि क्षेत्रों में पहूंच रहें हैं।

पांच वर्षों में यहां के स्टूडेंट्स द्वारा प्राप्त उपलब्धियां

1. Scholarship : 2021 में 1, 2022 में 4 स्टूडेंट्स और 2023 में 4 स्टूडेंट्स समर्पण आदर्श विद्यार्थी के रूप में चयनित हुए।

2023 में 1 स्टूडेंट को HDFC Badhte Kadam Scholarship एवं 1 स्टूडेंट को Jyoti Fellowship (Scholarship) प्राप्त हुआ।

2. बेहतर नि:शुल्क विद्यालय में नामांकन : भुवनेश्वर (ओड़िशा) में नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण आवासीय विद्यालय Kalinga Institute of Social Sciences में 2019 में 3 स्टूडेंट्स, 2021 में 7 स्टूडेंट्स और 2022 में 3 स्टूडेंट्स का सेलेक्शन हुआ है।

3. Science के क्षेत्र मे : India International Vikram Sarabhai Student Scientist Award-2022 के Top-12 में 2 Students.

National Science Gaming Competition-2021 के Top-10 में 5 स्टूडेंट्स।

District Level Children's Science Congress-2022 के सीनियर ग्रुप में सेकेंड और जुनियर ग्रुप में थर्ड पोजिशन।

State Level Children's Science Congress-2022 में बोकारो में जिला का प्रतिनिधित्व।

4. Mathematics के क्षेत्र में : International Competition in Mathematics (7 Country) के बीच 2020 में एक स्टूडेंट को Certificate of Achievement और 2021 में 5 स्टूडेंट्स को Certificate of Achievement प्राप्त हुआ।

5. Hindi के क्षेत्र में : 2019 में National Level Essay Contest में Top-10 में 2 Students और 1 Student को Consolation Prize प्राप्त हुआ।

2020 में National Level Essay Contest के Top-10 में 2 स्टूडेंट्स।

2020 के National Level Essay Contest on National Science Day में प्रथम स्थान।

2020 के National Level Essay Contest on International Women's Day में 5 स्टूडेंट्स सम्मानित।

6. General Knowledge के क्षेत्र में: 2020 में 1 स्टूडेंट Zee Entertainment के Mind Wars के Top-5 में शामिल।

7. Memory Power के क्षेत्र में : 2019 में देवघर में 1 स्टूडेंट को "महात्मा गांधी किशोर प्रतिभा सम्मान" प्राप्त हुआ।

2020 में 2 स्टूडेंट को "पंडित जवाहरलाल नेहरू किशोर प्रतिभा सम्मान" प्राप्त हुआ।

2021 में खूंटी में 5 स्टूडेंट्स को "प्रतिभा सम्मान सह प्रोत्साहन" प्राप्त हुआ।

8. अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में : 2022 में NASA के Orion Spacecraft के Flash Drive में लिख कर भेजे गए नाम के जरिए 12 स्टूडेंट्स के नाम ने चन्द्रमा का परिक्रमा किया।

9. Art के क्षेत्र में : International Art Exibition-2021 के High School Category में Top-10 में भारत से केवल 2 शामिल, दोनों आयुब एकेडमी के।

Indigenous Youth International Contest-2021 में Poem में 3rd और Singing में 2nd पोजिशन।

10. Environment के क्षेत्र में : 2021 में पृथ्वी-पुत्र सम्मान के Top-10 में 5 स्टूडेंट्स सम्मानित।

2021 में लुंबिनी, नेपाल में 3 International Environment Warrior Award.

2023 में 11 छात्र-छात्राएं घाटशिला में पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित हुए।

11. Ho Language में : 2021 में 14 स्टूडेंट्स को Central University of Jharkhand द्वारा Language Learning Course का सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ।

तुरतुंग प्रोजेक्ट के तहत हो भाषा कोर्स करने के पश्चात 2021 में 12 स्टूडेंट्स और 2023 में 11 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दिया।

12. Skill Development Classes (Photography & Videography Class) : UNO के WIPO, Switzerland द्वारा आयोजित प्रतियोगिता WIPO Photography Prize for Indigenous People-2022 के Shortlisted 30 में 3 Students एकेडमी के Selected. इनके फोटो को Switzerland के 3 शहरों में प्रदर्शित किया गया।

Indigenous Youth International Contest-2021 के फोटोग्राफी प्रतियोगिता का विनर और वीडियोग्राफी प्रतियोगिता का विनर भी आयुब एकेडमी से रहे।

13. Science Club के क्षेत्र में : एकेडमी में स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब को 2021 में भारत सरकार के विज्ञान प्रसार ने Commendable Club का मान्यता प्रदान किया।

मुख्य प्रतिभागिता : बिड़ला इंडस्ट्रियल टेकनोलोजिकल म्यूजियम, कोलकाता द्वारा आयोजित 2 दिवसीय रसायन कार्यशाला में 2 छात्र भाग लिए।

14. Japanese Language के क्षेत्र में : Consulate General of Japan द्वारा कोलकाता में आयोजित Conversation on Japanese Literature and Relevance of Tagore में 2 छात्र शामिल हुए।

15. Educational Tour : पांच वर्षों में छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इनमें नेपाल देश और झारखण्ड, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि राज्य भी हैं। मुख्य स्थलों में कर्क रेखा, रांची, पलासी का युद्ध स्थल (पश्चिम बंगाल) आदि भी शामिल है।

16. छात्र-छात्राओं को स्पांसर : Aayub Academy टीम की ओर से स्टूडेंट्स को Sponsor भी किया जा रहा है।

जमशेदपुर में इंटर और NEET की तैयारी के लिए एक छात्रा को आयुब एकेडमी टीम द्वारा रूम, कॉलेज, कोचिंग आदि स्पॉन्सर किया जा रहा है।

एक छात्रा को IGNOU से Graduation पढ़ने के लिए स्पॉन्सर किया जा रहा है।

स्टूडेंट्स को पढ़ाई के लिए गाइड एवं देख-रेख किया जा रहा है।

17. एकेडमी के युनिट्स : एकेडमी के स्टूडेंट्स को एक्टिविटी के माध्यम से विषयों को सिखाने के लिए एकेडमी में छोटे-छोटे युनिट्स जैसे आयुब लाईब्रेरी, इंडो-ब्रिटिश म्यूजियम, कल्पना चावला साइंस क्लब आदि स्थापित किया गया है।

18. एकेडमी के टीचर्स टीम : एकेडमी में सितंबर 2023 के अनुसार में कई टीचर्स ऑनलाइन समर्पित भाव से नि: शुल्क पढ़ा रहे है :-

(i) सुश्री मनीषा पुरती (M.Sc, IIT Kharagpur), रांची।
(ii) सुश्री शीतल तिर्की (B.Ed), रांची।
(iii) सुश्री मुक्ता कुर्ली (B.El.Ed), चक्रधरपुर।
(iv) सुश्री बुधना सावैंया, दिल्ली।
(v) तदाकी सर (जापान)।
(vi) श्री उत्तम कुमार गुप्ता (लखनऊ)।

साथ ही एकेडमी में सेंटर फॉर लर्निंग एंड एजुकेशन के तहत भी टीचर्स नि:शुल्क पढ़ा रहें हैं :-

(i) श्री अमित कुमार, इंजीनियर (पुणे),

(ii) अमिया घई, अध्ययन (IIM Ranchi),

(iii) संगीता मैम (बैंगलोर),

(iv) पवना मैम (बैंगलोर),

(v) श्रिया मैम (लखनऊ)।

Skill Faculties

(i) श्रीप्रकाश, अंतरराष्ट्रीय फिल्ममेकर, रांची।

(ii) सुमन पुरती, Alumna-National School of Drama, New Delhi.

(iii) श्री ज्ञानदीप कुमार, Alumnus-University of Hyderabad.

निम्नलिखित टीचर्स एकेडमी में पुर्व में ऑनलाइन पढ़ा चुकें हैं और अभी भी समय मिलने पर पढ़ाते हैं :-

(i) सुश्री दीप्ति सोय (Pursuing D.El.Ed), रांची, (ii) सुश्री रश्मि बिरूवा (D.El.Ed), चाईबासा, (iii) श्री आशीष श्रीवंश (MA, LLB), पटना, (iv) श्री उज्जवल कुमार, अमेरिका, (v) सुश्री सुनिधि कुमारी, बैंगलोर।

क्लासरूम टीचर्स

(i) श्री प्रधान बिरूवा (MBA),

(ii) सुश्री गीता बिरूवा (UG),

(iii) सुश्री मिथिला बिरूवा (D.El.Ed.),

(iv) सुश्री माधुरी बिरूवा (D.El.Ed),

(v) सुश्री जयंती बिरूवा (Pursuing B.Ed)

19. एकेडमी के अलग-अलग गतिविधियों को संचालित करने के लिए समिति के सदस्य इस प्रकार हैं। इन सबसे विचार-विमर्श के बाद उस कदम को उठाया जाता है : Anita Birua, Lalita Bodra (Rourkela), Geeta Birua, Shri Siddharth Banra, Savita Oreya, Sarita Oreya, Centre for Learning and Education.

20. Academy के मुख्य सहयोगकर्ता हैं :-

1. Shri Basudeo Laguri,
2. Shri Siddharth Banra,
3. Mrs. Anita Birua,
4. Shri Shankar Mardi,

21. मुख्य Educational Equipments निम्नलिखित सहयोगियों द्वारा Donate किया गया है : Ho Employees Gramin Vikas Sangh, Vikash Samant, Lalita Bodra, Anita Birua, Shri Manoj Birua, Shri Manoranjan Birua, Shri Suresh Kalundia, Prakash Kashyap, Ujjwal Kumar, Triple S.Foundation, Ho Samaj Bilaspur etc.

विश्वविजेता तीरंदाज

आपका पैतृक गांव तांतनगर प्रखंड स्थित कोकचो ग्राम है और वर्तमान पता जमशेदपुर स्थित बिरसानगर है। आपने बहुत ही कम उम्र में तीरंदाजी के क्षेत्र में अपनी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। आप अभी जमशेदपुर स्थित टाटा तीरंदाजी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। आपको Olympic Gold Quest और TOPS के तहत प्रायोजित किया गया है। आपने सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर भी अपने मेहनत ओर हुनर से वैश्विक स्तर पर प्रांत, राज्य और देश का मान बढ़ाया है जो समाज के नौनिहालों एवं युवक-युवतियों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है।

सुश्री कोमलिका बारी

राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुश्री कोमलिका बारी की उपलब्धियां

S. No.	Name of Tournament	Date & Year	Venue	Medal/Position
1.	3rd Stage World Cup	20-26 May, 2019	Antalya	Participate
2.	World Archery Championship	10-16 June, 2019	S-Hertogenbosch	Participate
3.	4th Stage World Cup	1-7 July, 2019	Berlin	Participate
4.	Test Event Tokyo	11-18 July, 2019	Tokyo	Participate
5.	Youth World Archery Championship	19-25 Augus,t 2019	Madrid	Individual Gold
6.	1st Stage World Cup	19-25 April, 2021	Guatemala City	Team Gold
7.	Final Qualification for Tokyo Olympics	18-21 June, 2021	Paris	Participate
8.	3rd Stage World Cup	21-27 June, 2021	Paris	Team Gold
9.	Youth World Archery Championship	9-15 August, 2021	Poland	Individual Gold Mix-Team Gold
10.	Asian Archery Championship	13-19 Nov. 2021	Dhaka	Participate
11.	1st Stage World Cup	18-24 April, 2022	Antalya	Participate
12.	2nd Stage World Cup	16-22 May, 2022	Gwangju	Team Bronze

वार्षिक आम बैठक

प्रथम वार्षिक आम बैठक-2022

कोल्हान नितिर तुरतुंग कार्यालय, मानकी-मुण्डा सभागार, मंगला हाट परिसर, चाईबासा में कोल्हान नितिर तुरतुंग का पहला AGM (वार्षिक समान्य बैठक) दिनांक 17.04.2022 (रविवार) को सम्पन्न हुआ। इसी बैठक में सर्वसम्मति से कोल्हान नितिर तुरतुंग ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को आगे ले जाने के लिए चार केंद्रों चाईबासा, चक्रधरपुर, कुचाई और तांतनगर में कोचिंग केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

संस्था के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए अगले तीन वर्षों हेतु निम्नलिखित स्थायी सदस्यों का चयन सर्वसम्मति से किया गया :-

1. अध्यक्ष : श्री माझीराम जामुदा.
2. उपाध्यक्ष : श्री रामचंद्र सोय,
   श्री दयासागर केराई,
   श्री रोहित तियु
3. महासचिव : श्री प्रेमसिंह डांगिल
4. संयुक्त सचिव : सुश्री गीता लागुरी,
   श्री गोपाल कृष्ण सोय
5. कोषाध्यक्ष : श्री धनसिंह हेम्ब्रम
6. सह कोषाध्यक्ष : श्री पूर्णचंद्र जारिका
7. मिडिया प्रभारी : श्री पंकज बाँकिरा
8. कार्यालय सचिव : श्री हेमंत कुमार सामड,
   श्री रमेश बारी

द्वितीय वार्षिक आम बैठक-2023

हिन्दुस्तान

समाज की उपलब्धियों से कराया अवगत

चाईबासा, संवाददाता। कोल्हान नितिर तुरतुंग की द्वितीय वार्षिक आम बैठक चाईबासा के दिव्या भारती मीटिंग हॉल में की गई। जिसमें कोल्हान नितिर तुरतुंग के चारों केंद्र (चाईबासा, चक्रधरपुर, तांतनगर, कुचाई) के स्थानीय निगरानी समिति के सदस्य के अलावा केएनटी के दानदाता उपस्थित थे।

इस द्वितीय वार्षिक बैठक में केएनटी अध्यक्ष माझी राम जामुदा ने कहा कि समाज को वापस भुगतान करने के तहत मुंडा-मानकी संघ, नौकरी-पेशा समूह, युवाओं, समाजसेवी एवं बुद्धिजीवीयों के सहयोग से कोल्हान नितिर तुरतुंग (आदिवासियों का सामाजिक संगठन) का कार्य संचालित होता है। इसका उद्देश्य, आदिवासी बच्चों को नौकरी, रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु, सही मार्गदर्शन देने के लिए कोचिंग-

- कोल्हान नितिर तुरतुंग समाज की हुई द्वितीय वार्षिक आम बैठक
- आमसभा में संस्थान के लेखा-जोखा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गयी

क्लासेज एवं शारीरिक प्रशिक्षण से सजी सम्पूर्ण कोर्स उपलब्ध कराने वाली एक मात्र संस्थान संचालित है। संगठन के महासचिव प्रेम सिंह डांगिल ने संगठन के वर्तमान कार्यों, उपलब्धियों एवं भविष्य के उद्देश्यों के बारे में संक्षिप्त में बताया। इसके बाद संगठन के कोषाध्यक्ष, धनसिंह हेम्ब्रोम ने संस्थान के लेखा-जोखा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। बैठक में अतिथि के रूप में आनंद कुमार जेराई, ज्ञान सिंह सोरोईबुरु, प्रवीण कुमार गागराई, तुम्बी दिग्गी, डांगुर कोड़ाह, साधु चरण देवगम आदि उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में केएनटी के संस्थापक सदस्य जो अब इस दुनिया में नही है उनके आत्मा को शांति मिले एवं उनके परिवार को शक्ति मील इस के लिए प्रार्थना किया गया। बैठक में मुख्य रूप से राम चन्द्र सोय (उपाध्यक्ष), हेमंत सामड (कार्यालय सचिव), पंकज बांकिरा (प्रवक्ता), अंजन सामड (शिक्षक), सत्यजीत हेम्ब्रोम एवं रविन्द्र गिलुवा (संस्थापक सदस्य), मुन्ना सोय, नंदलाल बांकिरा, नारेश्वरी करवा, मिनीश्री बिरुली, लखिन्द्र भूमिज, रघुनाथ बिरुवा, विजय सिंह सुंडी, सुरेश हेम्ब्रोम, सगेन हेम्ब्रोम, विशाल पूर्ति आदि मौजूद थे।

कोल्हान नितिर तुरतुंग समाज की द्वितीय वार्षिक आम बैठक में शामिल लोग।

रविवार दिनांक 23.04.2023 को **दिव्या भारती मीटिंग हॉल, यूरोपियन क्वार्टर्स लेन, चाईबासा** में कोल्हान नितिर तुरतुंग की द्वितीय वार्षिक आम बैठक की गई। जिसमें कोल्हान नितिर तुरतुंग के चारों केंद्र (चाईबासा, चक्रधरपुर, तांतनगर, कुचाई) के स्थानीय निगरानी समिति के सदस्य के अलावा केएनटी के दानदाता उपस्थित थे।

इस द्वितीय वार्षिक बैठक में कोल्हान नितिर तुरतुंग अध्यक्ष श्री माझी राम जामुदा ने कहा कि "Pay Back to Society" के तहत मानकी-मुंडा संघ, नौकरी-पेशा समूह, युवाओं, समाजसेवी एवं बुद्धिजीवियों के सहयोग से कोल्हान नितिर तुरतुंग (आदिवासियों का सामाजिक संगठन) का कार्य संचालित होता है। इसका उद्देश्य, आदिवासी बच्चों को नौकरी, रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु, सही मार्गदर्शन देने के लिए कोचिंग-क्लासेज एवं शारीरिक प्रशिक्षण से सजी सम्पूर्ण कोर्स उपलब्ध कराने वाली एक मात्र संस्थान संचालित है।"

संगठन के महासचिव, श्री प्रेम सिंह डांगिल ने संगठन के वर्तमान कार्यों, उपलब्धियों एवं भविष्य के उद्देश्यों के बारे में, संक्षिप्त में बताया। इसके बाद संगठन के कोषाध्यक्ष, धनसिंह हेम्ब्रोम ने संस्थान के लेखा-जोखा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी।

आज के इस बैठक में अतिथि के रूप में श्री आनंद कुमार जेराई, श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरु, श्री प्रवीण कुमार गागराई, श्री दुम्बी दिग्गी, श्री डांगुर कोड़ाह, श्री साधुचरण देवगम आदि उपस्थित थे।

जिन्होंने कोल्हान नितिर तुरतुंग के कार्यों की सराहना किया, साथ ही कोल्हान नितिर तुरतुंग के सभी पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं सदस्यों को अच्छे कार्यों के लिए सराहा एवं आशीर्वाद दिया।

इस कार्यक्रम में कोल्हान नितिर तुरतुंग के संस्थापक सदस्य जो अब इस दुनिया में नही हैं, उनकी आत्मा को शांति मिले एवं उनके परिवार को शक्ति मिले इसके लिए प्रार्थना किया गया।

आज के इस बैठक में मुख्य रूप से श्री राम चन्द्र सोय (उपाध्यक्ष), श्री हेमंत कुमार सामड (कार्यालय सचिव), श्री पंकज बांकिरा (प्रवक्ता), श्री अंजन कुमार सामड (शिक्षक), श्री सत्यजीत हेम्ब्रोम एवं रबिन्द्र गिलुवा (संस्थापक सदस्य), श्री मुन्ना सोय, श्री नंदलाल बांकिरा, सुश्री नागेश्वरी करवा, सुश्री मिनी बिरुली, श्री लखिन्द्र भूमिज, श्री रघुनाथ बिरुवा, श्री विजय सिंह सुंडी, श्री सुरेश हेम्ब्रोम, श्रीमती सगेन हेम्ब्रोम, श्री विशाल पूर्ती, श्रीमती अंजू पूर्ती, श्रीमती बेला जेराई, श्री कानू राम बोदरा, श्री सुरसिंह हेम्ब्रोम एवं काफी संख्या में केएनटी के शुभचिंतक उपस्थित थे।

(KNT-105)

कोल्हान नितिर तुरतुंग को प्राप्त दान-सामग्री

चाईबासा केन्द्र

क्र.सं.	दानदाता	सामग्री
1.	मानकी मुंडा संघ	Building, Office
2.	श्री रमेश बारी	Computer, Table Fan, Balti
3.	श्री दुम्बी दीपक बारी	Almirah
4.	श्रीमती मधु डांगिल	White Board
5.	श्री बिरूवा सर	Office Board
6.	श्री संजय सामड	White Jar
7.	श्री आनंद कुमार जेराई	Books-100/रस्सी
8.	चाईबासा समाजसेवी	Chair 100 pcs., Printer
9.	श्री जवाहर बांकिरा	Books
10.	चाईबासा समाजसेवी	Chair 100 pcs.
11.	श्री धनसिंह हेम्ब्रोम	Register, Electric wiring
12.	श्री माझीराम जामुदा	Wheight Machine, Stopwatch, Two Stand Fan
13.	श्री डांगुर कोड़ाह	White Board
14.	श्री मेवालाल बिरूवा	Books
15.	श्री बीरेन्द्र तियु	Daily Newspaper
16.	श्री टिकुल तियु	CCTV Set
17.	श्री जगदीश बिरूली	Chair-10
18.	श्री शैलेन्द्र सुन्डी	Chair-10
19.	श्री धनसिंह हेम्ब्रोम	Chair-10
20.	Shed Repairing	Shri Bahadur Bodra-2000/-, Shri Tikul Tiu-1000/-, Shri Rasika Sinku-300/-, Shri Ashish Sawiayan-1000/-, Shri Ladu Bodra-100/-, Shri Chokro Laguri-501/-, Shri Nauri Sirka-100/-, Shri Mahesh Mundari-500/-, Km. Geeta Laguri-200/-

चक्रधरपुर केन्द्र

क्र.सं.	दानदाता	सामग्री
1.	टिकरचम्पी ग्रामीण	Building
2.	श्री जवाहर बांकिरा	भवन मरम्मत हेतु आर्थिक सहयोग।
3.	श्री गणेश चन्द्र कुदादा	भवन व कार्यालय मरम्मत हेतु आर्थिक सहयोग।
4.	श्री मनोहर सामड, श्री नंदलाल बांकिरा, श्री गुरूचरण कालुन्डिया	बुक रैक-2
5.	हो समाज बंडामुंडा	डेस्क बेंच हेतु आर्थिक सहयोग।
6.	श्री किशोर कान्डेयांग	डेस्क बेंच हेतु आर्थिक सहयोग।
7.	श्री रमेश बारी	डेस्क बेंच हेतु आर्थिक सहयोग।
8.	श्री मानिक ताइसुम	डेस्क बेंच हेतु आर्थिक सहयोग।
9.	श्री मिचराय पाड़ेया	डेस्क बेंच हेतु आर्थिक सहयोग।
10.	श्री शुभनाथ बांकिरा	White Board.
11.	श्री प्रेमसिंह डांगिल	White Board, Books.
12.	श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू	कुर्सियां
13.	श्री हिटलर हेस्सा	Books
14.	श्री नितेश कुमार महतो	प्राथमिक उपचार बॉक्स, Books
15.	श्री अंजन कुमार सामड	Books
16.	श्री सत्याजीत हेम्ब्रोम	भवन मरम्मत हेतु आर्थिक सहयोग।
17.	श्री दयासागर केराई	Water Jar, Tools
18.	गुड़गाम ग्रामीण, श्री संजय बोयपाई	बालू
19.	लाउड़िया ग्रामीण	शारीरिक प्रशिक्षण हेतु मैदान की अनुमति।
20.	श्री जीवनश्री हेम्ब्रोम	दरी, डेस्क बेंच हेतु आर्थिक सहयोग।
21.	श्री आनंद कुमार जेराई	TV, Competitive Books, Roof repairing.
22.	श्री माझीराम जामुदा	Weight Machine, Almirah, Stopwatch, Office repairing, Fan.
23.	श्री दिगम्बर जामुदा	Books
24.	श्रीमती गीता मेलगांडी	Books

कुचाई केन्द्र

क्र.सं.	दानदाता	सामग्री
1.	श्री प्रकाश सोय	White Board, Books,
2.	श्री संतोष बानरा	Physical Beam, Books, Steel Almirah
3.	श्री रामकृष्ण सामड	Wooden Table,
4.	डा. शिवचरण हांसदा	Printer, Wooden Table
5.	श्री गागराई	Wheight Machine, Stopwatch
6.	श्री रामाय गागराई	Height measurement
7.	श्री गणेश चन्द्र गागराई	Chair-30
8.	श्री सुरसिंह हेम्ब्रोम	Wooden Table
9.	श्री प्रेमसिंह डांगिल	Chair-10
10.	श्री गुरूचरण कालुन्डिया	Daily Newspaper

तांतनगर केन्द्र

क्र.सं.	दानदाता	सामग्री
1.	Shri Dumbi Diggi	Chairs-20
2.	Shri Anjan Kumar Samad	Books
3.	Shri Prem Singh Dangil	Books

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चक्रधरपुर में कम्प्यूटर/लैपटॉप पर आवश्यक प्रशिक्षण/जानकारी प्राप्त करते छात्र

कोल्हान नितिर तुरतुंग की अन्य सामाजिक गतिविधियां

/14-Mar-2021-255-CHAIBASA-edition-Ch 42

दैनिक जागरण 14-03-2021 रविवार

आर्मी बहाली में 60 प्रशिक्षुओं को भेजा रांची

चक्रधरपुर से आर्मी बहाली के लिए रवाना होते अभ्यर्थी • जागरण

रक्तदान शिविर-1

COVID-19 कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान जो मान-सम्मान, इज्जत, सहयोग और भरोसा KCRT दी गयी है, उसी कड़ी में अगले कदम के रूप में एवं आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 9.08.2020 (रविवार) को सदर अस्पताल, चाईबासा में कोल्हान कोरोना रिलीफ टीम, मानकी-मुंडा संघ, चाईबासा और आदिवासी यंगस्टर्स यूनिटी कोल्हान के संयुक्त तत्वाधान में "रक्तदान शिविर" का आयोजन किया गया।

इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में सर्वश्री सत्यजीत हेम्ब्रम, अनन्त हेम्ब्रम एवं रबिन्द्रगिलुवा, प्रीतम बंकिरा, राज बोइपाई, सावन सोय, संदीप सोय, दिनेश सिंकु, निर्मल गागराई, कपिल बारी, रामहरि गोप, पुरेन्दर हेम्ब्रम, सुभाष चंद्र सिंकु, सनंग (सन्नी) सामड, लक्ष्मण हेम्ब्रम एवं अन्य साथियों ने महत्वपूर्ण भागीदारी निभायी, सभी को कोल्हान नितिर तुरतुंग टीम की ओर से धन्यवाद।

रक्तदान शिविर-2

दिनांक 9.08.2021 को कोल्हान नितिर तुरतुंग के बैनर तले आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में सदर हॉस्पिटल चाईबासा में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें जिले के चारों दिशाओं से काफी लोग भाग लिए थे।

कार्यक्रम की शुरुआत फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट जियू मैडम ने भगवान बिरसा के फोटो में माल्यार्पण करके की।

(KNT-108)

तत्पश्चात कोल्हान नितिर तुरतुंग के अध्यक्ष श्री प्रकाश लागुरी, सचिव श्री प्रेमसिंह डांगिल, मानकी-मुन्डा संघ के अध्यक्ष श्री गणेश पाठ पिंगुआ, हो बैंकर्स के अधिकारी श्री सुखदेव बारी, आदिवासी यंगस्टर्स यूनिटी के श्री रियांस सामड, प्रसिद्ध समाजसेवी श्री इरशाद सर, श्री विकास दोदराजका, कोल्हान नितिर तुरतुंग के श्री सिंगराय बोदरा, श्री राकेश जोंको, श्री मार्श बोदरा और अन्य सदस्यों ने पारी-पारी से माल्यार्पण किया।

कोरोना योद्दा सम्मान

अंकित मेमोरियल ट्रस्ट, चक्रधरपुर द्वारा दिनांक 23.09.2021 को समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने के लिए नामचीन समाजसेवी संगठनों, टीम समिति, मिडिया समूह और युवा चेहरों के बीच अच्छे कामों के लिए 'कोल्हान नितिर तुरतुंग' का नाम आना एवं नामचीन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए मौका देना और सम्मानित होना गर्व की बात है। ऐसे सम्मानों से लक्ष्यों को पूरा करने और बेहतर कार्य करने हेतू सकरात्मक ऊर्जा

इस रक्तदान शिविर में काफी जाने-माने लोग भी रक्तदान करने हेतु उपस्थित हुए जैसे राजनगर के प्रखंड विकास अधिकारी श्री डांगुर कोड़ा, डुमरिया के प्रखंड विकास अधिकारी श्री साधुचरण देवगम, ओलंपियन एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री मंगल सिंह चम्पिया, आयूब स्कूल के संस्थापक श्री प्रधान बिरूवा, कोल्हान लाइब्रेरीमैन श्री संजय कच्छप, हो फिल्म निर्माता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी श्री सावन सोय, श्री साधु हो, शिक्षक संघ के श्री कृष्णा देवगम, श्री विमल बोइपाई इत्यादि। इस कार्यक्रम में रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट और पौधे उपहार स्वरूप दिए गए, साथ ही साथ नास्ता और दोपहर का भोजन भी दिया गया। इस रक्तदान शिविर में कुल 100 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जमशेदपुर से सर्वश्री बुधन बानरा, रानी बोदरा, संजू बिरूवा, चक्रधरपुर से सर्वश्री रबिन्द्र गिलुवा, अंजन कुमार सामड, रॉकी सामड, चाईबासा से सर्वश्री माटुल, पोरेश बिरुवा, रमेश बारी, चिंता दास, बनमाली तमसोय इत्यादि का योगदान रहा।

संचारित होती है। इस सम्मान के लिए सभी माननीय सदस्यों, पदाधिकारीगण, मानकी मुण्डा संघ के पदाधिकारी और सहयोग करने वाले सभी सामाजिक संगठनों को बहुत-बहुत बधाई।

सम्मान समारोह

दिनांक 25.12.2022 को बिलासपुर हो समाज उपरूम जुमुर कार्यक्रम में कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा को NMDC Chhattisgarh से सेवानिवृत्ति और द्वितीय चरण में कोल्हान नितिर तुरतुंग में अहम भूमिका के साथ आदिवासी बच्चों को कोचिंग, ट्रेनिंग और मार्गदर्शन देकर नौकरियों सफलता हासिल कराने के लिए छत्तीसगढ़ शासन के प्रिंसिपल सेक्रेटरी, श्री मनोज कुमार पिंगुवा, IAS के हाथों पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह् और शाल ओढ़ कर सम्मानित किया गया।

14वां आदिवासी युवा कार्यक्रम

(KNT-109)

बैठक सह मिलन समारोह

श्री माझीराम जामुदा, केन्द्रीय अध्यक्ष/कोल्हान नितिर तुरतुंग द्वारा अपने पैतृक आवास, ग्राम भलियाडीह में दिनांक 12.02.2023 को कोल्हान नितिर तुरतुंग के पदाधिकारियों/सदस्यों के सम्मान में एक बैठक-सह-मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस बैठक सह मिलन समारोह में श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू/पूर्व श्रमायुक्त (केन्द्रीय), भारत सरकार,

डॉ.शिवचरण हांसदा, श्री डांगुर कोड़ाह/प्रखंड विकास पदाधिकारी, श्री कृष्णा देवगम/शिक्षक-सह-सामाजिक कार्यकर्ता, श्री रामचन्द्र सोय, श्री एस.गागराई, श्री रबिन्द्र गिलुवा, श्री मदन बोदरा, श्री सत्यजीत हेम्ब्रोम एवं अन्य सदस्य व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में कोल्हान नितिर तुरतुंग के भविष्य की योजनाओं एवं संगठन को बेहतर बनाने संबंधी अनेक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सामुदायिक पुस्तकालयों को सुदृढ़ एवं बेहतर ढंग से संचालन करने निमित्त बैठक का आयोजन : पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित चाईबासा सभागार में दिनांक 12.05.2023 को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में जिला अंतर्गत संचालित सामुदायिक पुस्तकालयों को सुदृढ़ एवं बेहतर ढंग से संचालन करने हेतु निमित्त बैठक का आयोजन किया गया। जिला के अंतर्गत 1 राज्य पुस्तकालय सहित 16 सामुदायिक पुस्तकालय, 8 कल्याण आवासीय विद्यालय पुस्तकालय, 2 कल्याण कौशल केंद्र पुस्तकालय, 4 नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय पुस्तकालय, 15 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पुस्तकालय, 3 झारखंड बालिका आवसीय विद्यालय पुस्तकालय, 8 स्किल सेंटर पुस्तकालय तथा 8 आईटीआई सेंटर पुस्तकालय सहित कुल 65 पुस्तकालय मौजूद हैं। बैठक में बताया गया कि नीति आयोग द्वारा देश के चयनित जिलों में पंचायत स्तर पर पुस्तकालय खोलने के तदर्थ तैयार सूची में पश्चिमी सिंहभूम जिला का भी नाम शामिल है।

उपायुक्त ने बताया कि लाइब्रेरीमैन श्री संजय कच्छप के द्वारा कुल 24 सामुदायिक पुस्तकालय का गठन किया गया है तथा वहां यूथ क्लब के माध्यम से इसका संचालन किया जा रहा है। सभी 24 सामुदायिक पुस्तकालयों के संचालक सिविल सोसायटी के प्रतिनिधि तथा जिला अंतर्गत कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों को जिले के लाइब्रेरी संग संबद्ध किया गया है, ताकि पुस्तकालयों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध हो सके। इसके अलावा जिले के सरकारी विभागों का एक रोस्टर तैयार किया गया है, जिसके तहत विभाग के पदाधिकारी द्वारा क्रमवार पुस्तकालय विजिट कर मोटिवेशनल काउंसलिंग एवं विभागों से संबंधित जानकारियों को उपलब्ध करवाया जाना है। बैठक में मौजूद पुस्तकालयों में बेहतर सुविधा बहाल करने हेतु अन्य पहल यथा बुक डोनेशन ड्राइव, गैजेट डोनेशन ड्राइव संचालन करने का निर्णय लिया गया है, ताकि आसपास के बच्चे लाइब्रेरी के माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी करते हुए सफलता के नए आयाम गढ़ सकें।

इस बैठक में कोल्हान नितिर तुरतुंग के प्रतिनिधि के रूप में श्री माझीराम जामुदा (केन्द्रीय अध्यक्ष), श्री प्रेम सिंह डांगिल (महासचिव), श्री हेमंत सामड (कार्यालय सचिव), श्री पंकज बांकिरा (चक्रधरपुर निगरानी समिति सदस्य सह प्रवक्ता), श्री जगदीश बिरूली (सदस्य/चाईबासा निगरानी समिति), श्रीमती जीरेन सोय (शिक्षिका चाईबासा), श्री प्रधान पुरती (शिक्षक चाईबासा), श्री रघुनाथ बिरूवा (शिक्षक चाईबासा), श्री नागेश्वरी कारवा (शिक्षिका तांतनगर), श्रीमती मनमति लेयांगी (सदस्या), श्री शिवचरण चातर (सदस्य), श्रीराम बोदरा (सदस्य) और महासचिव/मुण्डा मानकी संघ श्री रामेश्वर कुंटिया जी उपस्थित हुए।

इस बैठक में अध्यक्ष श्री जामुदा जी और महासचिव श्री डांगिल ने कोल्हान नितिर तुरतुंग द्वारा संचालित योजनाओं, उपस्थित और जरुरी सुझाव को संक्षिप्त में रखा। इस कार्यक्रम हेतू KNT को जरूरी सुझाव से मदद करने वाले श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू जी, श्री आनंद कुमार जेराई जी, श्री साधु चरण देवगम जी, श्री संजय कच्छप जी को बहुत बहुत धन्यवाद।

क्रॉस कंट्री दौड़

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस
के शुभ अवसर पर
विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा
क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया है।
पुरुष 08 km
महिला 06 km
स्थान :- शांति नगर मैदान, चक्रधरपुर | दिनांक :- 23.06.2023 | समय :- 5:30am
आयोजक पश्चिम सिंहभूम जिला ओलंपिक एसोसिएशन

कोल्हान नितिर तुरतुंग के पहल पर सिलफोडी ग्रामीणों के सकारात्मक सहयोग एवं सीआरपीएफ 60 बटालियन के सहयोग और श्री दयासागर केराई, भूतपूर्व सैनिक एवं प्रशिक्षक (उपाध्यक्ष/कोल्हान नितिर तुरतुंग) के प्रयास से शांतिनगर मैदान, चक्रधरपुर एक नया अध्याय जुड़ गया, जब 21.06.2023 को एक क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। श्री दयासागर केराई जी का अनुशासन और नि:स्वार्थ समाजसेवा, कड़ी मेहनत एक सच्चे सैनिक का उदाहरण है।

श्रम-20 (एल-20) सम्मेलन : दिनांक 22-23 जून 2023 को पटना में एल-20आयोजित की गयी। इसमें जी-20 देशों के श्रमिक संघों के नेता एवं प्रतिनिधि शामिल होते हैं जो श्रम संबंधी विभिन्न मुद्दों को हल करने के उद्देश्य से विश्लेषण और नीतिगत सिफारिशें प्रदान करते हैं। माननीय श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू जी (सेवानिवृत्त उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) बतौर प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

इस सम्मेलन में 28 देशों के 173 प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को बेहतर भविष्य के लिए रोजगार से जोड़ना और समान वेतन प्रदान करना है। भारत में 32% महिलाओं कामकाजी हैं। सभी प्रवासी मजदूरों को देश विदेश में सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है और ट्रेनिंग के कौशल दक्ष्य बनाना है। ज्ञात हो कि देश का पहला पहला एल-20 सम्मेलन अमृतसर में हुआ था।

शिष्टाचार मुलाकात : दिनांक 2.07.2023 को माननीय अध्यक्ष/कोल्हान नितिर तुरतंग श्री माझीराम जामुदा, जी के साथ पूरी जाने के क्रम में टिटलागढ़ रेलवे स्टेशन पर श्री अमन बोबोंगा, सदस्य/कोल्हान नितिर तुरतुंग एवं रेलकर्मी के बीच एक शिष्टाचार आकस्मिक मुलाकात।

सक्षिप्त मुलाकात

दिनांक 13.07.2023 (गुरुवार) को रांची में श्री ललेंद्र लागुरी जी और श्री बासुदेव लागुरी जी के साथ श्री अंजन कुमार सामड जी की एक छोटी सी शिष्टाचार मुलाकात।

स्वच्छ एवं पेयजल मंत्री, झारखंड सरकार से मुलाकात

केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझी राम जामुदा, महासचिव श्री प्रेमसिंह डांगिल एवं श्री रबिन्द्र गिलुवा जी ने दिनांक 05.08.2023 को स्वच्छ एवं पेयजल मंत्री, झारखंड सरकार माननीय श्री मिथिलेश ठाकुर जी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान तीनों प्रतिनिधियों ने माननीय मंत्री जी को कोल्हान नितिर तुरतुंग के द्वारा किये जा रहे शैक्षणिक कार्यों की विस्तृत जानकारी दी और कोचिंग केन्द्र में छात्रों के लिए मूलभूत सुविधाएं

प्रदान करने हेतु सहयोग की मांग की।

उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम के साथ अनौपचारिक बैठक

श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू, सलाहकार/कोल्हान नितिर तुरतुंग के नेतृत्व में दिनांक 8.08.2023 को केन्द्रीय कमिटी, कोल्हान नितिर तुरतुंग के पदाधिकारियों की एक बैठक श्री अनन्य मित्तल, उपायुक्त/पश्चिमी सिंहभूम के साथ उनके कार्यालय में हुई। जहां कोल्हान नितिर तुरतुंग के पदाधिकारियों ने कोल्हान क्षेत्र में शैक्षणिक विकास संबंधी विभिन्न मुद्दों पर उपायुक्त महोदय से चर्चा की एवं कोल्हान नितिर तुरतुंग शिक्षण संस्थान में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया और उन्हें इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा।

इस बैठक में सलाहकार श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू जी के साथ कोल्हान नितिर तुरतुंग के अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा, सचिव श्री प्रेमसिंह डांगिल, उपाध्यक्ष श्री दयासागर केराई, सक्रिय सदस्य श्री रबिन्द्र गिलुवा जी और उपायुक्त कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस

सिंहभूम एसोसिएशन स्पोर्ट्स ग्राउंड चाईबासा में मानकी-मुण्डा संघ केन्द्रीय कमेटी द्वारा दिनांक 9.08.2023 को विश्व आदिवासी दिवस आयोजित की गई।

इस उपलक्ष्य में आदिवासी समाज के युवाओं के बेहतर शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के उत्कृष्ट योगदान के लिए कोल्हान नितिर तुरतुंग के केन्द्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सैनिक श्री माझीराम जामुदा, उपाध्यक्ष सह शारीरिक प्रशिक्षक श्री दयासागर केराई और शारीरिक प्रशिक्षक श्री विजय बाड़ा को उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभम श्री अन्न्य मित्तल के हाथों सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें अंगवस्त्र, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जागरूकता अभियान

मतदाता सूची में शामिल होने के लिए जागरूकता अभियान के दौरान ग्रामीण आंगनबाड़ी सेविका एवं केएनटी स्टडी सेंटर सह लाइब्रेरी, चक्रधरपुर छात्र छात्राएं।

स्वागत समारोह

केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा और कोल्हान नितिर तुरतुंग के अन्य सदस्यों द्वारा दिनांक 30.04.2023 को पद्मश्री डॉ.जानुम सिंह सोय का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया।

अनौपचारिक बैठक

कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्र चक्रधरपुर में दिनांक 8.09.2023 को स्मारिका के संबंध में हुई आवश्यक बैठक के पश्चात कोल्हान नितिर तुरतुंग कुचाई के उपाध्यक्ष, श्री रामचन्द्र सोय एवं सचिव श्री गोपाल कृष्ण सोय जी के द्वारा उपहार स्वरूप केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा, अध्यक्ष/कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा श्री जगदीश चन्द्र बिरूली, उपाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र सुन्डी एवं सदस्य श्री शैलेश कन्डाईबुरू को साल (सखुआ) का पौधा प्रदान किया गया।

केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा जी के आवास पर आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में KNT के सदस्य एवं पदाधिकारीगण।

भारतवर्ष में स्थित 'हो समाज' की अन्य सामाजिक व सांस्कृतिक संस्थाएं

क्र.सं.	संस्था का नाम	पता एवं संपर्क नंबर
1.	आदिवासी हो समाज महासभा, चाईबासा।	कला एवं संस्कृति भवन, हरिगुटु, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड-833201. संपर्क : 9971413161, 7901659105.
2.	आदिवासी हो समाज युवा महासभा, चाईबासा।	कला एवं संस्कृति भवन, हरिगुटु, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड-833201. संपर्क : 9835404708.
3.	मानकी-मुण्डा संघ, चाईबासा।	मानकी-मुण्डा सभागार परिसर, मंगलाहाट, चाईबासा, झारखंड-833201. संपर्क :
4.	कोल्हान नितिर तुरतुंग, चाईबासा।	मानकी-मुण्डा सभागार परिसर, मंगलाहाट, चाईबासा, झारखंड-833201. संपर्क : 6265277797/9162559989.
6.	सिंहभूम आदिवासी समाज, रांची।	Harihar Singh Road, Morabadi, Ranchi, Jharkhand-834008. Contact No.9939364185/9771993071
7.	दिशुम दिल्ली, नई दिल्ली।	D-4, Satyavihar, Burari, Delhi-110084. Contact No. 9810302017/9958178586
8.	हो-मुण्डा समाज, बिलासपुर।	Mahmand, Ganeshnagar, Bilaspur, Chhatishgarh-495004. Contact No.9754686523
9.	बिरसा मुण्डा हो समाज मरसल आखड़ा, क्योंझर।	Tikargumura, Keonjhar, Odisha-758002, Contact No.9556786160
10.	हो दिशुम मध्य प्रदेश।	Ho Dishum Madhya Pradesh, BHL Bhopl, Bhopal-462022. Contact No.9406702652/7471119522.
11.	आदिवासी हो समाज, हैदराबाद।	Gole Bangla, New Mettuguda, Secunderebad, Hyderabad-500072, Contact No.9390864810
12.	हो समाज चेन्नई।	Annanur, P.O. : Annanur, Chennai-600109. Contact No.8124557682
13.	हो-मुण्डा समाज, पूना।	Sai Ambiance, Kunal Icon Road, Pimple Saudagar, Pune-411027. Contact No.9604854423/9503013055
14.	आदिवासी हो समाज बंडामुण्डा।	Adivasi Club Bondamunda, Sector-A, Bondamunda, Odisha-770032. Contact No.9437649521.
15.	आदिवासी मित्र मंडल, चक्रधरपुर।	Potka, Chakradharpur, West Singhbhum, Jharkhand-833102. Contact No.8603577119.
16.	सिंगरौली हो परिवार, सिंगरौली।	Singrauli Ho Pariwar, Madhya Pradesh-486887 Contact No.8953249926/9131872086
17.	कोल्हान वेल्फेयर एसोसिएशन मुंबई।	Hema Park, Building 1/A-404, S.M.Road, Bhandup (E), Mumbai-400042.Contact No.9370631145/9326018116.

-: श्रद्धांजलि :-

स्वर्गीय श्री संगमलाल सुम्बरुई

कोल्हान नितिर तुरतुंग चाईबासा के एक कर्मठ, जुझारु और सहयोगी व्यक्तित्व के धनी सदस्य स्वर्गीय श्री संगमलाल सुम्बरूई जी का कोरोनाकाल में दिनांक 19.04.2021 को इलाज के दौरान देवकमल अस्पताल, रांची में निधन हो गया। स्वर्गीय श्री संगमलाल सुम्बरूई चाईबासा-सदर प्रखण्ड के डांगुरपी (भूता) गांव के रहने वाले थे और महालेखाकार कार्यालय, इलाहाबाद में वरिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत थे।

कोल्हान नितिर तुरतुंग की पूरी टीम के लिए यह खबर बहुत ही व्यथित और विचलित करने वाली है क्योंकि कोल्हान कोरोना रिलीफ टीम के बैनर तले कोल्हान के हजारों प्रवासी मजदूरों तक हरसंभव राहत पहुंचाने, सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाने के काम में स्वर्गीय श्री संगमलाल सुम्बरूई जी ने तन-मन-धन से एक टीम का हिस्सा होने का एहसास कराकर हम-सबके साथ-साथ पूरे समाज का दिल जीत लिया था। स्वर्गीय श्री सुम्बरूई जी के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा एक पुत्र (13 वर्ष) और एक पुत्री (9 वर्ष) हैं।

आज हमारे बीच स्वर्गीय श्री संगमलाल सुम्बरूई जी नहीं हैं, पर उनकी अविस्मरणीय सहयोगात्मक यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। समाज ने अग्रिम पंक्ति के एक अनुभवी समाजसेवी को खो दिया। कोल्हान नितिर तुरतुंग के चारों शाखाओं चाईबासा, चक्रधरपुर, कुचाई और तांतनगर टीम के सभी संरक्षकों, पदाधिकारियों, सदस्यों व शुभचिंतकों की ओर से स्वर्गीय श्री संगमलाल सुम्बरूई जी को अंतिम जोहार।

स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको

सीमा सुरक्षा बल के 5वीं बटालियन में सेवारत सहायक उपनिरीक्षक (जी.डी.) स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको जी का जम्मू-कश्मीर के नाउशेरा, मेंडार में दिनांक 13.03.2023 को अचानक हार्ट अटैक आने के कारण निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार दिनांक 15.03.23 को राजकीय सम्मान के साथ पैतृक गांव धरमसाई मे किया गया।

स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको जी का जन्म दिनांक 12.02.1969 को गांव-धरमसाई, डाकघर-चिरुबेड़ा, चक्रधरपुर में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। देशसेवा को अपना कैरियर बनाने के लिए स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको जी ने दिनांक 20.01.1988 को सीमा सुरक्षा बल मे सिपाही के पद पर अपना योगदान दिया। अपनी ईमानदारी और समर्पण के कारण समय पर पदोन्नति प्राप्त कर आप वर्तमान में सहायक अप निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे।

स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको जी स्वभाव से काफी मिलनसार और मददगार व्यक्तित्व के थे। उन्होंने कोरोनाकाल में KNT के सामाजिक सदस्य होने का परिचय देते हुए हरसंभव आर्थिक सहयोग देकर समाजहित के कार्य मे सक्रिय भूमिका निभायी। देश के विभिन्न क्षेत्रों मे 35 वर्षों से अधिक के अपने कार्यकाल के दौरान 35 से अधिक नकद पुरस्कारों से उन्हें सम्मानित किया गया, जिसमें महानिरीक्षक एवं उपमहानिरीक्षक का प्रशस्ति पत्र भी शामिल है। सीमा सुरक्षा बल मे कर्तव्यपरायंता एवं स्वच्छ बेदाग सेवा के लिए स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको जी को वर्ष 2019 में सीमा सुरक्षा बल "महानिदेशक के प्रशस्ति पत्र" से नवाजा गया, जो कि उनकी सेवा कि अनुपम और गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

स्वर्गीय श्री संगमलाल सुम्बरूई एवं स्वर्गीय श्री बुधलाल जोंको जी का असमय निधन कोल्हान नितिर तुरतुंग परिवार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है, इनदोनों के योगदान और समर्पण को नमन।

कोल्हान नितिर तुरतुंग स्मारिका निर्माण हेतु बैठकें

प्रथम बैठक : रेलवे अधिकारी विश्राम गृह, रांची में दिनांक 24-06-2023 (शनिवार) को कोल्हान नितिर तुरतुंग के सदस्य सह पदाधिकारी श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू जी, श्री शैलेश कन्डाईबुरू जी और श्री अंजन सामड जी के मध्य एक संक्षिप्त आकस्मिक बैठक हुई, जिसमें कोल्हान नितिर तुरतुंग के भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गयी। आदिवासियों के शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार के कोल्हान नितिर तुरतुंग के Vision और Mission को ऊर्जा देते रहने के लिए ऐसे ही मिलते रहने का सुझाव भी दिया गया। इस बैठक में श्री शैलेश कन्डाईबुरू ने बहुप्रतीक्षित परियोजना **'कोल्हान नितिर तुरतुंग स्मारिका'** को अविलंब कार्यरूप देने को स्मरण कराया।

तीनों सदस्य सह पदाधिकारियों का रांची में इतेफाक से मुलाकात और आपसी चर्चा निश्चित रूप से कोल्हान नितिर तुरतुंग के स्मारिका पत्रिका बनाने और विषय-वस्तु संकलित करने में लाभदायक साबित होगा, क्योंकि तीनों ने कोरोना काल से आज तक एक-एक घटनाओं, प्रयासों और उपलब्धियों को नजदीक से देखा है, शामिल हुए हैं और आज भी मील के पत्थर की तरह कोल्हान नितिर तुरतुंग के साथ खड़े हैं, कार्य कर रहे हैं, मार्गदर्शन दे रहे हैं और सुनहरे भविष्य की खोज कर रहे हैं।

बैठक के दौरान वार्षिक स्मारिका पत्रिका के पहले संस्करण पर यथाशीघ्र टीम गठित करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया, ताकि कोल्हान नितिर तुरतुंग के भूत, वर्तमान और भविष्य की क्रियाकलापों को स्थायी रूप से फोटो सहित स्मारिका में लंबे समय तक के लिए सुरक्षित एवं संजोए रखा जा सके। हम सभी सकात्मक सोच एवं शिक्षा के प्रति कोल्हान नितिर तुरतुंग के लिए बहुत कुछ करने हेतू लालायित हैं, जिसमें स्मारिका का प्रकाशन भी एक है। उम्मीद है कि हमसब मिलकर इसको पूरा करेंगे।

द्वितीय बैठक : कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्रीय कमेटी के उप कार्यालय, चक्रधरपुर में दिनांक 26.06.2023 को श्री शैलेश कन्डाईबुरू की अध्यक्षता में कोल्हान नितिर तुरतुंग की स्मारिका को तैयार करने के लिए उसके प्रारूप, टीम और रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई और स्मारिका हेतु एक 20 सदस्यीय टीम भी गठित की गई। इस बैठक में श्री शैलेन्द्र सुंडी, श्री रबिन्द्रगिलुवा, श्री हेमंत कुमार सामड, श्री प्रेमसिंह डांगिल, श्री पंकज बांकिरा, श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू (फोन द्वारा), श्री माझीराम जामुदा (फोन द्वारा) और श्री धनसिंह हेम्ब्रोम (फोन द्वारा) आदि उपस्थित हुए।

तृतीय बैठक : स्मारिका की समीक्षा हेतु एक अति आवश्यक बैठक दिनांक 21.08.2023 (सोमवार) को नई दिल्ली में श्री शैलेश कन्डाईबुरू के आवास पर की गयी। इस बैठक में श्री सत्यजीत हेम्ब्रोम, श्री रबिन्द्र गिलुवा, सुश्री सुनिता पुर्ती, श्री दिगम्बर जामुदा, श्री हेमन्त कुमार सामड, सुश्री मुक्ता कुरली, सुश्री जयश्री कुंकल एवं श्री शैलेश कन्डाईबुरू उपस्थित थे। श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू जी एवं श्री माझीराम जामुदा जी भी ऑनलाईन माध्यम से इस बैठक में उपस्थित हुए।

बैठक में स्मारिका के निर्माण से संबंधित सभी वांछित आवश्यक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों से आवश्यक विषय-वस्तु संकलित करने की गति तीव्र करने तथा अंतिम तिथि से पहले स्मारिका के बाकी बचे कार्यों को पूरा करने का आग्रह किया गया।

चौथी बैठक : केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा जी की अध्यक्षता में दिनांक 8.09.2023 को चक्रधरपुर स्थित कोल्हान नितिर तुरतुंग के शाखा कार्यालय सह कोचिंग केन्द्र, टिकरचम्पी में स्मारिका हेतु आवश्यक बैठक की गई। यह स्मारिका हेतु अंतिम बैठक थी और इस बैठक में केन्द्रीय अध्यक्ष श्री माझीराम जामुदा एवं महासचिव श्री प्रेमसिंह डांगिल के अलावा कुचाई केन्द्र से श्री रामचन्द्र सोय, श्री गोपाल कृष्ण सोय, चाईबासा केन्द्र से श्री शैलेन्द्र सुन्डी, श्री जगदीश बिरूली, श्री शैलेश कन्डाईबुरू और चक्रधपुर केन्द्र से श्री रबिन्द्र गिलुवा, श्री हेमन्त कुमार सामड, सुश्री सुनिता पुर्ती थीं। इस बैठक में श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू जी ऑनलाईन माध्यम से उपस्थित हुए और उन्होंने स्मारिका निर्माण हेतु स्मारिका टीम को आवश्यक सलाह दी।

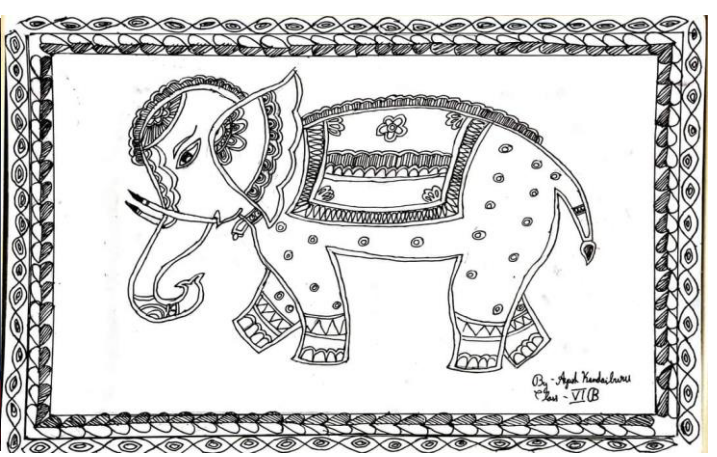

स्थापना दिवस सह स्मारिका विमोचन कार्यक्रम

कार्यक्रम • मानकी-मुंडा सभागार में कोल्हान नितिर तुरतुंग की तृतीय वर्षगांठ सह स्मारिका विमोचन समारोह

बेहतर कार्य करने वाले हो समाज के लोग सम्मानित

भास्कर न्यूज | चाईबासा

केएनटी की ज्ञान रूपी गंगा कोल्हान के हर क्षेत्र में पहुंचे : एसडीओ

मानकी-मुंडा सभागार में रविवार को कोल्हान नितिर तुरतुंग की तृतीय वर्षगांठ सह स्मारिका विमोचन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जगन्नाथपुर अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत कोल्हान नितिर के अध्यक्ष माझीराम जामुदा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए केएनटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने कहा कि केएनटी शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय युवक-युवतियों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। पढ़ाई के साथ-साथ खेल तथा समाजसेवा के क्षेत्र में बेहतर करने वाले हो समाज के लोगों को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर केएनटी ने खेल, शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हो समाज के युवक-युवतियों तथा समाजसेवकों को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि जगन्नाथपुर एसडीओ मुकेश मछुआ ने तुरतुंग के सभी पदाधिकारी तथा सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोल्हान के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लाचार माता-पिता की उम्मीदों को साकार करने के लिए कोल्हान नितिर तुरतुंग अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कोल्हान नितिर तुरतुंग की ज्ञान रूपी गंगा आगे भी पूरे कोल्हान के हर क्षेत्र में पहुंच कर भूमि को उपजाऊ बनाए। मौके पर आदिवासी हो समाज महासभा के महासचिव यदुनाथ तियू, प्रवीण गागराई डीडीसी सरायकेला-खरसावां, आनंद कुमार जेराई कमांडेंट सीआरपीएफ, मुकेश मछुआ एसडीओ जगन्नाथपुर, गणेश पाट पिंगुआ अध्यक्ष मानकी मुंडा संघ, मनोरंजन बिरुवा महाप्रबंधक कार्मिक सेंट्रल कॉल फील्ड लिमिटेड, डॉक्टर शिवचरण हांसदा हो डॉक्टर्स एसोसिएशन, माझीराम जामुदा अध्यक्ष कोल्हान तुरतुंग, चंदन होनहागा, सोनाराम पूर्ति, ज्ञान सिंह दोराईबुरू, मुन्ना सोय, विजय बाड़ा, दयासागर केराई, जवाहरलाल बांकिरा, साधु चरण बीडीओ कुचाई समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

✓ आदिवासी हो समुदाय से नौसेना में चयनित पहली महिला छात्रा सुश्री गुरूवारी हेम्ब्रोम का सम्मान।

✓ भारतीय रेलवे में चयनित छात्र श्री अजीत अल्डा का सम्मान।

✓ भारतीय पोस्ट आफिस में चयनित छात्र कश्मीर सोय जी सम्मान।

✓ वरिष्ट पत्रकार श्री थोमस सुंडी का सम्मान।

✓ हो समाज की ओलंपियन तीरंदाज श्रीमती रीमिल बिरूली दोराईबुरू का सम्मान जो समाज की महिलाओं के लिए आदर्श और प्रेरणाश्रोत हैं।

✓ सोनुवा प्रखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों के अंतर्गत हाड़ीमारा गांव की गोल्डन गर्ल सुश्री गुरूबारी बांकिरा एवं उनके अभिभावकों को विशिष्ट अतिथि आदरणीय श्री मंनोरंजन बिरूवा, महाप्रबंधक (कार्मिक), सेंट्रल कॉलफिल्डस् लिमिटेड एवं उनकी पत्नी डॉ मीना बिरूवा (पूर्व सीएमओ) द्वारा खेल किट प्रदान किया गया और कोल्हान नितिर तुरतुंग केन्द्रीय कमेटी की ओर से एक ट्राली बैग और नगद देकर आशीर्वाद स्वरूप ₹2000 प्रदान किया गया, इसके अलावा आदिवासी हो समाज डांगोवापोसी के माननीय सदस्यों श्री शिवचरण चातर, श्री रोहित तियू, श्री टिकुल तियू, श्री रघुनंदन बिरूवा और श्री संदीप कुमार सिंकू की ओर से नगद सहयोग राशि प्रदान किया गया। हमारे लिए यह बहुत ही प्रशन्नता की बात है कि सुश्री गुरूवारी बांकिरा को अब आगे का प्रशिक्षण कोल्हान नीतिर तुरतुंग के उपाध्यक्ष सह सिंहभूम एथलेटिक्स संघ के कोच श्री दया सागर केराई जी द्वारा दिया जाएगा।

उधार के जूते पहन दौड़ी, जीते दो गोल्ड

गरीबी पर जुनून भारी

- पैसिम बेटी ने हिम्मत कायम, परिजनी सिंहभूम से सबसे पांव पहुंची थी राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने
- फुटबाल बूट पहन दौड़ी और जीत ली 100 मीटर की दौड़, संसाधन से लैस प्रतिपक्षियों को छोड़ा पीछे

200 मीटर की दौड़ के लिए किसी ने दिया प्लास्टिक सोल वाला जूता, दौड़ी जो रही अव्वल

गुरुवारी बांकिरा कलाम्बाडा

✓ कार्यक्रम के बाद हुई बैठक में के.एन.टी. महिला कोषांग का गठन किया गया, प्रस्तावित महिला कोषांग में निम्नलिखित माननीय सदस्या हैं : सुश्री बेला जेराई, सुश्री ज्योति कालुंड़िया, सुश्री मधू डांगिल, सुश्री मंजू हेस्सा, सुश्री अंजिता लागुरी, सुश्री सुनिता पुरती एवं सुश्री बबली केराई।

✓ सभी केंद्रों के शिक्षकों एवं पदाधिकारियों के साथ भी विशेष चर्चा की गई।

✓ वर्ष 2020-2023 के के.एन.टी. कार्यों का संकलन कर एक स्मारिका का विमोचन किया गया।

✓ सभी के.एन.टी. स्टडी सेंटर सह लाइब्रेरी के शिक्षकों, प्रबंधन सह निगरानी समिति के सदस्यों को सम्मानित किया गया।

✓ शिक्षा के लिए जमीन दान करनेवाले टाकरूगुटू के ग्रामीण श्री राम बोदरा जी का सम्मान किया गया।

समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुए मुख्य अथिति एस.डी.ओ. श्री मुकेश मछुवा, विशिष्ट अतिथि उप-विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार गागराई, कमांडेंट श्री आनंद कुमार जेराई तथा महाप्रबंधक (कार्मिक)/सीसीएल श्री मनोरंजन बिरूवा

सम्मान समारोह : सुश्री गुरूबारी बांकिरा, सुश्री गुरूबारी हेम्ब्रोम एवं श्री अजीत अल्डा

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान हेतु विशेष सम्मान : श्री नंदलाल बांकिरा, श्री संदीप दोराईबुरू, श्री जवाहर बांकिरा एवं श्री प्रकाश लागुरी

समारोह में उपस्थित कोल्हान नितिर तुरतुंग के छात्रों, शिक्षकों, सदस्यों व पदाधिकारियों का ग्रुप फोटो

श्री ज्ञानसिंह दोराईबुरू (सपरिवार), धाविका सुश्री गुरूबारी बांकिरा,ओलंपियन तीरंदाज श्रीमती रिमिल बिरूली दोराईबुरू व अन्य सम्मानित सदस्य

कोल्हान नितिर तुरतुंग स्मारिका-2023 का विमोचन

(KNT-119)

समारोह के दौरान उपस्थित प्रशासनिक पदाधिकारी, के.ए.टी. के सदस्य, पदाधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा अथितिगण

कुचाई केन्द्र के पदाधिकारी व शिक्षकगण

चक्रधरपुर केन्द्र के पदाधिकारी व शिक्षकगण

चाईबासा केन्द्र के पदाधिकारी व शिक्षकगण

स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते समारोह में उपस्थित अतिथि, पदाधिकारी, सदस्य व छात्र-छात्राएं

उपस्थित अतिथि : सी.आर.पी.एफ.कमांडेंट श्री आनंद कुमार जेराई, एस.डी.ओ. श्री मुकेश मुछवा, उप-विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार गागराई, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री साधुचरण देवगम, श्री मंनोरंजन बिरूवा, श्री गुरूचरण कालुंड़िया, श्री चंद्र मोहन बिरूवा, श्री विकास दोदोरका, श्री अरसद मास्टर, श्री प्रकाश लागुरी, श्री जवाहर लाल बांकिरा, श्री बसुदेव लागुरी, श्री गणेश पाठ पिंगुवा, श्री चंदन होनहागा, श्री जादूनाथ तियू, श्री सोनाराम पुरती, रिटायर्ड डाक्टर एसोसिएशन, हो बैंकर एसोसिएशन एवं अन्य सदस्यगण।

KNT के माननीय सदस्य : श्री रोहित कुमार तियू, श्री संदीप कुमार सिंकू, श्री रघुनंदन बिरूवा, श्री पोरेश बिरूवा, श्री मोहन बोइपाई, श्री संजय पुरती, श्री टिकुल तियू, श्री शैलेन्द्र सुंडी, श्री जगदीश बिरूली, श्री सुर सिंह सामड, श्री गणेश चंद्र कुदादा, श्री बहादुर बोदरा एवं अन्य सदस्यगण।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद करने वाले मानकी मुण्डा संघ केन्द्रीय कमेटी के अध्यक्ष श्री गणेश पाठ पिंगुवा, श्री चंदन होनहागा एवं श्री रामेश्वर सिंह कुंटिया, KNT पदाधिकारी श्री ज्ञान सिंह दोराईबुरू एवं श्री माझी राम जामुदा, सीआरपीएफ 197 बटालियन चाईबासा एवं उपस्थित नहीं हो पाने वाले माननीय सदस्यों श्री शैलेश कुमार कन्डाईबुरू और श्री गागराई दादा को विशेष आभार, साथ ही साथ सभी शिक्षकों, छात्रों और टीम के अन्य सभी सदस्यों जिन्होंने प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से मदद की को बहुत-बहुत धन्यवाद।

-: जोहार :-

KOLHAN NITIR TURTUNG
Pay back to Society
स्मारिका
SOUVENIR
A Social Organization of Tribes
ESTD : 2020
WEST SINGHBHUM
सहयोग राशि : 150/-